

# मिरा भाईंदर महानगरपालिका

## मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

मा. महासभा दि. २५/११/२०१४

मा. महासभा शनिवार दि. १५/११/२०१४ रोजी सकाळी ठिक ११.०१ वाजता आयोजित करण्यात आली होती. सदर सभा तहकुब केल्याने विषयपत्रिकेवरील प्रलंबीत विषय क्र. ३२ ते ३८ व पुरक घोषणा क्र. ३९ ते ४३ या विषयांवर चर्चा करण्यासाठी ही सभा मंगळवार, दिनांक २५/११/२०१४ रोजी सकाळी ठिक ११.०० वाजता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

### उपस्थित सदस्य

|     |                             |                                    |
|-----|-----------------------------|------------------------------------|
| १)  | कॅटलीन इंथोनी परेरा         | महापौर                             |
| २)  | सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन     | उपमहापौर                           |
| ३)  | पाटील धुवकिशोर मन्साराम     | सभागृह नेता                        |
| ४)  | सॅन्ड्हा जेफ्री रॉड्रीक्स   | सदस्या                             |
| ५)  | असेन्ला मैंडोन्सा परेरा     | सदस्या                             |
| ६)  | कोठारी सुमन रमेश            | सदस्या                             |
| ७)  | कांगणे यशवंत ठकाजी          | सदस्य                              |
| ८)  | पाटील रोहिदास शंकर          | सदस्य                              |
| ९)  | म्हात्रे कल्यना महेश        | सदस्या                             |
| १०) | पिसाळ मनिषा नामदेव          | सदस्या                             |
| ११) | पांडे हंसूकुमार कमलकुमार    | सदस्य                              |
| १२) | निलम हरिशचंद्र ढवण          | गटनेता, शिवरेना                    |
| १३) | जाधव मोहन महादेव            | सदस्य                              |
| १४) | पाटील सुनिता कैलास          | सभापती, महिला व बालकल्याण समिती    |
| १५) | वेतोसकर राजेश शंकर          | सदस्य                              |
| १६) | अरविंद दत्ताराम ठाकुर       | गटनेता, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना  |
| १७) | प्रभात प्रकाश पाटील         | सदस्या                             |
| १८) | प्रेमनाथ गजानन पाटील        | सदस्य                              |
| १९) | शर्मा सुनिला सत्येंद्र      | सदस्या                             |
| २०) | मेहता डिंपल विनोद           | सदस्या                             |
| २१) | जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील      | सदस्य                              |
| २२) | संध्या प्रफुल्ल पाटील       | सदस्या                             |
| २३) | पाटील वंदना विकास           | उप-सभापती, महिला व बालकल्याण समिती |
| २४) | प्रविण मोरेश्वर पाटील       | सदस्य                              |
| २५) | घरत तारा विनायक             | सदस्या                             |
| २६) | आमगावकर हरिशचंद्र रामचंद्र  | सदस्य                              |
| २७) | केळुसकर प्रशांत नारायण      | सदस्य                              |
| २८) | भानुशाली वर्षा गिरीधर       | सदस्या                             |
| २९) | पाटील वंदना मंगेश           | सदस्या                             |
| ३०) | रावल भगवती जयशंकर           | सदस्या                             |
| ३१) | शाह राकेश रतिशचंद्र         | सदस्य                              |
| ३२) | शरद केशव पाटील              | सदस्य                              |
| ३३) | मेघना दिपक रावल             | सदस्या                             |
| ३४) | जैन गिता भरत                | सदस्या                             |
| ३५) | डॉ. जैन रमेश धरमचंद         | सदस्य                              |
| ३६) | शुभांगी महिन कोटियन         | सदस्या                             |
| ३७) | बाबरा डॉनल्ड रॉड्रीक्स      | सदस्या                             |
| ३८) | मैंडोन्सा स्टिवन जॉन        | सदस्य                              |
| ३९) | प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील | सदस्या                             |
| ४०) | ग्रिटा स्टिफन फॅरो          | सदस्या                             |
| ४१) | डॉ. आसिफ गुलाब शेख          | सदस्य                              |
| ४२) | जयमाला किशोर पाटील          | सदस्या                             |

|     |                             |                                     |
|-----|-----------------------------|-------------------------------------|
| ४३) | संदिप मोहन पाटील            | सदस्य                               |
| ४४) | डिमेलो बर्नड अल्बर्ट        | गटनेता, राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी |
| ४५) | बगाजी शर्मिला विन्सन        | सदस्या                              |
| ४६) | परमार अनिता भरत             | सदस्या                              |
| ४७) | पाटील प्रणाली संदिप         | सदस्या                              |
| ४८) | रकवी सुहास माधवराव          | सदस्य                               |
| ४९) | ज्ञिनत रजफ कुरेशी           | सदस्या                              |
| ५०) | खण्डेलवाल सुरेश             | सदस्य                               |
| ५१) | पाटील नरेश तुकाराम          | सदस्य                               |
| ५२) | सुजाता रविकांत शिंदे        | सदस्या                              |
| ५३) | मोहम्मद फरिद सिद्दीक कुरेशी | सदस्या                              |
| ५४) | पुजारी कांचना शेखर          | सदस्या                              |
| ५५) | काझी रशीदा जमील             | सदस्या                              |
| ५६) | इनामदार जुबेर               | गटनेता, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस   |
| ५७) | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम   | सदस्य                               |
| ५८) | म्हात्रे सुर्यकांत खंडोजी   | सदस्य                               |
| ५९) | डिसा मर्लिन मर्विन          | सदस्या                              |
| ६०) | शाह सिमा कमलेश              | सदस्या                              |
| ६१) | कासोदरिया अश्विन श्यामजी    | सदस्य                               |
| ६२) | डॉ. नयना मनोज वसानी         | सदस्या                              |
| ६३) | जैन दिनेश तेजराज            | सदस्य                               |
| ६४) | भट्ट दिप्ती शेखर            | सदस्या                              |
| ६५) | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव       | सदस्य                               |
| ६६) | विराणी रेखा अनिल            | सदस्या                              |
| ६७) | सामंत प्रमोद जयराम          | सदस्य                               |
| ६८) | अनिता जयवंत पाटील           | सदस्या                              |
| ६९) | भोईर भावना राजू             | सदस्या                              |
| ७०) | भोईर राजू यशवंत             | सदस्य                               |
| ७१) | वेंचर गिल्बर्ट मेन्डोसा     | सदस्य                               |
| ७२) | अरोरा दिपिका पंकज           | सदस्या                              |
| ७३) | भावसार शिल्पा कमलेश         | सदस्या                              |
| ७४) | वंदना रामदास चक्रें         | सदस्या                              |
| ७५) | कमलेश यशवंत भोईर            | सदस्य                               |
| ७६) | गावंड मंदाकिनी आत्माराम     | सदस्या                              |
| ७७) | मीरादेवी रामलाल यादव        | सदस्या                              |
| ७८) | अनिल बाबुराव भोसले          | सदस्य                               |
| ७९) | दक्षता राजेंद्र ठाकूर       | सदस्या                              |
| ८०) | भगवती शर्मा                 | नामनिर्देशित सदस्य                  |
| ८१) | दिनेश दगडू नलावडे           | नामनिर्देशित सदस्य                  |
| ८२) | डॉ. सुशिल अग्रवाल           | नामनिर्देशित सदस्य                  |

#### गैरहजर सदस्य –

|     |                          |                    |
|-----|--------------------------|--------------------|
| १)  | मेहता नरेंद्र लालचंद     | विरोधी पक्षनेता    |
| २)  | अशोक सुर्यदेव तिवारी     | सदस्य              |
| ३)  | सिंग मदन उदितनारायण      | सदस्य              |
| ४)  | मुन्ना सिंग              | गटनेता, अपक्ष      |
| ५)  | डॉ. राजेंद्र जैन         | सदस्य              |
| ६)  | रॉड्डीक्स मॉरस जोसेफ     | सदस्य              |
| ७)  | गोविंद हेलन जॉर्जी       | सदस्या             |
| ८)  | लियाकत ग. शेख            | सदस्य              |
| ९)  | शेख शबनम लियाकत          | सदस्या             |
| १०) | सुमंड महरूनीसा हारूनरशीद | सदस्या             |
| ११) | प्रभाकर पद्माकर म्हात्रे | सदस्य              |
| १२) | रविंद्र भिमदेव माळी      | सदस्य              |
| १३) | धनेश परशुराम पाटील       | नामनिर्देशित सदस्य |

### रजेचा अर्ज –

१) म्हात्रे परशुराम पदमाकर

सदस्य

#### मा. महापौर :-

सचिवांनी सभेच्या कामकाजाला सुरुवात करा.

#### नगरसचिव :-

या परिपत्रकाद्वारे आपणांस कळविण्यांत येत आहे की, मा. महासभा शनिवार दि. १५/११/२०१४ रोजी सकाळी ठिक ११.०० वाजता आयोजित करण्यात आली होती. सदरहू सभा ठरावाद्वारे तहकूब केल्याने विषयपत्रिकेवरील प्रलंबित विषय क्र. ३२ ते ३८ व पुरक घोषणा क्र. ३९ ते ४३ या विषयावर चर्चा करण्यासाठी ही सभा मंगळवार दिनांक २५/११/२०१४ रोजी सकाळी ११.०१ वाजता मिरा भाईदर महानगरपालिका, ख. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात आयोजित केलेली आहे. प्रकरण क्र. ३२, महानगरपालिका कर्मचा-यांना दिवाळी सणानिमित्त सानुग्रह अनुदान प्रदान केल्याबद्दल मंजुरी मिळणेबाबत.

#### ध्रुवकिंशोर पाटील :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचारी व ठोक मानधनावरील कर्मचारी यांना दरवर्षी दिवाळी सण कालावधीत कर्मचारी संघटनाकडुन, सन्मा.पदाधिकारी यांच्याकडुन सानुग्रह अनुदान देण्याची मागणी करण्यात येते.

दि. ३१/१०/२००२ रोजी मा. मुख्यमंत्री यांचेकडे महानगरपालिका कामगार संघटना व सर्व महानगरपालिका आयुक्त यांचे समवेत झालेल्या बैठकीमध्ये, महानगरपालिकेने आर्थिक परिस्थितीचा विचार करून, सानुग्रह अनुदान किती द्यावे या बाबतचा निर्णय महानगरपालिका स्तरावर घेण्यात यावा. अशा प्रकारचा निर्णय झाला होता. त्यानुसार नगरविकास विभागाचे पत्र क्र. जीईएन-१०९७/प्र.क्र.२६१/नवि-२४ दि. २७/११/२००२ रोजीच्या पत्रान्वये सर्व महानगरपालिकांना कळविण्यात आलेले आहे. आणि त्यानुसार मिरा भाईदर महानगरपालिकेतील अधिकारी/कर्मचा-यांना सानुग्रह अनुदान देणे बाबत मा. महासभेमार्फत योग्य निर्णय घेतला जातो.

गोषवा-यास अनुसरुन सन-२०१३ मध्ये महानगरपालिका मा. महासभा ठराव क्र.४६, दि. १९/१०/२०१३ अन्वये कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी यांना रक्कम रु. १,९६,९७,५००/- एवढे सानुग्रह अनुदान रक्कम मंजूर करण्यात येऊन, त्याप्रमाणे सानुग्रह अनुदानाचे वाटप करण्यात आले होते.

| अ.क्र. | कर्मचा-यांचा तपशिल   | कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी | प्रदान केलेल्या सानुग्रह अनुदानाची रक्कम रूपये | अनुदानापोटी झालेला खर्च |
|--------|--|--------------------------|--|-------------------------|
| १      | महापालिका आस्थापनेवरील वर्ग-०२ ते वर्ग-०४ संवर्गातील कर्मचारी वर्ग   | १४५२                     | ११,०००/-                                       | १,५९,७२,०००/-           |
| २      | मिरा भाईदर प्राथमिक शाळा शिक्षक वर्ग                                 | १९३                      | ११,०००/-                                       | २१,२३,०००/-             |
| ३      | संगणक चालक/लघुलेखक<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                      | ७७                       | ८,५००/-  | ६,५४,५००/-              |
| ४      | बालवाडी शिक्षिका<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                        | ०५                       | ५,०००/-  | २५,०००/-                |
| ५      | आर.सी.एच. कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                      | २९                       | ८,५००/-  | २,४६,५००/-              |
| ६      | क्षयरोग, कुष्टरोग नियंत्रण कर्मचारी                                  | ३३                       | ५,०००/-  | १,६५,०००/-              |
| ७      | लिंक वर्कर   | १२७                      | २,०००/-  | २,५४,०००/-              |
| ८      | सुवर्ण जयंती योजना<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                      | ०२                       | ४,५००/-  | ९०००/-                  |
| ९      | स्व.इंदिरा गांधी रुग्णालयामधील कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी) | १७                       | ८,५००/-  | १,४४,५००/-              |
| १०     | स्थानिक संस्था कर विभागातील ठोक मानधनावरील कार्यरत असलेले ऑफीट लिपीक | ०६                       | ४,०००/-  | २४,०००/-                |
|        | एकूण   | १९४१                     |  | १,९६,९७,५००/-           |

चालू वर्षासाठी सन्मा. पदाधिकारी व कामगार संघटना यांनी महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचारी व ठोक मानधनावरील कर्मचारी यांना सानुग्रह अनुदानाची मागणी केलेली होती. याअनुषंगाने महानगरपालिका आस्थापनेवरील दि. ३१/०३/२०१४ रोजी सहा महिन्यांपेक्षा अधिक सेवा झालेल्या कार्यरत स्थायी व अस्थायी अधिकारी/कर्मचारी यांना मागील वर्षी मंजूर रक्कमप्रमाणे सानुग्रह अनुदान देणेबाबत प्रस्ताव निर्णयास्तव सादर केलेला होता.

राज्यातील विधानसभा निवडणूक आचारसंहिता नजीकच्याकाळात लागून दिवाळीपर्यंत आचारसंहितेचा कालावधी संपणार असल्याची शक्यता असल्याने, याप्रकरणी दिवाळीपूर्वी मा. महासभेत धोरणात्मक निर्णय होणे शक्य नव्हते. त्यामुळे मा.महापौर यांनी सर्व अधिकारी, पदाधिकारी व सर्व पक्षीय गटनेते यांची बैठक दि.०३/०९/२०१४ रोजी आयोजित केलेली होती. सदर बैठकीमध्ये सर्व कर्मचा-यांना मागील वर्षी दिलेल्या सानुग्रह अनुदानाच्या रक्कमेत रु.१०००/- ने वाढ करावी व दिवाळीपूर्वी कर्मचा-यांना सानुग्रह अनुदानाचे वाटप करावे असा एकमताने निर्णय घेण्यात आला. याअनुषंगे सदर सभेच्या प्रस्तावानुसार महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांना खालीलप्रमाणे सानुग्रह अनुदानाचे मा.महासभेची कार्योत्तर मंजूरीच्या अधीन राहून दिवाळीपूर्वी वाटप केलेले आहे.

#### महानगरपालिका आस्थापनेवरील कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी करीता :-

| अ.क्र. | कर्मचा-यांचा तपशिल   | कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी | प्रदान केलेल्या सानुग्रह अनुदानाची रक्कम रुपये | अनुदानापोटी झालेला खर्च |
|--------|--|--------------------------|--|-------------------------|
| १      | महापालिका आस्थापनेवरील वर्ग-०२ ते वर्ग-०४ संवर्गातील कर्मचारी वर्ग   | १४७२                     | १२,०००/-                                       | १,७४,९५,०००/-           |
| २      | संगणक चालक/लघुलेखक (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                         | ७४                       | ९,५००/-  | ६,८५,५८४/-              |
| ३      | बालवाडी शिक्षिका (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                           | ०५                       | ६,०००/-  | ३०,०००/-                |
| ४      | आर.सी.एच. कर्मचारी (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                         | ०३                       | ९,५००/-  | २८,५००/-                |
| ५      | क्षयरोग नियंत्रण व आय.सी.टी.सी. कर्मचारी (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)   | ३३                       | ६,०००/-  | १,९८,०००/-              |
| ६      | लिंक वर्कर (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                                 | १२६                      | ३,०००/-  | ३,७८,०००/-              |
| ७      | सुवर्ण जयंती योजना विभागातील कर्मचारी (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)      | ०२                       | ५,५००/-  | ११,०००/-                |
| ८      | स्व.इंदिरा गांधी रुग्णालयामधील कर्मचारी (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)    | १७                       | ९,५००/-  | ९,५०,४९७/-              |
| ९      | रथानिक संरक्षा कर विभागातील ठोक मानधनावरील कार्यरत असलेले ऑफीट लिपीक | ०६                       | ५,०००/-  | २८,७५०/-                |
| १०     | बहुउद्देशीय आरोग्य कर्मचारी (ठोक मानधनावरील)                         | १८                       | ५,५००/-  | ६५,५४७/-                |
| ११     | कनिष्ठ अभियंता (ठोक मानधनावरील)                                      | ०७                       | ९,५००/-  | ४४,३३१/-                |
| एकूण   |  | १७६३                     |  | १,९०,३५,९२९/-           |

#### शिक्षण विभागातील कार्यरत शिक्षक वर्ग करीता:-

| अ.क्र. | कर्मचा-यांचा तपशिल                   | शिक्षक वर्गाची संख्या | सन २०१३ मध्ये मंजूर केलेली सानुग्रह अनुदानाची प्रत्येकी रक्कम रुपये | सन २०१४मध्ये कार्यरत कर्मचा-यांना अनुदानापोटी होणारा खर्च |
|--------|--------------------------------------|-----------------------|---|---|
| १.     | मिरा भाईदर प्राथमिक शाळा शिक्षक वर्ग | १९१                   | १२,०००/-  | २२,९२,०००/-   |

वरीलप्रमाणे महानगरपालिकेतील आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचा-यांना व ठोक मानधनावरील कर्मचा-यांना यावर्षी दिवाळी निमित्त सानुग्रह अनुदानाकरीता रु.१,९०,३५,९२९/- इतका खर्च झालेला आहे. आणि यावर्षीच्या अंदाजपत्राकात रक्कम रु.२.०० कोटी इतकी तरतुद आहे. ज्या कर्मचा-यांना सानुग्रह अनुदान देणे राहून गेले आहे अशा कर्मचा-यांना सानुग्रह अनुदान देणेस मंजुरी देण्यात येत आहे.

तसेच शिक्षण मंडळातील कर्मचा-यांसाठी यावर्षी दिवाळी निमित्त सानुग्रह अनुदानाकरीता रक्कम रु. २२,९२,०००/- इतका खर्च झालेला आहे. आणि यावर्षीच्या अंदाजपत्राकात रक्कम रु.२५.०० लक्ष इतकी तरतुद आहे.

तरी वरीलप्रमाणे महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील कर्मचाऱ्यांना सन २०१४ मध्ये दिवाळी निमित्त प्रदान केलेल्या सानुग्रह अनुदान वाटपाच्या खर्चास ही सभा कार्योत्तर मंजुरी देत आहे.

#### शरद पाटील :-

मा.महापौर मँडम मला सभा चालू होण्याअगोदर एक विषय द्यायचा आहे.

#### जुबेर इनामदार :-

माझे अनुमोदन आहे.

#### मा.महापौर :-

ऑलरेडी चालू झाली आहे.

#### शरद पाटील :-

मला माहित नव्हते ते उठतील असं. आमच्या पक्षासाठी विषय महत्वाचा आहे. विरोधी पक्षनेत्याचा राजीनामाचा विषय आहे. घेता येईल की नाही ते सांगा.

#### मा.महापौर :-

तहकूब सभेत तुम्ही काहीच विषय घेऊ शकत नाही.

#### शरद पाटील :-

सचिव साहेब विरोधी पक्षनेत्याचा राजीनामा द्यायचा आहे. पूर्तता आहे. आपण घेऊ शकतो की नाही.

#### मा.महापौर :-

तहकूब सभेमध्ये नविन विषय घेऊ शकत नाही.

#### शरद पाटील :-

मँडम नियम आहे तर सांगा. राजीनामा द्यायचा आहे. नविन विषयाचा प्रश्न नाही.

#### नगरसचिव :-

अजेंड्यावर जे विषय असतील तेवढेच घेतो. बाकी काय घ्यायचे असेल तर पिठासीन अधिकाराचा अधिकार असतो.

#### शरद पाटील :-

ठीक आहे. आपला अधिकार आहे तर घेता की फेटाळता एवढे सांगा.

#### मा.महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजुर करत आहे.

#### प्रेमनाथ पाटील :-

मा.महापौर मँडम आपल्या मनपामध्ये लिंक वर्कस पोलिओ डोससाठी घरोघरी जातात. त्याच्यासाठी सानुग्रह अनुदान आहे की नाही. मँडम त्यांचा २-२, ३-३ महिने पगार होत नाही.

#### मा. महापौर :-

आपण त्यांना दिले. त्यांचा पगार दर महिन्याला होतो. माझ्याकडे ती लोक आलेली.

#### शरद पाटील :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचारी व ठोक मानधनावरील कर्मचारी यांना दरवर्षी दिवाळी सण कालावधीत कर्मचारी संघटनाकडुन, सन्मा.पदाधिकारी यांच्याकडुन सानुग्रह अनुदान देण्याची मागणी करण्यात येते.

दि. ३१/१०/२००२ रोजी मा. मुख्यमंत्री यांचेकडे महानगरपालिका कामगार संघटना व सर्व महानगरपालिका आयुक्त यांचे समवेत झालेल्या बैठकीमध्ये, महानगरपालिकेने आर्थिक परिस्थितीचा विचार करून, सानुग्रह अनुदान किती द्यावे या बाबतचा निर्णय महानगरपालिका स्तरावर घेण्यात यावा. अशा प्रकारचा निर्णय झाला होता. त्यानुसार नगरविकास विभागाचे पत्र क्र. जीईएन-१०१७/प.क्र.२६१/नवि-२४ दि. २७/११/२००२ रोजीच्या पत्रान्वये सर्व महानगरपालिकांना कळविण्यात आलेले आहे. आणि त्यानुसार मिरा भाईदर महानगरपालिकेतील अधिकारी/कर्मचाऱ्यांना सानुग्रह अनुदान देणे बाबत मा. महासभेमार्फत योग्य निर्णय घेतला जातो.

गोषवा-च्यास अनुसरून सन-२०१३ मध्ये महानगरपालिका मा. महासभा ठराव क्र.४६, दि. १९/१०/२०१३ अन्वये कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी यांना रक्कम रु. १,९६,१७,५००/- एवढे सानुग्रह अनुदान रक्कम मंजूर करण्यात येऊन, त्याप्रमाणे सानुग्रह अनुदानाचे वाटप करण्यात आले होते.

| अ.क्र. | कर्मचा-यांचा तपशिल   | कार्यरत अधिकारी /कर्मचारी | प्रदान केलेल्या सानुग्रह अनुदानाची रक्कम रूपये | अनुदानापोटी झालेला खर्च |
|--------|--|---------------------------|--|-------------------------|
| १      | महापालिका आस्थापनेवरील वर्ग-०२ ते वर्ग-०४ संवर्गातील कर्मचारी वर्ग | १४५२                      | ११,०००/-                                       | १,५९,७२,०००/-           |
| २      | मिरा भाईदर प्राथमिक शाळा शिक्षक वर्ग                               | १९३                       | ११,०००/-                                       | २१,२३,०००/-             |
| ३      | संगणक चालक/लघुलेखक (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                       | ७७                        | ८,५००/-  | ६,५४,५००/-              |

मा. महासभा दि. २५/११/२०१४ दि. १५/११/२०१४ ची तहकूब सभा

|    |  |             |         |                      |
|----|--|-------------|---------|----------------------|
| ४  | बालवाडी शिक्षिका<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                              | ०५          | ५,०००/- | २५,०००/-             |
| ५  | आर.सी.एच. कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                            | २९          | ८,५००/- | २,४६,५००/-           |
| ६  | क्षयरोग, कुष्टरोग नियंत्रण कर्मचारी  | ३३          | ५,०००/- | १,६५,०००/-           |
| ७  | लिंक वर्कर   | १२७         | २,०००/- | २,५४,०००/-           |
| ८  | सुवर्ण जयंती योजना<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                            | ०२          | ४,५००/- | ९०००/-               |
| ९  | स्व.इंदिरा गांधी रुग्णालयामधील कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)       | १७          | ८,५००/- | १,४४,५००/-           |
| १० | स्थानिक संस्था कर विभागातील ठोक<br>मानधनावरील कार्यरत असलेले ऑडीट<br>लिपीक | ०६          | ४,०००/- | २४,०००/-             |
|    | <b>एकूण</b>  | <b>१९४९</b> |         | <b>१,९६,१७,५००/-</b> |

चालू वर्षासाठी सन्मा. पदाधिकारी व कामगार संघटना यांनी महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचारी व ठोक मानधनावरील कर्मचारी यांना सानुग्रह अनुदानाची मागणी केलेली होती. याअनुषंगाने महानगरपालिका आस्थापनेवरील दि. ३१/०३/२०१४ रोजी सहा महिन्यांपेक्षा अधिक सेवा झालेल्या कार्यरत स्थायी व अस्थायी अधिकारी/कर्मचारी यांना मागील वर्षी मंजूर रक्कमेप्रमाणे सानुग्रह अनुदान देणेबाबत प्रस्ताव निर्णयास्तव सादर केलेला होता.

राज्यातील विधानसभा निवडणूक आचारसंहिता नजीकच्याकाळात लागून दिवाळीपर्यंत आचारसंहितेचा कालावधी संपणार असल्याची शक्यता असल्याने, याप्रकरणी दिवाळीपूर्वी मा. महासभेत धोरणात्मक निर्णय होणे शक्य नव्हते. त्यामुळे मा.महापौर यांनी सर्व अधिकारी, पदाधिकारी व सर्व पक्षीय गटनेते यांची बैठक दि.०३/०९/२०१४ रोजी आयोजित केलेली होती. सदर बैठकीमध्ये सर्व कर्मचायांना मागील वर्षी दिलेल्या सानुग्रह अनुदानाच्या रक्कमेत रु.१०००/- ने वाढ करावी व दिवाळीपूर्वी कर्मचायांना सानुग्रह अनुदानाचे वाटप करावे असा एकमताने निर्णय घेण्यात आला. याअनुषंगे सदर सभेच्या प्रस्तावावानुसार महानगरपालिकेतील कर्मचायांना खालीलप्रमाणे सानुग्रह अनुदानाचे मा.महासभेची कार्योत्तर मंजूरीच्या अधीन राहून दिवाळीपूर्वी वाटप केलेले आहे.

#### महानगरपालिका आस्थापनेवरील कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी करीता :-

| अ.क्र. | कर्मचा-यांचा तपशिल   | कार्यरत<br>अधिकारी<br>/कर्मचारी | प्रदान केलेल्या<br>सानुग्रह अनुदानाची<br>रक्कम रुपये | अनुदानापोटी<br>झालेला खर्च |
|--------|--|---------------------------------|--|----------------------------|
| १      | महापालिका आस्थापनेवरील वर्ग-०२ ते<br>वर्ग-०४ संवर्गातील कर्मचारी वर्ग      | १४७२                            | १२,०००/-   | १,७४,९५,०००/-              |
| २      | संगणक चालक/लघुलेखक<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                            | ७४                              | ९,५००/-  | ६,८५,५८४/-                 |
| ३      | बालवाडी शिक्षिका<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                              | ०५                              | ६,०००/-  | ३०,०००/-                   |
| ४      | आर.सी.एच. कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                            | ०३                              | ९,५००/-  | २८,५००/-                   |
| ५      | क्षयरोग नियंत्रण व आय.सी.टी.सी.<br>कर्मचारी (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)      | ३३                              | ६,०००/-  | १,९८,०००/-                 |
| ६      | लिंक वर्कर (ठोक मानधनावरील<br>कर्मचारी)                                    | १२६                             | ३,०००/-  | ३,७८,०००/-                 |
| ७      | सुवर्ण जयंती योजना विभागातील<br>कर्मचारी (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)         | ०२                              | ५,५००/-  | ११,०००/-                   |
| ८      | स्व.इंदिरा गांधी रुग्णालयामधील कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)       | १७                              | ९,५००/-  | ९,५०,४९७/-                 |
| ९      | स्थानिक संस्था कर विभागातील ठोक<br>मानधनावरील कार्यरत असलेले ऑडीट<br>लिपीक | ०६                              | ५,०००/-  | २८,७५०/-                   |
| १०     | बहुउद्देशीय आरोग्य कर्मचारी (ठोक<br>मानधनावरील)                            | १८                              | ५,५००/-  | ८५,५४७/-                   |

|    |                                 |      |         |               |
|----|---------------------------------|------|---------|---------------|
| ११ | कनिष्ठ अभियंता (ठोक मानधनावरील) | ०७   | १,५००/- | ४४,३३१/-      |
|    | एकूण                            | १७६३ |         | १,९०,३५,१२९/- |

### शिक्षण विभागातील कार्यरत शिक्षक वर्ग करीता:-

|        |                                      |                       |   |   |
|--------|--------------------------------------|-----------------------|---|---|
| अ.क्र. | कर्मचा-यांचा तपशिल                   | शिक्षक वर्गाची संख्या | सन २०१३ मध्ये मंजूर केलेली सानुग्रह अनुदानाची प्रत्येकी रक्कम रुपये | सन २०१४मध्ये कार्यरत कर्मचा-यांना अनुदानापोटी होणारा खर्च |
| १.     | मिरा भाईदर प्राथमिक शाळा शिक्षक वर्ग | १९१                   | १२,०००/-  | २२,९२,०००/-   |

वरीलप्रमाणे महानगरपालिकेतील आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचा-यांना व ठोक मानधनावरील कर्मचा-यांना यावर्षी दिवाळी निमित्त सानुग्रह अनुदानाकरीता रु.१,९०,३५,१२९/- इतका खर्च झालेला आहे. आणि यावर्षीच्या अंदाजपत्राकात रक्कम रु.२.०० कोटी इतकी तरतुद आहे. ज्या कर्मचा-यांना सानुग्रह अनुदान देणे राहून गेले आहे अशा कर्मचा-यांना सानुग्रह अनुदान देणेस मंजुरी देण्यात येत आहे.

तसेच शिक्षण मंडळातील कर्मचा-यांसाठी यावर्षी दिवाळी निमित्त सानुग्रह अनुदानाकरीता रक्कम रु. २२,९२,०००/- इतका खर्च झालेला आहे. आणि यावर्षीच्या अंदाजपत्राकात रक्कम रु.२५.०० लक्ष इतकी तरतुद आहे.

तरी वरीलप्रमाणे महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील कर्मचा-यांना सन २०१४ मध्ये दिवाळी निमित्त प्रदान केलेल्या सानुग्रह अनुदान वाटपाच्या खर्चास ही सभा कार्योत्तर मंजुरी देत आहे.

#### प्रशांत केळुसकर :-

माझे अनुमोदन आहे.

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

सचिवसाहेब ठराव सेमच आहे. कुठे चेंज नाही.

#### शरद पाटील :-

सारखा असेल तर क्लब करून घ्या.

#### नगरसचिव :-

एक सुचक एक अनुमोदक असे घ्या.

#### मा.महापौर :-

ठराव मंजूर करत आहे.

#### प्रकरण क्र. ३२ :-

महानगरपालिका कर्मचा-यांना दिवाळी सणानिमित्त सानुग्रह अनुदान प्रदान केल्याबद्दल मंजुरी मिळणेबाबत.

#### ठराव क्र. ३८ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचारी व ठोक मानधनावरील कर्मचारी यांना दरवर्षी दिवाळी सण कालावधीत कर्मचारी संघटनाकडुन, सन्मा.पदाधिकारी यांच्याकडुन सानुग्रह अनुदान देण्याची मागणी करण्यात येते.

दि. ३१/१०/२००२ रोजी मा. मुख्यमंत्री यांचेकडे महानगरपालिका कामगार संघटना व सर्व महानगरपालिका आयुक्त यांचे समवेत झालेल्या बैठकीमध्ये, महानगरपालिकेने आर्थिक परिस्थितीचा विचार करून, सानुग्रह अनुदान किती द्यावे या बाबतचा निर्णय महानगरपालिका स्तरावर घेण्यात यावा. अशा प्रकारचा निर्णय झाला होता. त्यानुसार नगरविकास विभागाचे पत्र क्र. जीईएन-१०१७/प्र.क्र.२६१/नवि-२४ दि. २७/११/२००२ रोजीच्या पत्रान्वये सर्व महानगरपालिकांना कळविण्यात आलेले आहे. आणि त्यानुसार मिरा भाईदर महानगरपालिकेतील अधिकारी/कर्मचा-यांना सानुग्रह अनुदान देणे बाबत मा. महासभेमार्फत योग्य निर्णय घेतला जातो.

गोषवा-च्यास अनुसरून सन-२०१३ मध्ये महानगरपालिका मा. महासभा ठराव क्र.४६, दि. १९/१०/२०१३ अन्वये कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी यांना रक्कम रु. १,९६,१७,५००/- एवढे सानुग्रह अनुदान रक्कम मंजूर करण्यात येऊन, त्याप्रमाणे सानुग्रह अनुदानाचे वाटप करण्यात आले होते.

| अ.क्र. | कर्मचा-यांचा तपशिल   | कार्यरत अधिकारी /कर्मचारी | प्रदान केलेल्या सानुग्रह अनुदानाची रक्कम रुपये | अनुदानापोटी झालेला खर्च |
|--------|--|---------------------------|--|-------------------------|
| १      | महापालिका आस्थापनेवरील वर्ग-०२ ते वर्ग-०४ संवर्गातील कर्मचारी वर्ग | १४५२                      | ११,०००/-                                       | १,५९,७२,०००/-           |
| २      | मिरा भाईदर प्राथमिक शाळा शिक्षक वर्ग                               | १९३                       | ११,०००/-                                       | २१,२३,०००/-             |
| ३      | संगणक चालक/लघुलेखक   | ७७                        | ८,५००/-  | ६,५४,५००/-              |

|    |  |      |         |               |
|----|--|------|---------|---------------|
|    | (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)  |      |         |               |
| ४  | बालवाडी शिक्षिका<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                              | ०५   | ५,०००/- | २५,०००/-      |
| ५  | आर.सी.एच. कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                            | २९   | ८,५००/- | २,४६,५००/-    |
| ६  | क्षयरोग, कुष्टरोग नियंत्रण कर्मचारी  | ३३   | ५,०००/- | १,६५,०००/-    |
| ७  | लिंक वर्कर   | १२७  | २,०००/- | २,५४,०००/-    |
| ८  | सुवर्ण जयंती योजना<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                            | ०२   | ४,५००/- | ९०००/-        |
| ९  | स्व.इंदिरा गांधी रुग्णालयामधील कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)       | १७   | ८,५००/- | १,४४,५००/-    |
| १० | स्थानिक संस्था कर विभागातील ठोक<br>मानधनावरील कार्यरत असलेले ऑडीट<br>लिपीक | ०६   | ४,०००/- | २४,०००/-      |
|    | एकूण   | १९४९ |         | १,९६,९७,५००/- |

चालू वर्षासाठी सन्मा. पदाधिकारी व कामगार संघटना यांनी महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचारी व ठोक मानधनावरील कर्मचारी यांना सानुग्रह अनुदानाची मागणी केलेली होती. याअनुषंगाने महानगरपालिका आस्थापनेवरील दि. ३१/०३/२०१४ रोजी सहा महिन्यांपेक्षा अधिक सेवा झालेल्या कार्यरत स्थायी व अस्थायी अधिकारी/कर्मचारी यांना मागील वर्षी मंजूर रक्कमेप्रमाणे सानुग्रह अनुदान देणेबाबत प्रस्ताव निर्णयास्तव सादर केलेला होता.

राज्यातील विधानसभा निवडणूक आचारसंहिता नजीकच्याकाळात लागून दिवाळीपर्यंत आचारसंहितेचा कालावधी संपणार असल्याची शक्यता असल्याने, याप्रकरणी दिवाळीपूर्वी मा. महासभेत धोरणात्मक निर्णय होणे शक्य नव्हते. त्यामुळे मा.महापौर यांनी सर्व अधिकारी, पदाधिकारी व सर्व पक्षीय गटनेते यांची बैठक दि.०३/०९/२०१४ रोजी आयोजित केलेली होती. सदर बैठकीमध्ये सर्व कर्मचा-यांना मागील वर्षी दिलेल्या सानुग्रह अनुदानाच्या रक्कमेत रु.१०००/- ने वाढ करावी व दिवाळीपूर्वी कर्मचा-यांना सानुग्रह अनुदानाचे वाटप करावे असा एकमताने निर्णय घेण्यात आला. याअनुषंगे सदर सभेच्या प्रस्तावानुसार महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांना खालीलप्रमाणे सानुग्रह अनुदानाचे मा.महासभेची कार्योत्तर मंजूरीच्या अधीन राहून दिवाळीपूर्वी वाटप केलेले आहे.

#### महानगरपालिका आस्थापनेवरील कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी करीता :-

| अ.क्र. | कर्मचा-यांचा तपशिल   | कार्यरत<br>अधिकारी<br>/कर्मचारी | प्रदान केलेल्या<br>सानुग्रह अनुदानाची<br>रक्कम रुपये | अनुदानापोटी<br>झालेला खर्च |
|--------|--|---------------------------------|--|----------------------------|
| १      | महापालिका आस्थापनेवरील वर्ग-०२ ते<br>वर्ग-०४ संवर्गातील कर्मचारी वर्ग      | १४७२                            | १२,०००/-   | १,७४,९५,०००/-              |
| २      | संगणक चालक/लघुलेखक<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                            | ७४                              | ९,५००/-  | ६,८५,५८४/-                 |
| ३      | बालवाडी शिक्षिका<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                              | ०५                              | ६,०००/-  | ३०,०००/-                   |
| ४      | आर.सी.एच. कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)                            | ०३                              | ९,५००/-  | २८,५००/-                   |
| ५      | क्षयरोग नियंत्रण व आय.सी.टी.सी.<br>कर्मचारी (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)      | ३३                              | ६,०००/-  | १,९८,०००/-                 |
| ६      | लिंक वर्कर (ठोक मानधनावरील<br>कर्मचारी)                                    | १२६                             | ३,०००/-  | ३,७८,०००/-                 |
| ७      | सुवर्ण जयंती योजना विभागातील<br>कर्मचारी (ठोक मानधनावरील कर्मचारी)         | ०२                              | ५,५००/-  | ११,०००/-                   |
| ८      | स्व.इंदिरा गांधी रुग्णालयामधील कर्मचारी<br>(ठोक मानधनावरील कर्मचारी)       | १७                              | ९,५००/-  | ९,५०,४९७/-                 |
| ९      | स्थानिक संस्था कर विभागातील ठोक<br>मानधनावरील कार्यरत असलेले ऑडीट<br>लिपीक | ०६                              | ५,०००/-  | २८,७५०/-                   |

|    |  |      |         |               |
|----|--|------|---------|---------------|
| १० | बहुउद्देशीय आरोग्य कर्मचारी (ठोक मानधनावरील) | १८   | ५,५००/- | ६५,५४७/-      |
| ११ | कनिष्ठ अभियंता (ठोक मानधनावरील)              | ०७   | ९,५००/- | ४४,३३१/-      |
|    | एकूण   | १७६३ |         | १,९०,३५,१२९/- |

### शिक्षण विभागातील कार्यरत शिक्षक वर्ग करीता:-

|        |                                      |                       |   |  |
|--------|--------------------------------------|-----------------------|---|--|
| अ.क्र. | कर्मचाऱ्यांचा तपशिल                  | शिक्षक वर्गाची संख्या | सन २०१३ मध्ये मंजूर केलेली सानुग्रह अनुदानाची प्रत्येकी रक्कम रुपये | सन २०१४मध्ये कार्यरत कर्मचाऱ्यांना अनुदानापोटी होणारा खर्च |
| १.     | मिरा भाईदर प्राथमिक शाळा शिक्षक वर्ग | १९१                   | १२,०००/-  | २२,९२,०००/-  |

वरीलप्रमाणे महानगरपालिकेतील आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचाऱ्यांना व ठोक मानधनावरील कर्मचाऱ्यांना यावर्षी दिवाळी निमित्त सानुग्रह अनुदानाकरीता रु.१,९०,३५,१२९/- इतका खर्च झालेला आहे. आणि यावर्षीच्या अंदाजपत्राकात रक्कम रु.२.०० कोटी इतकी तरतुद आहे. ज्या कर्मचाऱ्यांना सानुग्रह अनुदान देणे राहून गेले आहे अशा कर्मचाऱ्यांना सानुग्रह अनुदान देणेस मंजुरी देण्यात येत आहे.

तसेच शिक्षण मंडळातील कर्मचाऱ्यांसाठी यावर्षी दिवाळी निमित्त सानुग्रह अनुदानाकरीता रक्कम रु. २२,९२,०००/- इतका खर्च झालेला आहे. आणि यावर्षीच्या अंदाजपत्राकात रक्कम रु.२५.०० लक्ष इतकी तरतुद आहे.

तरी वरीलप्रमाणे महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील कर्मचाऱ्यांना सन २०१४ मध्ये दिवाळी निमित्त प्रदान केलेल्या सानुग्रह अनुदान वाटपाच्या खर्चास ही सभा कार्योत्तर मंजुरी देत आहे.

सुचक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील

अनुमोदक :- श्री. शरद पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर  
ठराव वाचून कायम करण्यात आला

सही/-

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

### नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ३३, मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या मालमत्तांचे भाडे ठरविणेस मान्यता देणेबाबत.

### ध्रुवकिशोर पाटील :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या खालील मालमत्ता असून सदर मालमत्ता विविध कार्यक्रमानिमित्त भाड्याने देण्यात येतात. सदर मालमत्तांचे भाडे यापूर्वी मा. महासभा दि. ३०/१२/२०११ ठराव क्र. ८७ व मा. महासभा दि. २०/०३/२०१३ ठराव क्र. ६८ अन्वये ठरविण्यात आलेले आहेत. तथापी सदर ठरविलेले भाडे हे अत्यल्प असून सदर मालमत्तांची देखभाल व दुरुस्ती करण्यास निधी उपलब्ध होण्याच्या दृष्टीने सदर मालमत्तांचे भाडे वाढविण्याची आवश्यकता आहे. तरी खालील प्रमाणे मालमत्तांचे भाडे प्रस्तावित करण्यात येत आहे.

| अ.क्र. | मालमत्ता   | सध्याचे दर            | मंजूर दर (प्रति दिन) |
|--------|--|-----------------------|----------------------|
| १      | समाजमंदिर - १६   | रु. ५००/- प्रति दिन   | ७००/- प्रति दिन      |
| २      | भाईदर (पूर्व) खारीगांव हॉल - ०१                                    | रु. ५००/- प्रति दिन   | ७००/- प्रति दिन      |
| ३      | भाईदर (पश्चिम) विनायक नगर हॉल - ०१                                 | रु. ५००/- प्रति दिन   | ७००/- प्रति दिन      |
| ४      | नगरभवन मंगल कार्यालय   | रु. ३०००/- प्रति दिन  | ३५००/- प्रति दिन     |
| ५      | ओपन टेरेस  | रु. १५००/- प्रति दिन  | ५०००/- प्रति दिन     |
|        | दिवाबती चार्ज  | रु. १०/- प्रति युनिट  | १०/- प्रति युनिट     |
|        | व्हिडिओ शुर्टिंग वापर आकार   | रु. १००/- प्रति युनिट | १००/- प्रति युनिट    |
|        | खुर्ची भाडे  | रु. ५.००/- प्रति नग   | ५.००/- प्रति नग      |
|        | पाणी वापर  | रु. १५०/-             | २००/-                |
|        | साफसफाई चार्जस   | रु. ३००/-             | ४००/-                |
|        | अनामत रक्कम  | रु. १०००/-            | २०००/-               |
| ६      | सुभाषचंद्र बोस मैदान (शालेय / महाविद्यालयीन क्रिडा स्पर्धा / स्नेह | रु. १०००/- प्रति दिन  | १५००/- प्रति दिन     |

मा. महासभा दि. २५/११/२०१४ दि. १५/११/२०१४ ची तहकूव समा

|    | संमेलन)   |   |   |
|----|---|---|---|
|    | विजेचा वापर<br>मैदान साफसफाई शुल्क (शाळा)<br>मैदान साफसफाई शुल्क (अन्य संस्था)  | रु. १०/- प्रति युनिट<br>रु. १००/- प्रति दिन<br>रु. ३००/- प्रति दिन  | १०/- प्रति युनिट<br>२००/- प्रति दिन<br>५००/- प्रति दिन  |
| ६  | मैदाने (नवघर शाळा / आरक्षण क्र. १७०)  |   |   |
|    | अ) शाळेच्या खेळासाठी / कला व क्रिडा<br>ब) खाजगी संस्थाचे कार्यक्रम (सुट्टीच्या दिवसात)  | रु. १००/- प्रति दिन<br>(२०० मी. x २०० मी.)<br>रु. १००/- प्रति दिन   | २००/- प्रति दिन<br>२०००/- प्रति दिन   |
| ७  | शाळा इमारती मधील वर्ग /जागा<br>(सुट्टीच्या दिवसात)  | रु. २५०/- प्रति दिन   | ३००/- प्रति दिन   |
| ८  | तसेच मंडप परवानगीसाठी खालील प्रमाणे दर<br>आकारण्यात येतात   |   |   |
|    | अ) मंडप परवानगी (विक्री करीता)<br><br>ब) मंडप परवानगी (लग्न / इतर उत्सव)<br><br>क) गेट / कमानी / बॅनर (धार्मिक / शैक्षणिक संस्था)<br>ड) गेट / कमानी / बॅनर (इतर संस्था) | रु. १/- प्रति चौ.फुट / प्रति दिन<br>रु. ०.५०/- प्रति चौ.फुट / प्रति दिन<br>रु. २५०/- प्रति चौ.फुट / प्रति दिन<br>रु. २५०/- प्रति चौ.फुट / प्रति दिन | २/- प्रति चौ.फुट / प्रति दिन<br>०.५०/- प्रति चौ.फुट / प्रति दिन<br>५००/- प्रति चौ.फुट / प्रति दिन<br>५००/- प्रति चौ.फुट / प्रति दिन |
| ९  | जेसलपार्क चौपाटीवरील मैदान (जिल्हाधिकारी यांच्या पुर्व परवानगीने)   | रु. १०००/- प्रति दिन  | रु. २०००/- प्रति दिन  |
| १० | शुट्टीगसाठी मालमत्ता / रस्ते भाऊयाने देणे   | रु. १००००/- प्रति दिन   | रु. १५०००/- प्रति दिन   |

वरील दराने भाडे आकारण्याच्या प्रस्तावास मान्यता देणेस शिफारस आहे.

#### जुबेर इनामदार :-

माझे अनुमोदन आहे.

#### शरद पाटील :-

मिरा-भाईदर महानगरपालिकेच्या खालील मालमत्ता असून सदर मालमत्ता विविध कार्यक्रमा निमित्त भाऊयाने देण्यात येतात. सदर मालमत्ताचे भाडे यापूर्वी मा. महासभा दि. ३०/१२/२०११, ठराव क्र. ८७ व मा. महासभा दि. २०/०३/२०१३ ठराव क्र. ६८ अन्वये ठरविण्यात आलेले आहे. तथापी सदर ठरविलेले भाडे हे अत्यल्प असून सदर मालमत्तांची देखभाल व दुरुस्ती करण्यास निधी उपलब्ध होण्याच्या दृष्टीने सदर मालमत्ताचे भाडे वाढविण्याची आवश्यकता आहे. मालमत्ता भाडे प्रस्तावित करण्याबाबतचा गोषवारा अ.क्र.१ ते अ.क्र.१० अन्वये सद्याचे प्रति दिन दर व प्रस्तावित प्रति दिन दर गोषवाऱ्या मार्फत दिलेले आहे. यामध्ये महानगरपालिकेच्या इतर मालमत्ता असतील तर त्याही समाविष्ट करण्यात याव्यात.

प्रस्तावित केलेले मालमत्तेचे नविन भाऊयाचे दर या विषयावर अभ्यास करणे आवश्यक असल्याने तसेच दिलेल्या दराचे बोजा नागरीकांना जास्तीचा वाटू नये याकरीता प्रस्तावित भाडे संबंधी सर्व गटनेत्यांची प्रथम चर्चा होवून हा विषय पुन्हा फेरसादर करण्यात यावा. तसेच या भाडे प्रस्तावाकरीता संबंधीत विभागाने चर्चा करणेकरीता बैठक बोलवावी असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

#### प्रशांत दळवी :-

माझे अनुमोदन आहे.

#### निलम ढवण :-

मा.महापौर मँडम मनपाच्या मालमत्तेचे भाडे वाढीव करण्यासंदर्भात दोन ठराव आले आहेत. आमच्या वैयक्तिक मतानुसार मनपाची जी मालमत्ता जी आहे ती वापरणारी एक सर्वसामान्य जनता आणि गरिब जनता आहे. त्याच्यापेक्षा आर्थिक सदन असणारी लोक चांगले किंवा मोठमोठे हॉल वापरतात. त्यांची तेवढी कूवत आहे. त्यामुळे ही जी गोरगरीबांसाठी जी मालमत्ता उभी केलेली आहे. ते रेट न वाढवता जे आहेत त्या नुसारच ठेवावेत जेणेकरून सर्वसामान्य जनता त्याचा लाभ घेऊ शकते. अशी मी सभागृहाला विनंती करते.

#### ध्रुवकिंशोर पाटील :-

ठराव ऑलरेडी झालेला आहे. पाटील साहेब मी तुम्हाला विनंती करतो की, जास्त वाढवले नाही फक्त १००-२०० वाढवले आहेत हे दर गेल्या १०-१५ वर्षापासूनचे आहेत.

#### मा. आयुक्त सो :-

सन्मा.सभागृहाला ह्या प्रस्तावाच्या अनुषंगाने मी अवगत करू इच्छितो प्रशासनाने जी दर वाढ सुचवली आहे. ह्यापूर्वी २०११ साली जरी दर निश्चित केले असले तरी ते १९९८ साली ते दर निश्चित केले होते. त्याच्या तुलनेमध्ये फारच कमी आहेत. १९९८ पासून २०१४ पर्यंत प्रत्येक वस्तूची भाववाढ झालेली आहे.

आपल्या सगळ्यांना कल्पना आहे. ह्या सगळ्या वास्तूचे रिपेअर मेन्टेनेंस करण्यासाठी आता जी रक्कम वसूल करतो ती अतिशय तुटपूऱ्यांजी आहे. त्यामुळे मला असे वाटते प्रशासनानी जो प्रस्ताव दिलेला आहे त्याला सन्मा. सदस्यांनी मान्यता द्यावी.

#### प्रमोद सामंत :-

मा. महापौर मँडम आपण गेल्यावेळेला स्टॅर्टिंग मध्ये काही ठराव केलेले समाज मंदिर भाऊचाने देण्यासाठी पूर्ण वर्ष उलटून गेले तरी त्याचे अँग्रीमेन्ट बनत नाही. त्याच्याकडून भाडं घेत नाही. वर्ष भराच्या भाऊचाचे नुकसान केले आहे एवढे दिवस का लागतात.

#### सुहास रकवी :-

मा. महापौर मँडम त्याच विषयाला संबंधित आता ह्या मालमत्ते संबंधात महासभेने ठराव केलेला होता. त्याला ध्रुवकिशोर पाटील आणि जुबेर इनामदार सूचक अनुमोदक होते की मालमत्तेची जी आकारणी करायची आहे त्या संबंधात निर्णय घ्यायचा असेल तर ते स्थायी समितीने घ्यावा. तो सुध्दा ते लवकरात लवकर घेतील म्हणजे काही मालमत्ता बाकी आहेत. जेणेकरून त्याचा मालमत्तेच्या स्वरूपात आपल्याला काहीतरी उत्पन्न येईल. तर ते सुध्दा निर्णय लवकरात लवकर घ्यावे अशी विनंती करतो.

#### दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो काही जे पूर्वी अँग्रीमेन्ट करण्यांत आले होते. हा विभाग मालमत्तेबाबत नव्याने स्थापण्यात आलेला आहे. काही अँग्रीमेन्ट पूर्वी झाले आहेत त्या अँग्रीमेन्टमध्ये दुरुस्ती करणे आवश्यक होते. जसे एका ठिकाणी म्हटले होते वॉटर बिल आणि इलेक्ट्रिसिटी त्या संबंधित संस्थेने द्यावे पण त्याच्यानंतर त्या अँग्रीमेन्टमध्ये तसाच मुद्दा आला होता की हे मनपानी द्यावे त्यासाठी थोडासा विलंब झाला विधी विभागाकडून सर्व अँग्रीमेन्ट तपासून घेतले. लवकरच ते करारामध्ये करता येतील.

#### प्रमोद सामंत :-

ह्या ऑक्टोबरमध्ये एक वर्ष झाले. ३० तारखेला १३ महिने पूर्ण होणार. छोटस डिसीजन घ्यायला प्रशासनाला १३ महिने लागतात.

#### दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

१० दिवसात सगळे ठराव मांडून दुरुस्त करतो.

#### प्रमोद सामंत :-

आयुक्त साहेब अश कितीतरी गोष्टी असतील. आपण पालिकेचा रेव्हेन्यु कितीतरी ठिकाणी बुडवत असू. असाच प्रकार कायम चालणार का? मला पण ह्या गोष्टीत बोलायचे होते. मला नंतर वेळ दिला आहे नंतर बोलणारच आहे. मँडम काही ह्या विषयासाठी प्रशासनाला संबंधीत अधिकाऱ्याला कडक ताकीद दिली पाहिजे असे मला वाटते की, एखादा विषय झाला की तो पटकन तडीस गेला पाहिजे. त्याला १-१ वर्षाचा कालावधी लागला नाही पाहिजे.

#### मा. आयुक्त सो. :-

मी ह्याच्यात लक्ष घालीन आणि १० डिसेंबरपर्यंत पूर्ण होईल.

#### फरिद कुरेशी :-

अभी जो रेव्हेन्यू जनरेशन का भाडे का जो चर्चा चल रही है। बीच में जो लिकेज है या हमारे प्रशासन के माध्यम से बेसीक कारवाई नहीं कर पा रहे हैं। कोई भी सब्जेक्ट कोई भी डिपार्टमेंट बाकी न रह जाए जिससे अँडमिनिस्ट्र॒शन का और पब्लिक का कारवाई ध्यान रहे। इसलिए जॉग्राफीकल इन्कॉमेशन सिस्टम २०१२ में हमारे महानगरपालिका में ऑलरेडी इम्पलीमेंट किया है। उसको रिकॉल किया है। उस पर आज तक कोई कारवाई नहीं हुई है। चाहे वॉटर डिपार्टमेंट हो, सॅनिटेशन डिपार्टमेंट, अँडव्हटाईजमेंट डिपार्टमेंट हो किसी भी डिपार्टमेंट इस चीज को इस्तेमाल में नहीं लाया जा रहा है। आज लाख खर्च करने के बावजूद यह कारवाई पे अंमल में नहीं लाया जा रहा है। मा. महापौर मँडम, मा. आयुक्त साहेब मेरा यह निवेदन है जल्द से जल्द लाया जाए। काफी दिनों से हमारा पैसा वेस्टेज है। आज ७ लाख रु. हमारे इन्व्हेस्ट करने के बावजूद आज करोड़ों रु. का टॅक्स जनरेशन है या भाडे का जो सब्जेक्ट है। अगर जी.आय.एस. या जी.पी.एस. सिस्टीम का किया एव्हरीथिंग इज रेकॉर्ड. हर चिज रेकॉर्ड में आ जाएगा और जो चिज छूट जाती है और इश्यू रह जाते हैं। यह नहीं रहेगा और महानगरपालिका जो हमारे रेव्हेन्यू है वह परफेक्ट जनरेट होगा तो मेरा आपसे निवेदन है उसको जल्द से जल्द लाइएगा।

#### मा. आयुक्त सो. :-

ह्या संदर्भात मी ४-५ दिवसांपूर्वी स्वतः प्रेझेन्टेशन घेतलेले आहे. ही वस्तूस्थिती आहे. हे साफ्टवेअर २०१२ मध्ये डेव्हलप करून आजपर्यंत त्याचा वापर करण्यात आलेला नाही. आढावा घेतल्यानंतर माझ्याही लक्षात आले की, ह्याचा वापर करणे गरजेचे आहे. मी प्रशासनाला सक्त सुचना दिलेल्या आहेत. ह्याचा आम्ही वापर करू.

#### दिप्ती भट्ट :-

मा. महापौर मँडम आपल्या परवानगीने बोलते, मा. आयुक्त साहेब आपण जे आर.जी. देतो आणि त्याच्यावर एवढा खर्च करतो. आपण शाळेला आणि आपल्याला सामाजिक प्रोग्रामसाठी देतो. गेल्या वेळेला

होळीच्या फंक्शनला त्यांनी प्रायऱ्हेट तिकीट ठेवलेल्या आणि त्यांनी पर्सनल प्रोग्राम ठेवलेला तर आपण तसे देऊ शकतो का?

#### **मा. महापौर :-**

कोणत्या विषयावर बोलता.

#### **दिप्ती भट्ट :-**

आर.जी. च्या आपण भाड्यानी देतो ना.

#### **मा. महापौर :-**

कुठे दिले ते त्यांना सांगा.

#### **दिप्ती भट्ट :-**

सेक्टर २ मध्ये त्याच्यात स्पिकर फार्स्ट ठेवलेला एस.एस.सी. च्या मुलांची एकझाम होती. आम्ही पर्सनल गेलेलो. सगळ्यांनी डिंग्स केलेली लेडीज डान्स करत होती. पालिकेचे नाव खराब होत होते. तर असे आपण देऊ नये. रिक्वेस्ट आहे.

#### **सत्यवान धनेगावे :-**

शांतीनगर सेक्टर २ मध्ये आर.जी. मध्ये जी परवानगी दिल्याचा उल्लेख करण्यात येतो. त्याबाब प्रभाग अधिकाऱ्यांनी परवानगी दिली असेल त्याबाबत तपासणी करतो.

#### **दिप्ती भट्ट :-**

त्यांनी बेकार बिहेवियर केले.

#### **मा. महापौर :-**

त्यावेळी खेत्रे साहेब होते त्यांना मी बोलवून विचारते. कोणी दिले आणि कसे दिले.

#### **नगरसचिव :-**

प्रकरण ३३ करिता दोन ठराव आले आहेत. पहिला ठराव सुचक श्री. ध्रुवकिशोर पाटील अनुमोदन श्री. जुबेर इनामदार दुसरा ठराव सुचक श्री. शरद पाटील, अनुमोदन श्री. प्रशांत दळवी, अनुक्रमे मी दुसरा ठराव मतदानास टाकतो. सुचक श्री. शरद पाटील अनुमोदन श्री. प्रशांत दळवी ह्यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. ह्या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहे. तटस्थ कोणी. सुचक श्री. ध्रुवकिशोर पाटील अनुमोदन श्री. जुबेर इनामदार ह्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. ह्या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत.

#### **मा. महापौर :-**

सुचक श्री. शरद पाटील ह्यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने ३६ विरोधात ३५ तटस्थ ० इतकी मते पडलेली आहेत. श्री. शरद पाटील ह्यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यात येत आहे.

#### **प्रकरण क्र. ३३ :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या मालमत्तांचे भाडे ठरविणेस मान्यता देणेबाबत.

#### **ठराव क्र. ३९ :-**

मिरा-भाईदर महानगरपालिकेच्या खालील मालमत्ता असून सदर मालमत्ता विविध कार्यक्रमा निमित्त भाड्याने देण्यात येतात. सदर मालमत्ताचे भाडे यापूर्वी मा. महासभा दि. ३०/१२/२०११, ठराव क्र. ८७ व मा. महासभा दि. २०/०३/२०१३ ठराव क्र. ६८ अन्वये ठरविण्यात आलेले आहे. तथापी सदर ठरविलेले भाडे हे अत्यल्प असून सदर मालमत्तांची देखभाल व दुरुस्ती करण्यास निधी उपलब्ध होण्याच्या दृष्टीने सदर मालमत्ताचे भाडे वाढविण्याची आवश्यकता आहे. मालमत्ता भाडे प्रस्तावित करण्याबाबतचा गोषवारा अ.क्र.१ ते अ.क्र.१० अन्वये सद्याचे प्रति दिन दर व प्रस्तावित प्रति दिन दर गोषवारा मार्फत दिलेले आहे. यामध्ये महानगरपालिकेच्या इतर मालमत्ता असतील तर त्याही समाविष्ट करण्यात याव्यात.

प्रस्तावित केलेले मालमत्तेचे नविन भाड्याचे दर या विषयावर अभ्यास करणे आवश्यक असल्याने तसेच दिलेल्या दराचे बोजा नागरीकांना जास्तीचा वाटू नये याकरीता प्रस्तावित भाडे संबंधी सर्व गटनेत्यांची प्रथम चर्चा होवून हा विषय पुन्हा फेरसादर करण्यात यावा. तसेच या भाडे प्रस्तावाकरीता संबंधीत विभागाने चर्चा करणेकरीता बैठक बोलवावी असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

#### **सुचक :- श्री. शरद पाटील      अनुमोदक :- श्री. प्रशांत दळवी**

| अ.क्र. | ठरावाच्या बाजूने      | अ.क्र. | ठरावाच्या विरोधात         | तटस्थ |
|--------|-----------------------|--------|---------------------------|-------|
| १      | शरद केशव पाटील        | १      | कॅटलीन एन्थोनी परेरा      | निरंक |
| २      | पाटील रोहिदास शंकर    | २      | सच्यद नुरजहाँ नजर हुसैन   |       |
| ३      | म्हात्रे कल्पना महेश  | ३      | ध्रुवकिशोर मन्साराम पाटील |       |
| ४      | भानुशाली वर्षा गिरीधर | ४      | डिमेलो बर्नट अल्बर्ट      |       |
| ५      | मीरादेवी रामलाल यादव  | ५      | ग्रिटा स्टिफन फॅरो        |       |
| ६      | कोठारी सुमन रमेश      | ६      | अन्सेन्ला मेन्डोंसा परेरा |       |
| ७      | डॉ. नयना मनोज वसानी   | ७      | भावसार शिल्पा कमलेश       |       |
| ८      | शाह सिमा कमलेश        | ८      | सॅन्द्रा जेफ्री रॉड्रीक्स |       |
| ९      | जैन गिता भरत          | ९      | रॉड्रीक्स बाबरा डॉनल्ड    |       |

|    |                             |    |                             |
|----|-----------------------------|----|-----------------------------|
| १० | अरोरा दिपीका पंकज           | १० | दक्षता राजेंद्र ठाकुर       |
| ११ | रावल भगवती जयशंकर           | ११ | पाटील वंदना विकास           |
| १२ | मेहता डिपल विनोद            | १२ | प्रभात प्रकाश पाटील         |
| १३ | मेघना दिपक रावल             | १३ | पाटील सुनिता कैलास          |
| १४ | शर्मा सुनिला सत्येंद्र      | १४ | झिनत रजफ कुरेशी             |
| १५ | प्रतिभा प्रकाश तांगडे       | १५ | विराणी रेखा अनिल            |
| १६ | सुजाता रविकांत शिंदे        | १६ | पुजारी कांचना शेखर          |
| १७ | पाटील प्रेमनाथ गजानन        | १७ | पिसाळ मनिषा नामदेव          |
| १८ | कांगणे यशवंत उकाजी          | १८ | वंदना रामदास चक्रे          |
| १९ | अनिल बाबुराव भोसले          | १९ | अनिता जयवंत पाटील           |
| २० | कासोदरिया अश्विन श्यामजी    | २० | काजी रशीदा जमील             |
| २१ | जैन दिनेश तेजराज            | २१ | बगाजी शर्मिला विल्सन        |
| २२ | जैन रमेश धरमचंद             | २२ | भट्ट दिप्ती शेखर            |
| २३ | निलम हरिश्चंद्र ढवण         | २३ | इनामदार जुबेर               |
| २४ | तारा विनायक घरक             | २४ | राजेश शंकर वेतोसकर          |
| २५ | शुभांगी महिन कोटियन         | २५ | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम   |
| २६ | जयमाला किशोर पाटील          | २६ | सुर्यकांत खंडोजी म्हात्रे   |
| २७ | परमार अनिता भरत             | २७ | सामंत प्रमोद जयराम          |
| २८ | संध्या प्रफुल्ल पाटील       | २८ | रकवी सुहास माधवराव          |
| २९ | दलवी प्रशांत ज्ञानदेव       | २९ | मोहम्मद फरिद सिद्धीक कुरेशी |
| ३० | हरिश्चंद्र रामचंद्र आमगावकर | ३० | हंसुकुमार कमलकुमार पांडे    |
| ३१ | प्रविण मोरेश्वर पाटील       | ३१ | खण्डेलवाल सुरेश             |
| ३२ | ठाकुर अरविंद दत्ताराम       | ३२ | वेचर गिल्बर्ट मेंडोसा       |
| ३३ | शाह राकेश रतिशचंद्र         | ३३ | स्टिवन जॉन मेंडोसा          |
| ३४ | जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील      | ३४ | नरेश तुकाराम पाटील          |
| ३५ | केळुसकर प्रशांत नारायण      | ३५ | भोईर कमलेश यशवंत            |
| ३६ | जाधव मोहन महादेव            |    |                             |

ठराव बहुमताने मंजुर.

**सही/-  
महापौर  
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ३४, छत्रपती शिवाजी महाराज मार्गवर (काशिमिरा रोड) उन्नत मार्ग (Vehicular subway/Foot over Bridge) बांधणे कामासाठी कर्ज उपलब्ध करून घेण्यास मान्यता देणे.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ०८, काशिमिरा नाका ते वीर सावरकर चौक (गोल्डन नेस्ट सर्कल) पर्यंत छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग हा विकास योजनेतील ४५.०० मीटर रुंदीचा रस्ता आहे. सदर रस्ता हा मिरा-भाईंदर शहरात येण्यासाठी प्रमूळ रस्ता आहे. सदर रस्त्यावर वाहतूकीची प्रचंड कोंडी होत असल्याने सदर रस्ता सिंगल विरहीत करण्यासाठी सहा ठिकाणी उन्नत पूल/भुयारी मार्ग व दोन ठिकाणी पादचारी पूल बांधणे कामाच्या खर्चास मा. महासभा दि. १९/०७/२०१४ ठराव क्र. २९ अन्वये मान्यता प्रदान केलेली आहे. सन २०१४-१५ या वर्षाच्या अर्थसंकल्पात सदर कामासाठी फक्त रु. ५०.०० लक्ष रक्कमेची तरतूद करण्यात आलेली आहे. परंतु सदर कामासाठी सुमारे रु. ४०.०० कोटी निधीची आवश्यकता भासणार असून महानगरपालिकेच्या निधीतून इतर तातडीची लोकोपयोगी कामे करणे अगत्याचे आहे. त्यामुळे महानगरपालिकेचा निधी या प्रस्तावित कामासाठी उपलब्ध होऊ शकत नाही. तथापी, मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण मार्फत MMR Region मधील इतर शहरांमध्ये अशा प्रकारची अंतर्गत कामे देखील केलेली असून सदरचे काम देखील मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण च्या निधीतून करण्याची आवश्यकता आहे. तसेच मिरा भाईंदर मनपा हृदीतील ५ गावांसाठी (उत्तन, पाली, चौक, डोंगरी, तारोडी) मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण नियोजन प्राधिकरण आहे. या गावांना जोडणारा हा एकमेव व मुख्य रस्ता आहे. त्यामुळे ही या रस्त्याचे उन्नतीकरणासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने त्यांच्या निधीतून खर्च करणे अभिप्रेत आहे. त्यामुळे आज ही महासभा असा ठराव करते की, प्रस्तावित कामे मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने त्यांच्या फंडातून करावीत. अन्यथा सदरील काम मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण च्या माध्यमातून न झाल्यास शासकीय संस्थेकडून कर्ज उपलब्ध करून घेऊन सदरचे काम हाती घेण्यास व

शासनाकडे आवश्यक प्रस्ताव पाठविण्यास ही सभा मंजूरी देण्यात येत आहे. तसेच भाईदर (पूर्व) व (पश्चिम) यांना जोडणारा जेसलपार्क येथील सब-वे चे पोहोच रस्ते तयार करणे कामी सुमारे २५.०० कोटी खर्च अपेक्षित आहे. सदर कामासाठी महानगरपालिकेच्या अर्थसंकल्पातून निधी उपलब्ध होत नसल्यास त्यासाठी देखील शासकीय/ निमशासकीय संस्थेकडून कर्ज उपलब्ध करून घेण्यास व शासनाकडे आवश्यक प्रस्ताव पाठविण्यास ही सभा मंजूरी देण्यात येत आहे.

#### जुबेर इनामदार :-

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

#### रोहिदास पाटील :-

मिरा-भाईदर महनगरपालिका क्षेत्रात राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ०८, काशिमिरा नाका ते वीर सावरकर चौक (गोल्डन नेस्ट सर्कल) पर्यंत छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग हा विकास योजनेतील ४५.०० मीटर रुंदीचा रस्ता आहे. सदर रस्ता हा मिरा-भाईदर शहरात येण्यासाठी प्रमूख रस्ता आहे. सदर रस्त्यावर वाहतूकीची प्रचंड कोंडी होत असल्याने सदर रस्ता सिग्नल विरहीत करण्यासाठी सहा ठिकाणी उन्नत पूल/भुयारी मार्ग व दोन ठिकाणी पादचारी पूल बांधणे कामाच्या खर्चास मा. महासभा दि. १९/०७/२०१४ ठराव क्र. २९ अन्वये मान्यता प्रदान केलेली आहे. सन २०१४-१५ या वर्षाच्या अर्थसंकल्पात सदर कामासाठी फक्त रु. ५०.०० लक्ष रक्कमेची तरतूद करण्यात आलेली आहे. परंतु सदर कामासाठी सुमारे रु. ४०.०० कोटी निधीची आवश्यकता भासणार असून महानगरपालिकेच्या निधीतून इतर तातडीची लोकोपयोगी कामे करणे अगत्याचे आहे. त्यामुळे महानगरपालिकेच्या निधी या प्रस्तावित कामासाठी उपलब्ध होऊ शकत नाही. तथापी, मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण मार्फत MMR Region मधील इतर शहरांमध्ये अशा प्रकारची अंतर्गत कामे देखील केलेली असून सदरचे काम देखील मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण च्या निधीतून करण्याची आवश्यकता आहे. तसेच मिरा भाईदर मनपा हृदीतील ५ गावांसाठी (उत्तन, पाली, चौक, डोंगरी, तारोडी) मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण नियोजन प्राधिकरण आहे. या गावांना जोडणारा हा एकमेव व मुख्य रस्ता आहे. त्यामुळे ही या रस्त्याचे उन्नतीकरणासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने त्यांच्या निधीतून खर्च करणे अभिप्रेत आहे. त्यामुळे आज ही महासभा असा ठराव करते की, प्रस्तावित कामे मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने त्यांच्या फंडातून करावीत. अन्यथा सदरील काम मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण च्या माध्यमातून न झाल्यास शासकीय/निमशासकीय संस्थेकडून कर्ज उपलब्ध करून घेऊन सदरचे काम हाती घेण्यास व शासनाकडे आवश्यक प्रस्ताव पाठविण्यास ही सभा मंजूरी देण्यात येत आहे. तसेच भाईदर (पूर्व) व (पश्चिम) यांना जोडणारा जेसलपार्क येथील सब-वे चे पोहोच रस्ते तयार करणे कामी सुमारे २५.०० कोटी खर्च अपेक्षित आहे. सदर कामासाठी महानगरपालिकेच्या अर्थसंकल्पातून निधी उपलब्ध होत नसल्यास त्यासाठी देखील शासकीय/ निमशासकीय संस्थेकडून कर्ज उपलब्ध करून घेण्यास व शासनाकडे आवश्यक प्रस्ताव पाठविण्यास ही सभा मंजूरी देण्यात येत आहे.

#### प्रशांत केळूसकर :-

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

मा. आयुक्त साहेब मागे हा ठराव केला होता. तुमच्याकडे ह्याची तरतूद आहे की नाही त्याचा खुलासा करावा. हे पोहोच रस्ते जेसलपार्कचा जो आपण सबवे बनवणार आहात त्या सबवे करिता पोहोच रस्ते बनवायचे आहेत. त्यासाठी आर्थिक आणि प्रशासकीय मंजूरी दिलेली आहे. तर आता हा ठराव परत कसा काय आला.

#### दिपक खांबित :-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो. भाईदर पूर्व, पश्चिम जेसलपार्क येथील रेल्वे खालील सबवेच्या कामास २३.५० कोटी रक्कमेची अंदाजपत्रकास प्रशासकीय आणि आर्थिक मंजूरी प्रदान करण्यात आलेली आहे. तथापी अर्थसंकल्पामध्ये जी तरतूद आहे ती फक्त ५ कोटीची ठेवलेली होती. आताच १ के खाली विषय दिला होता की त्याला पैसे कमी पडतात.

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

मा. आयुक्त साहेब बघा जम्बलींग कोण करते प्रशासन करते की हे करतात तुम्ही के खाली विषय दिला आर्थिक आणि प्रशासकीय मंजूरी आम्ही दिलेली आहे. आणि तरतूद आहे म्हणून तुम्ही आर्थिक आणि प्रशासकीय तरतूद मागितली ना. मग आम्ही आर्थिक आणि प्रशासकीय मंजूरी दिली आहे. तुम्हाला आता परत घ्यायची गरज काय?

#### दिपक खांबित :-

सबवेचे काम मंजूर झाले नाही. आता टेंडर प्राप्त झाले आहेत.

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

तुम्ही पोहोच रस्त्यासाठी आमच्याकडे मंजूरी मागितली होती ना. आम्ही ती मंजूरी दिली. आता तुमच्याकडे सफिशिएन्ट फंड आहे. परत हे करायची गरज काय?

### **दिपक खांबित :-**

सफिशिएन्ट फंड नाही पण आता त्याचे टेंडर आलेले आहे. आणि जे काही ३१ मार्चपर्यंत पैसे लागतील ते पुर्नविनियोजन करून घेऊ.

### **ध्रुवकिशोर पाटील :-**

साहेब पैसे आहेत आपल्याला गरज नाही तरी सुधा ठराव होतो.

### **दिपक खांबित :-**

पुढच्या वर्षी अर्थसंकल्पामध्ये महानगरपालिकेने ह्या कामाकरीता तरतूद केली तर ह्या कामाला लोनची गरज नाही.

### **ध्रुवकिशोर पाटील :-**

आता बजेट होणार ना मग ह्याची गरज नाही.

### **रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मँडम, जर प्रशासनासाठी मनपासाठी कोणत्याही एजन्सीकडून, शासनाकडून, केंद्राकडून पैसे मिळत असतील अडचण काय आहे. आपले पैसे वाचतील ना. ही सदसद्विवेक बुद्धीने केलेली आपली तरतूद आहे. आपल्याकडे पैसे आहेत खर्च करा. तुम्हाला नाही कोण बोलणार आहे. ह्या सभागृहातला एकही सदस्य जेसलपार्क सबवेसाठी एक रुपये देऊ नका असे सांगणार नाही. आपण हा एक प्रस्ताव मांडतो त्याच्यामुळे आपला एक रस्ता मोकळा होतो. पैसे मिळाले तर ठीक नाही मिळाले तर आपल्याकडे पैसे आहेत ना नसले पैसे तरी पुढे करायचेच आहेत. सबवे आपण पूरा करणार. सभागृह नेत्याला जरी त्यातली खोच माहिती नसेल ह्यांनी दिलेला प्रस्ताव अपूरा आहे. मी माहितीपूर्वक सांगतो असलेल्या बजेटमध्ये आपल्याला वाढ करायला लागेल चलविचल करू नका. हा रस्ता त्यांचा डिझाइन परिपूर्ण नाही हे मी दावेने सांगतो.

### **ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब, तुम्ही खुलासा करा पाटील साहेबांनी असा आरोप केला आहे की, प्रशासनाचा जो प्रस्ताव आहे चुकीचा आहे तो बरोबर नाही. परिपूर्ण नाही. खुलासा करा. जेसल पार्क सबवे बनलाच पाहिजे. त्याच्यासाठी आर्थिक प्रशासकीय मंजूरी दिली होती. पूढच्या बजेटमध्ये आपण तरतूद करणार आहोत.

### **रोहिदास पाटील :-**

ह्या सभागृहाला मिळणारा निधी मिळाला कूटूनही आपल्याला वाईट वाटायचे कारण आहे का? नाही ते काम करण्यासाठी आपल्या निधीची तरतूद आहे असे आपले म्हणणे आहे. सभागृहाचे म्हणणे आहे, माझे असे म्हणणे आहे की ते डिझाइन परिपूर्ण करते वेळी त्याला वाढीव निधी लागणारच आहे.

### **भगवती शर्मा :-**

ह्या वर्षी ५ कोटी तरतूद सफिशियंट आहे.

### **दिपक खांबित :-**

ह्या वर्षी ५ कोटी होते ते पैसे संपले. आता सबवेचे काम बंद आहे.

### **भगवती शर्मा :-**

आता आम्ही महासभेमध्ये मंजूरी दिली होती.

### **दिपक खांबित :-**

त्यावर टेंडर प्रक्रिया सुरु झाली. ह्यासाठी एम.एम.आर.डी.ए. कडे ग्रॅन्ड मिळण्याकरिता प्रस्ताव सादर करण्यात येईल.

### **रोहिदास पाटील :-**

तोच तर आमचा विषय आहे.

### **निलम ढवण :-**

मँडम हा जो उन्नत मार्ग आणि ह्याच्यासाठी आपण महानगरपालिकेमध्ये आपल्या महानगरपालिकेची आर्थिक स्थिती फार बिकट आहे. आणि जर हे उन्नत मार्ग एम.एम.आर.डी.ए च्या माध्यमातून ठाणा घोडबंदरला बांधले गेले ही जर सोय असताना आपण पहिल्या पासूनच एम.एम.आर.डी.ए. च्या माध्यमातून मागणी केली होती का?

### **मा. महापौर :-**

मी स्वतः पत्र पाठवले आहे पण एम.एम.आर.डी.ए. ने फंड उपलब्ध केले नव्हते.

### **निलम ढवण :-**

त्याचा पाठपुरावा झाला नसेल.

### **मा. महापौर :-**

आमचा पाठपुरावा झाला. पण त्या लोकांनी मिरा भाईदरसाठी दिला नाही.

### **निलम ढवण :-**

मँडम काही तरी कारण दिले असेल.

### **दिपक खांबित :-**

त्यांनी असे कारण दिले की हा तुमचा अंतर्गत रस्ता आहे. प्रादेशिक रस्ता नाही. मा. महापौर स्वतः दोनदा एम.एम.आर.डी.ए च्या आयुक्तांना येऊन भेटल्या. खासदार संजीव नाईक देखील त्याच्याबरोबर आले

होते. पण त्यांनी सांगितले की अंतर्गत रस्ता आहे. ते म्हणाले ह्या कामासाठी कर्ज देऊ शकतो. हा अंतर्गत रस्ता आहे. आमची पॉलिसी चेंज झाली आहे आणि १६.५० कोटीचा विषय आहे हो आता महिनापूर्वी आला. नविन गर्झमेंट आल्यामुळे आपल्याला १६.५० अ २३ एवढे पैसे लागतीलच ४० कोटी आपण उभे करु शकत नाही.

#### मा. आयुक्त सो. :-

मी ह्या संदर्भामध्ये असा खुलासा करु इच्छितो. सबवेच्या कामाला प्रशासकीय मंजूरी मिळाली ती २३.५० लक्ष रुपयाची त्याच्यानंतर रेल्वेने आपल्याकडे १६.२५ लक्ष रुपयाची मागणी केली. ह्याचा विचार जेव्हा प्रशासकीय मान्यता जेव्हा दिली त्यावेळेला करण्यात आलेला नव्हता. हा अतिरिक्त बोजा मनपाची आर्थिक परिस्थिती पाहता सहन करता येईल असे मला वाटत नाही. त्यामुळे एम.एम.आर.डी.ए. ने ह्या कामासाठी ग्रॅन्ट उपलब्ध करून दिल्या तर त्याचा आपण जरूर विचार केला पाहिजे.

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

रेल्वेनी कशासाठी मागितले आहेत त्याचा खुलासा करा.

#### रोहिदास पाटील :-

मा. आयुक्त साहेब ठराव हेच मांडतात. त्याला मंजूरी ह्यांनी दिली कशासाठी मागितले हे आधी विचारले नाही.

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

तुम्ही पोहोच रस्त्याला मंजूरी दिली १६.२५ कोटी रेल्वेने कशासाठी मागितले आहेत.

#### मा. आयुक्त सो. :-

रेल्वेने वूडन चार्जेस, सुपरव्हिजन चार्जेस, मेन्टेनन्स चार्जेस अशा विविध बाबीसाठी १६.२५ कोटी रुपयाची मागणी केली. सुरुवातीला हीच मागणी २१ कोटी केली होती. आम्ही त्यांच्या सोबत १-२ बैठका केल्या हे चार्जेस २१ कोटीवरून १६.२५ वर आणले आहेत. आता १६ कोटी २५ लक्ष रकमेचा अंतर्भाव आपण प्रशासकीय मान्यता दिली त्या रकमेमध्ये ह्याचा अंतर्भाव नव्हता. त्यामुळे हे अतिरिक्त बर्डन जर आपल्याला उचलायचे असेल तर मनपाची आर्थिक परिस्थिती विचारात घेता आपण त्याच्यामध्ये करु शकू किंवा नाही हयाच्याबद्दल मला स्वतःला शंका आहे. त्यामुळे एम.एम.आर.डी.ए. कडून ह्यासाठी ग्रॅन्ट किंवा अनुदान मिळत असेल तर त्याचा आपण विचार करणे अपेक्षित आहे.

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

मॅडम दोन ठराव झालेले आहे. विषय विकासाचा आहे आणि एम.एम.आर.डी.ए. च्या माध्यमातून पैसा मिळत असेल तर ठराव क्लब करा. कोणाचा ह्याला विरोध असणार.

#### मा. महापौर :-

काका एम.एम.आर.डी.ए. कडून घेऊन येतील.

#### रोहिदास पाटील :-

मी घेऊन येतो. ह्या आठवड्यात चला.

#### नगरसचिव :-

वाढीव भाग तो क्लब करून घ्यायचा.

#### शरद पाटील :-

आमच्या ठरावामध्ये सुचना घ्या.

#### मा. महापौर :-

ठराव मंजूर करत आहे.

#### प्रकरण क्र. ३४ :-

छत्रपती शिवाजी महाराज मार्गावर (काशिमिरा रोड) उन्नत मार्ग (Vehicular subway/Foot over Bridge) बांधणे कामासाठी कर्ज उपलब्ध करून घेण्यास मान्यता देणे.

#### ठराव क्र. ४० :-

मिरा-भाईदर महनगरपालिका क्षेत्रात राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ०८, काशिमिरा नाका ते वीर सावरकर चौक (गोल्डन नेस्ट सर्कल) पर्यंत छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग हा विकास योजनेतील ४५.०० मीटर रुंदीचा रस्ता आहे. सदर रस्ता हा मिरा-भाईदर शहरात येण्यासाठी प्रमूख रस्ता आहे. सदर रस्त्यावर वाहतूकीची प्रचंड कोंडी होत असल्याने सदर रस्ता सिग्नल विरहीत करण्यासाठी सहा ठिकाणी उन्नत पूल/भुयारी मार्ग व दोन ठिकाणी पादचारी पूल बांधणे कामाच्या खर्चास मा. महासभा दि. १९/०७/२०१४ ठराव क्र. २९ अन्वये मान्यता प्रदान केलेली आहे. सन २०१४-१५ या वर्षाच्या अर्थसंकल्पात सदर कामासाठी फक्त रु. ५०.०० लक्ष रकमेची तरतुद करण्यात आलेली आहे. परंतु सदर कामासाठी सुमारे रु. ४०.०० कोटी निधिची आवश्यकता भासणार असून महानगरपालिकेच्या निधितून इतर तातडीची लोकोपयोगी कामे करणे अगत्याचे आहे. त्यामुळे महानगरपालिकेचा निधी या प्रस्तावित कामासाठी उपलब्ध होऊ शकत नाही. तथापी, मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण मार्फत MMR Region मधील इतर शहरांमध्ये अशा प्रकारची अंतर्गत कामे देखील केलेली असून सदरचे काम देखील मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण च्या निधीतून करण्याची आवश्यकता आहे. तसेच मिरा भाईदर मनपा हृदीतील ५ गावांसाठी (उत्तन, पाली, चौक, डोंगरी, तारोडी) मुंबई महानगर प्रदेश

विकास प्राधिकरण नियोजन प्राधिकरण आहे. या गावांना जोडणारा हा एकमेव व मुख्य रस्ता आहे. त्यामुळे ही या रस्त्याचे उन्नतीकरणासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने त्यांच्या निधीतून खर्च करणे अभिप्रेत आहे. त्यामुळे आज ही महासभा असा ठाराव करते की, प्रस्तावित कामे मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने त्यांच्या फंडातून करावीत. अन्यथा सदरील काम मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण च्या माध्यमातून न झाल्यास शासकीय/निमशासकीय संस्थेकडून कर्ज उपलब्ध करून घेऊन सदरचे काम हाती घेण्यास व शासनाकडे आवश्यक प्रस्ताव पाठविण्यास ही सभा मंजूरी देण्यात येत आहे. तसेच भाईदर (पूर्व) व (पश्चिम) यांना जोडणारा जेसलपार्क येथील सब-वे चे पोहोच रस्ते तयार करणे कामी सुमारे २५.०० कोटी खर्च अपेक्षित आहे. सदर कामासाठी महानगरपालिकेच्या अर्थसंकल्पातून निधी उपलब्ध होत नसल्यास त्यासाठी देखील शासकीय/ निमशासकीय संस्थेकडून कर्ज उपलब्ध करून घेण्यास व शासनाकडे आवश्यक प्रस्ताव पाठविण्यास ही सभा मंजूरी देण्यात येत आहे.

**सुचक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील**

**अनुमोदक :- श्री. रोहिदास पाटील**

**ठराव सर्वानुमते मंजुर**

**ठराव वाचून कायम करण्यात आला**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

#### **नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ३५, चौथा महाराष्ट्र वित्त आयोगाची दि. ०८/०७/२०१४ रोजीची कोकण महसुल विभाग, कोकण विभाग, बेलापुर, नवी मुंबई येथे आयोजित केलेल्या बैठकीबाबत.

#### **प्रेमनाथ पाटील :-**

वरील विषयासंदर्भात मा. अध्यक्ष, चौथा महाराष्ट्र वित्त आयोग महाराष्ट्र शासन यांनी दि. ०८/०७/२०१४ रोजी नवी मुंबई, (ठाणे) येथे बैठक आयोजित केलेली होती. सदर बैठकीत आयोगाकडील विवरणपत्र क्र. २ मुद्दे क्र. ०१ ते १० यावर विचार विनिमय होऊन प्रशासनाने सादर केलेल्या ०१ ते १० मुद्यांबाबत मा. महासभेचे या व्यतिरीक्त काही अभिप्राय, सुचना, दुरुस्त्या असल्यास मा. महासभेपुढे विषय ठेवणेबाबत मा. अध्यक्ष, चौथा महाराष्ट्र राज्य वित्त आयोग यांनी सुचित केलेले आहे. या करिता सर्व मुद्यांवर विचार विनिमय करून शासनाला मुद्दे निहाय माहिती पाठविण्यासाठी सर्व पक्षाचे गटनेत्यांची संयुक्त बैठक आयोजित करून बैठकीतील ०१ ते १० मुद्यांवरील अभिप्राय, सुचना, दुरुस्त्या मा. अध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य वित्त आयोग यांना पाठविण्यास आजची सभा मंजुरी देत आहे.

#### **अनिल भोसले :-**

माझे अनुमोदन आहे.

#### **मा. महापौर :-**

ठराव मंजुर करत आहे.

#### **प्रकरण क्र. ३५ :-**

चौथा महाराष्ट्र वित्त आयोगाची दि. ०८/०७/२०१४ रोजीची कोकण महसुल विभाग, कोकण विभाग, बेलापुर, नवी मुंबई येथे आयोजित केलेल्या बैठकीबाबत.

#### **ठराव क्र. ४१ :-**

वरील विषयासंदर्भात मा. अध्यक्ष, चौथा महाराष्ट्र वित्त आयोग महाराष्ट्र शासन यांनी दि. ०८/०७/२०१४ रोजी नवी मुंबई, (ठाणे) येथे बैठक आयोजित केलेली होती. सदर बैठकीत आयोगाकडील विवरणपत्र क्र. २ मुद्दे क्र. ०१ ते १० यावर विचार विनिमय होऊन प्रशासनाने सादर केलेल्या ०१ ते १० मुद्यांबाबत मा. महासभेचे या व्यतिरीक्त काही अभिप्राय, सुचना, दुरुस्त्या असल्यास मा. महासभेपुढे विषय ठेवणेबाबत मा. अध्यक्ष, चौथा महाराष्ट्र राज्य वित्त आयोग यांनी सुचित केलेले आहे. या करिता सर्व मुद्यांवर विचार विनिमय करून शासनाला मुद्दे निहाय माहिती पाठविण्यासाठी सर्व पक्षाचे गटनेत्यांची संयुक्त बैठक आयोजित करून बैठकीतील ०१ ते १० मुद्यांवरील अभिप्राय, सुचना, दुरुस्त्या मा. अध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य वित्त आयोग यांना पाठविण्यास आजची सभा मंजुरी देत आहे.

**सुचक :- श्री. प्रेमनाथ पाटील**

**अनुमोदक :- श्री. अनिल भोसले**

**ठराव सर्वानुमते मंजुर**

**ठराव वाचून कायम करण्यात आला**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

## **नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ३६, महाराष्ट्र शासन नगरविकास विभाग पत्र क्र. याचिका/मि.भा.म-१४१३/११२६/प्र.क्र.-११७/१३/नवि-२८ दि. २६/३/२०१४ अन्वये प्राप्त निर्देशानुसार महानगरपालिकेला आवश्यक असलेले सुरक्षा रक्षक हे सुरक्षा रक्षक मंडळाकडून घ्यावेत की, अभिकर्ता निश्चित करून घ्यावेत याबाबत धोरणात्मक निर्णय घेणेबाबत.

## **ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या विविध मालमत्तेचे संरक्षण करण्यासाठी सुरक्षा रक्षक सेवा उपलब्ध करून देणेकरीता स्पर्धात्मक निविदा मागवून त्यापैकी मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सिक्युरिटी प्रा. लि. यांची वाजवी व सर्वांत कमी दराची निविदा मा. स्थायी समिती सभा दि. १७/०७/२००९ ठराव क्र. २६ नूसार दि. १/८/२००९ ते दि. ३१/७/२०११ पर्यंत २ वर्षाच्या कालावधीकरीता मंजूर करण्यात आली होती. तदनंतर मा. स्थायी समिती सभा दि. १६/७/२०११ ठराव क्र. ४१ अन्वये सदरच्या ठेक्यास दि. १/८/२०११ ते ३१/७/२०१२ या १ वर्ष कालावधी पर्यंत मुदतवाढ दिली आहे. तदनंतर याकामी नव्याने निविदा मागवून अभिकर्ता नियुक्त करण्याकरीता व अशी नियुक्ती करेपर्यंत विद्यमान निविदाधारकास मुदतवाढ देण्याचा प्रस्ताव मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ (१/१२/२०१२ ची तहकुब सभा) मध्ये मान्यतेस्तव सादर करण्यात आला होता. सदर सभेमध्ये ठराव क्र. ११ नूसार मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सेक्युरिटी प्रा. लि. यांना पुढील ३ वर्षासाठी किमान वेतन कायद्यानुसार मुदतवाढ देवून त्यानुसारचे देयकांच्या प्रदानास मंजूरी देण्यात आली आहे. मा. महासभेच्या सदर मंजूरीनूसार प्रशासनाकडून पुरवठादारास १ वर्षाची व तदनंतर ३ महिन्याची मुदतवाढ देण्यात आली आहे.

महाराष्ट्र शासन उद्योग, ऊर्जा व कामगार विभाग, शासन निर्णय क्र.एसजीए-१५०६/ प्र.क्र. ९२/काम-५, मंत्रालय, मुंबई-३२, दि.८ नोव्हेंबर, २००६ मधील तरतुदी नूसार सरकारी, निमसरकारी क्षेत्रे/उपक्रम/शासकीय मंडळे महामंडळे/महानगरपालिका/स्थानिक स्वराज्य संस्था/सहकारी संस्था/ शासकीय कार्यालये इत्यादी ठिकाणी, सुरक्षा मंडळाकडूनच सुरक्षा रक्षक घेणे आवश्यक असल्याबाबत श्री. संजय नारायण पांगे यांनी महाराष्ट्र शासनाच्या नगरविकास विभागाकडे दि. २१/३/२०१३ रोजीच्या निवेदनाद्वारे मा.महासभा दि. १४/१२/२०१२ ठराव क्र.११ विखंडित करणेची व कलम ४५२ अन्वये महानगरपालिका विसर्जित करणेची मागणी केली. सदर निवेदनावर शासनाकडे निर्णय प्रलंबीत असताना, श्री. संजय नारायण पांगे, यांनी, मा. उच्च न्यायालय, मुंबई येथे जनहित याचिका क्र. ६६/२०१३ दाखल केली होती. प्रस्तुत प्रकरणी याचिकाकर्त्याचे प्रलंबित निवेदनावर ३ महिन्यांचे आत निर्णय घेण्याचे आदेश मा.उच्च न्यायालयाने महाराष्ट्र शासनास दिले. या अनुषंगाने महाराष्ट्र शासन नगरविकास विभाग यांचे पत्र क्र. याचिका/मिभाम-१४१३/११२६/प्रक्र-११७/१३/नवि-२८, दि. २६/३/२०१४ अन्वये शासनाने खालीलप्रमाणे निर्णय महानगरपालिकेला कळविलेले आहे.

“महानगरपालिकेने सुरक्षा रक्षकांसाठी नव्याने मागणी केल्यास आवश्यक संख्येवडे सुरक्षा रक्षक पुरविता येतील, असे अभिप्राय सुरक्षा रक्षक मंडळाने दिलेले असल्याचे उद्योग, ऊर्जा व कामगार विभागाने कळविले आहे. त्या अनुषंगाने श्री.पांगे यांच्या दि.२१/०३/२०१३ च्या कलम ४५१ खालील अर्जाच्या अनुषंगाने संबंधित ठराव विखंडित करण्याबाबत विचार न करता कामगार विभागाने दिलेल्या अभिप्रायानुसार, सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या उपलब्धतेबाबत सुरक्षा मंडळाकडे विचारणा करून त्याबाबतचे अभिप्राय दि.१५/०४/२०१४ पुर्वी प्राप्त करून घ्यावेत व सुरक्षा रक्षक मंडळाच्या अभिप्रायाच्या अनुषंगाने महानगरपालिकरीता आवश्यक सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या नेमणूकीच्या संदर्भात याबाबतचा प्रस्ताव महासभेपुढे सादर करून महानगरपालिकेने विद्यमान कंत्राटदारास दि.१०/०५/२०१३ च्या आदेशान्वये दिलेले १ वर्षाच्या कालावधी समाप्तीनंतर सुरक्षा अधिकारी/रक्षकांच्या नेमणूकीबाबत आवश्यक कार्यवाही करण्याबाबत आयुक्त, मिरा भाईदर महानगरपालिका यांना सुचना देण्यात याव्यात.”

शासनाचा उपरोक्त निर्णय प्राप्त झाल्यावर महानगरपालिकेने दि.०९/०४/२०१४ रोजी सुरक्षा मंडळास पत्र पाठवून सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या उपलब्धतेबाबत तसेच त्यांना द्यावयाच्या मासिक वेतन व भत्यांच्या दराबाबत लेखी माहिती मागितली होती. त्याप्रमाणे सुरक्षा रक्षक मंडळाकडून माहिती प्राप्त झाली आहे. मनपाने मागणी केल्यानुसार ३५० सुरक्षा रक्षकांचा पुरवठा करणे शक्य असल्याचे सुरक्षा रक्षक मंडळाने त्यांच्या दि.१२/०४/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये कळविले आहे. तसेच मंडळातील सुरक्षा रक्षकांना सध्या लागू असलेले वेतन व लेव्ही दराचा तक्तासुध्दा पाठविला आहे. सुरक्षा रक्षक मंडळ आता सुरक्षा रक्षक पुरविण्यास तयार असले तरी, त्यांचेकडून सुरक्षा रक्षक घेण्यात येऊ नये.

महाराष्ट्र राज्यात खाजगी सुरक्षा रक्षकांच्या नोकरीचे नियमन करण्याच्या उद्देशाने महाराष्ट्र खाजगी सुरक्षा रक्षक (नोकरीचे नियमन व कल्याण) अधिनियम १९८१ लागू करण्यात आला आहे.

तसेच सदर अधिनियमातील कलम १(४) नूसार सदरचा कायदा ज्या फॅक्टरी किंवा आरथापनामध्ये (Establishment) सुरक्षा रक्षक म्हणून व्यक्ती काम करीत आहेत त्यांना कायदा लागू आहे. तथापि सदरचा कायदा सरळसेवेने फॅक्टरी किंवा आरथापनेवर नियुक्त केलेल्या सुरक्षा रक्षकास लागू होत नाही अशी तरतुद आहे.

सदर अधिनियमातील कलम २(४) मध्ये आस्थापना (Establishment) आणि २(५) मध्ये फॅक्टरी (Factory) ची व्याख्या देण्यात आलेली आहे.

सदरची व्याख्या खालीलप्रमाणे आहे.

(4) establishment means an establishment as defined in clause (8) of Section 2 of the Bombay Shop and Establishments Act, 1948 (Bom.LXXIX of 1948) Bombay Shop and Establishments Act, 1948 या कायदयातील Establishment ची व्याख्या खालीलप्रमाणे आहे.

Establishment means a shop, commercial establishment, residential hotel, restaurant, eating house, theatre, or other place of public amusement or entertainment to which this Act applies and includes such other establishment as the [State] Government may by notification in the Official Gazette, declare to be an establishment for the purposes of this Act. (5) Factories means a factory as defined in clause (m) of Section 2 of the Factories Act, 1948 (LXIII of 1948)

सदर व्याख्याचे वाचन केले असता “महानगरपालिका” उपरोक्त कलमात अंतभूत होत नाही. त्यामुळे सुरक्षा रक्षक मंडळाकडून महानगरपालिकेस सुरक्षा रक्षक पुरवठा करणे महानगरपालिकेस बंधनकारक नाही.

खाजगी अभिकर्ताद्वारे सुरक्षा रक्षक घेतल्यास त्या सुरक्षा रक्षकाकडून काही चुका किंवा काम बदलवी दिरंगाई इत्यादी झाल्यास थेट अभिकर्त्यावर कार्यवाही करणे शक्य होते. पंरतु रक्षक मंडळाकडून सुरक्षा रक्षक घेतल्यास अशी थेट कार्यवाही करता येणे शक्य होणार नाही. याबाबत सुरक्षा रक्षक मंडळाकडे प्रथम तक्रार द्यावी लागणार आहे. खाजगी अभिकर्ता यांचा ठेका रद्द करण्याची कार्यवाही महानगरपालिकेस त्वरीत करणे शक्य होणार आहे. पंरतु सुरक्षा रक्षक मंडळाकडे अशी कार्यवाही करणे शक्य होणार नाही.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ अन्वये मा. महासभेस महानगरपालिकेच्या सार्वजनिक व आर्थिक हिताचे दृष्टीने निर्णय घेण्याचे अधिकाराची स्वायत्तता प्राप्त झालेली आहे.

सद्यस्थितीत मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सिक्युरिटी प्रा. लि. यांची मुदत मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ ठराव क्र. ११ अन्वये निश्चित करण्यात आलेली आहे. त्यामुळे त्यांनी त्यांच्या सुरक्षारक्षकासाठी अग्रिमे दिलेले आहेत. त्यांचे विमा देखील उतरविलेले आहेत. तसेच मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील बेरोजगारांना रोजगार मिळालेला आहे.

महानगरपालिकेला आवश्यक असलेले सुरक्षारक्षक हे जाहिर निविदेद्वारे अभिकर्ता निश्चित करून घेण्यात यावे.

खाजगी अभिकर्ता यांचेकडील सुरक्षा रक्षक यांचे दर सुरक्षा रक्षक मंडळाकडील दरापेक्षा कमी असल्याने महानगरपालिकेचा आर्थिक फायदा होत आहे. या बाबीचा विचार करता खाजगी अभिकर्त्यास ठेका मंजुर करण्यास संयुक्तीक ठरेल.

मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ ठराव क्र. ११ नुसार मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सिक्युरिटी प्रा. लि. या अभिकर्त्यास पुढील ३ वर्षांकरीता मुदतवाढ देण्यात आलेली आहे. सबूत सदरची ठेक्याची ३ वर्षांची मुदतवाढ संपेपर्यंत त्यांचेकडूनच सुरक्षा रक्षक कार्यरत ठेवण्यात यावेत. तदनंतर निविदा प्रक्रियाद्वारे अभिकर्ता नेमणेबाबत कार्यवाही करावी येणा-न्या खर्चास मान्यता देण्यात येत आहे असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

### जुबेर इनामदार :-

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

### प्रशांत दळवी :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या विविध मालमतेचे संरक्षण करण्यासाठी सुरक्षा रक्षक सेवा उपलब्ध करून देणेकरीता स्पर्धात्मक निविदा मागवून त्यापैकी मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सिक्युरिटी प्रा. लि. यांची वाजवी व सर्वात कमी दराची निविदा मा. स्थायी समिती सभा दि. १७/०७/२००९ ठराव क्र. २६ नुसार दि. १/८/२००९ ते दि. ३१/७/२०११ पर्यंत २ वर्षांच्या कालावधीकरीता मंजूर करण्यात आली होती. तदनंतर मा. स्थायी समिती सभा दि. १६/७/२०११ ठराव क्र. ४१ अन्वये सदरच्या ठेक्यास दि. १/८/२०११ ते ३१/७/२०१२ या १ वर्ष कालावधी पर्यंत मुदतवाढ दिली आहे. तदनंतर याकामी नव्याने निविदा मागवून अभिकर्ता नियुक्त करण्याकरीता व अशी नियुक्ती करेपर्यंत विद्यमान निविदाधारकास मुदतवाढ देण्याचा प्रस्ताव मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ (१/१२/२०१२ ची तहकुब सभा) मध्ये मान्यतेस्तव सादर करण्यात आला होता. सदर सभेमध्ये ठराव क्र. ११ नुसार मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सेक्युरिटी प्रा. लि. यांना पुढील ३ वर्षांसाठी किमान वेतन कायदयानुसार मुदतवाढ देवून त्यानुसारचे देयकांच्या प्रदानास मंजूरी देण्यात आली आहे. मा. महासभेच्या सदर मंजूरीनुसार प्रशासनाकडून पुरवठादारास १ वर्षांची व तदनंतर ३ महिन्याची मुदतवाढ देण्यात आली आहे.

महाराष्ट्र शासन उद्योग, ऊर्जा व कामगार विभाग, शासन निर्णय क्र.एसजीए-१५०६/ प्र.क्र. ९२/काम-५, मंत्रालय, मुंबई-३२, दि.८ नोव्हेंबर, २००६ मधील तरतुदी नुसार सरकारी, निमसरकारी क्षेत्रे/उपक्रम/शासकीय मंडळे महामंडळे/महानगरपालिका/स्थानिक स्वराज्य संस्था/सहकारी संस्था/ शासकीय कार्यालये इत्यादी ठिकाणी, सुरक्षा मंडळाकडूनच सुरक्षा रक्षक घेणे आवश्यक असल्याबाबत श्री. संजय नारायण पांगे यांनी महाराष्ट्र शासनाच्या नगरविकास विभागाकडे दि. २१/३/२०१३ रोजीच्या निवेदनाद्वारे मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ ठराव क्र.११ विखंडित करणेची व कलम ४५२ अन्वये महानगरपालिका विसर्जित करणेची मागणी केली. सदर निवेदनावर शासनाकडे निर्णय प्रलंबीत असताना, श्री. संजय नारायण पांगे, यांनी, मा. उच्च न्यायालय, मुंबई येथे जनहित याचिका क्र. ६६/२०१३ दाखल केली होती. प्रस्तुत मा. महासभा दि. २५/११/२०१४ दि. १५/११/२०१४ ची तहकुब सभा

प्रकरणी याचिकाकर्त्याचे प्रलंबित निवेदनावर ३ महिन्यांचे आत निर्णय घेण्याचे आदेश मा.उच्च न्यायालयाने महाराष्ट्र शासनास दिले. या अनुषंगाने महाराष्ट्र शासन नगरविकास विभाग यांचे पत्र क्र. याचिका/मिभाम-१४१३/११२६/प्रक्र-११७/१३/नवि-२८, दि. २६/३/२०१४ अन्वये शासनाने खालीलप्रमाणे निर्णय महानगरपालिकेला कळविलेले आहे.

“महानगरपालिकेने सुरक्षा रक्षकांसाठी नव्याने मागणी केल्यास आवश्यक संख्येवढे सुरक्षा रक्षक पुरविता येतील, असे अभिप्राय सुरक्षा रक्षक मंडळाने दिलेले असल्याचे उद्योग, ऊर्जा व कामगार विभागाने कळविले आहे. त्या अनुषंगाने श्री.पांगे यांच्या दि.२१/०३/२०१३ च्या कलम ४५१ खालील अर्जाच्या अनुषंगाने संबंधित ठराव विखंडीत करण्याबाबत विचार न करता कामगार विभागाने दिलेल्या अभिप्रायानुसार, सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या उपलब्धतेबाबत सुरक्षा मंडळाकडे विचारणा करून त्याबाबतचे अभिप्राय दि.१५/०४/२०१४ पुर्वी प्राप्त करून घ्यावेत व सुरक्षा रक्षक मंडळाच्या अभिप्रायाच्या अनुषंगाने महानगरपालिकरीता आवश्यक सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या नेमणूकीच्या संदर्भात याबाबतचा प्रस्ताव महासभेपुढे सादर करून महानगरपालिकेने विद्यमान कंत्राटदारास दि.१०/०५/२०१३ च्या आदेशान्वये दिलेले १ वर्षाच्या कालावधी समाप्तीनंतर सुरक्षा अधिकारी/रक्षकांच्या नेमणूकीबाबत आवश्यक कार्यवाही करण्याबाबत आयुक्त, मिरा भाईदर महानगरपालिका यांना सुचना देण्यात याव्यात.”

शासनाचा उपरोक्त निर्णय प्राप्त झाल्यावर महानगरपालिकेने दि.०९/०४/२०१४ रोजी सुरक्षा मंडळास पत्र पाठवून सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या उपलब्धतेबाबत तसेच त्यांना द्यावयाच्या मासिक वेतन व भत्यांच्या दराबाबत लेखी माहिती मागितली होती. त्याप्रमाणे सुरक्षा रक्षक मंडळाकडुन माहिती प्राप्त झाली आहे. मनपाने मागणी केल्यानुसार ३५० सुरक्षा रक्षकांचा पुरवठा करणे शक्य असल्याचे सुरक्षा रक्षक मंडळाने त्यांच्या दि.१२/०४/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये कळविले आहे. तसेच मंडळातील सुरक्षा रक्षकांना सध्या लागू असलेले वेतन व लेह्ती दराचा तक्तासुधा पाठविला आहे. सुरक्षा रक्षक मंडळ आता सुरक्षा रक्षक पुरविण्यास तयार असले तरी, त्यांचेकडुन सुरक्षा रक्षक घेण्यात येऊ नये.

महाराष्ट्र राज्यात खाजगी सुरक्षा रक्षकांच्या नोकरीचे नियमन करण्याच्या उद्देशाने महाराष्ट्र खाजगी सुरक्षा रक्षक (नोकरीचे नियमन व कल्याण) अधिनियम १९८१ लागू करण्यात आला आहे.

तसेच सदर अधिनियमातील कलम १(४) नुसार सदरचा कायदा ज्या फॅक्टरी किंवा आस्थापनामध्ये (Establishment) सुरक्षा रक्षक म्हणून व्यक्ती काम करीत आहेत त्यांना कायदा लागू आहे. तथापि सदरचा कायदा सरळसेवेने फॅक्टरी किंवा आस्थापनेवर नियुक्त केलेल्या सुरक्षा रक्षकास लागू होत नाही अशी तरतुद आहे.

सदर अधिनियमातील कलम २(४) मध्ये आस्थापना (Establishment) आणि २(५) मध्ये फॅक्टरी (Factory) ची व्याख्या देण्यात आलेली आहे.

सदरची व्याख्या खालीलप्रमाणे आहे.

(4) establishment means an establishment as defined in clause (8) of Section 2 of the Bombay Shop and Establishments Act, 1948 (Bom.LXXIX of 1948) Bombay Shop and Establishments Act, 1948 या कायद्यातील Establishment ची व्याख्या खालीलप्रमाणे आहे.

Establishment means a shop, commercial establishment, residential hotel, restaurant, eating house, theatre, or other place of public amusement or entertainment to which this Act applies and includes such other establishment as the [State] Government may by notification in the Official Gazette, declare to be an establishment for the purposes of this Act. (5) Factories means a factory as defined in clause (m) of Section 2 of the Factories Act, 1948 (LXIII of 1948)

सदर व्याख्याचे वाचन केले असता “महानगरपालिका” उपरोक्त कलमात अंतर्भूत होत नाही. त्यामुळे सुरक्षा रक्षक मंडळाकडून महानगरपालिकेस सुरक्षा रक्षक पुरवठा करणे महानगरपालिकेस बंधनकारक नाही.

खाजगी अभिकर्ताद्वारे सुरक्षा रक्षक घेतल्यास त्या सुरक्षा रक्षकाकडुन काही चुका किंवा काम बदलची दिरंगाई इत्यादी झाल्यास थेट अभिकर्त्यावर कार्यवाही करणे शक्य होते. परंतु रक्षक मंडळाकडुन सुरक्षा रक्षक घेतल्यास अशी थेट कार्यवाही करता येणे शक्य होणार नाही. याबाबत सुरक्षा रक्षक मंडळाकडे प्रथम तक्रार द्यावी लागणार आहे. खाजगी अभिकर्ता यांचा ठेका रद्द करण्याची कार्यवाही महानगरपालिकेस त्वरीत करणे शक्य होणार आहे. परंतु सुरक्षा रक्षक मंडळाकडे अशी कार्यवाही करणे शक्य होणार नाही.

खाजगी अभिकर्ता यांचेकडील सुरक्षा रक्षक यांचे दर सुरक्षा रक्षक मंडळाकडील दरापेक्षा कमी असल्याने महानगरपालिकेचा आर्थिक फायदा होत आहे. या बाबीचा विचार करता खाजगी अभिकर्त्यास ठेका मंजुर करण्यास संयुक्तीक ठरेल.

मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ ठराव क्र. ११ नुसार मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सिक्युरिटी प्रा. लि. या अभिकर्त्यास पुढील ३ वर्षाकरीता मुदतवाढ देण्यात आलेली आहे. सबब सदरची ठेक्याची ३ वर्षाची मुदतवाढ संपेपर्यंत त्यांचेकडुनच सुरक्षा रक्षक कार्यरत ठेवण्यात यावेत. तदनंतर निविदा प्रक्रियाद्वारे अभिकर्ता नेमणेबाबत कार्यवाही करावी येणाऱ्या खर्चास मान्यता देण्यात येत आहे असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

**अश्विन कासोदरीया :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**अनिल भोसले :-**

मँडम माझी एक सुचना आहे. आपल्या शहरामध्ये सेक्युरिटी गार्ड किती आहेत. पालिकेमध्ये किती, गार्डनमध्ये किती, स्मशान भूमीत किती ह्याची मला माहिती मिळेल का?

**गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)) :-**

मा. महापौर महोदया, सिक्युरिटी गार्ड सध्या डिप्लॉय केलेले आहेत. विभागनिहाय पाहिजे असेज तर पूर्ण लिस्ट आहे.

**अनिल भोसले :-**

पालिका प्रशासन म्हणून त्यांची कधी मेडीकल केली आहे का?

**गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)) :-**

ठेक्यावर आहेत.

**अनिल भोसले :-**

एकदा स्मशानात बॉडी घेऊन गेले होते त्या बॉडीवर चढून वॉचमन दोन वेळा पडला. आपले जे वॉचमन पालिकेची सुरक्षा करण्यासाठी आहेत ते स्वतःची सुरक्षा करू शकत नाही. ते आपल्या प्रॉपर्टीची सुरक्षा करू शकतात का? मा. आयुक्त महोदय आपण ह्या बदल काय उत्तर देणार? त्यांच्या वयाची काय मर्यादा आहे का?

**फरिद कुरेशी :-**

ह्याच विषयावर माझ्या प्रभागात आला अजरद ग्राऊंड आणि मनपाची दुसरी मालमत्ता आमच्याकडे आहेत. तिकडची पण परिस्थिती अशी आहे की, वयाची मर्यादा नाही. स्टाफ कमी आहे. एक वॉचमन १८ तास आपल्याकडे काम करतो. अशीच परिस्थिती राहीली तर मला नाही वाटत आपण आपल्या मालमत्तेची सुरक्षा करू शकणार. मनपाची ही बिल्डिंग सोऱ्हून बाकी सगळ्याच ठिकाणी अनसेफ पोझिशन आहे. असे म्हटले तर ते खरच आहे.

**अनिल भोसले :-**

मँडम, माझी सुचना आहे. ह्याच्या मनपाचे काहीतरी कंट्रोल असावे भले ठेकेदार पध्दतीने असेल तर वॉचमन वर जे सेक्युरिटी गार्डस आहेत ह्या शहराची आपल्या प्रॉपर्टीची ते सुरक्षा करतात. अशा ठिकाणी असतात जर स्मशानभूमी आहे त्या ठिकाणी लोक दुःखामध्ये असतात अशा ठिकाणी असे जर वॉचमन असले तर आपल्या मनपाचीही बदनामी होते. माझी प्रशासनाला विनंती आहे की आपण जे सेक्युरिटी गार्डस आहेत त्यांना नियमावली लावावी त्याची वयोमर्यादा असावी अशी सुचना नमूद करून घ्या अशी विनंती आहे.

**गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)) :-**

मा. महापौर महोदया सन्मा. सदस्यांनी जे २-३ प्रश्न उपस्थित केले. त्याच्यात पहिला प्रश्न आहे संबंधीत सुरक्षा रक्षकाची वैद्यकीय चाचणी करण्याबाबत. महापौर महोदया सदरचे सुरक्षा रक्षक कंत्राटी पध्दतीने भरलेले आहेत. त्यामुळे ही जबाबदारी पूर्ण कंत्राटदाराची आहे आणि निश्चित त्याने दरवर्षी त्या सर्व कर्मचाऱ्याची मेडीकल करणे अपेक्षित आहे. किंबुना तसे अभिप्रेत आहेच. वयाची अटीबद्दल आपल्या करारामध्ये नमूद नसले तरीसुध्दा जो ते कार्य करण्यासाठी सक्षम आहे साधारणपणे शासकीय नियम आहे. वयाच्या ५८ व्या ६० वर्षांपर्यंत सुरक्षारक्षक असणे अपेक्षित आहे. काही प्रभागामध्ये काही मालमत्ताचे रक्षण करताना एकाच सेक्युरिटीला जास्त ऊऱ्हूटी दिली जाते त्यामुळे तो प्रभावीपणे करेल की नाही. सन्मा. सदस्याच्या तीनही सुचनाचे अनुपालन केले जाईल. आणि कंत्राटदाराला याबाबतीत निर्देश दिले जातील.

**दिनेश जैन :-**

ऊऱ्हूटीवर असताना दारु पिऊन ऊऱ्हूटी करू नका अशी सुचना लिहा.

**अनिल भोसले :-**

मँडम सत्यपरिस्थिती अशी आहे. वयोमर्यादा नसल्यामुळे सिनियर सिटीझन काम मिळू नये अशी माझी इच्छा नाही. पण सेक्युरिटी जे रक्षा करतात त्यांना रात्रीचे दिसताच नाही. ते आपली काय रक्षा करतील.

**मा. महापौर :-**

आपण जे नविन टेंडर काढणार त्याच्यात ह्या अटीशर्ती घालूनच आपण नविन टेंडर काढू या.

**गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)) :-**

मा. महापौर महोदया ऊऱ्हूटीवर दारु पिणे हे निश्चित चालण्यासारखे किंवा एक्सेप्टेबल नाही आहे. काम करण्यास सक्षम नसतील किंवा डोल्याने अधू असतील अन्य काही कारण असतील अशा लोकांना कमी केले जाईल.

**फरिद कुरेशी :-**

मेडीकली फीट आहेत त्याची दक्षता घेतली तर हे वयाचे सगळे त्याच्यात कवर होईल.

**सुहास रक्की :-**

मेडीकली फीट आणि त्यांना कामाचे तास किती द्यावेत. एखाद्या माणसाने किती तास काम करावे हा देखील नियम लागू करावा. १८ तास करतो त्याला आपण दोन ऊऱ्हूटीचे पैसे देतो. त्यामुळे दोन ऊऱ्हूटीच्या वेळी त्याच्या कामाचे ८ तास त्या कामावर असलेला व्यक्तिसक्षम असला पाहिजे. आमचे असे म्हणणे आहे जे

व्यक्ति सक्षम असतील आणि त्यांना युनिफॉर्म हा चांगल्या पध्दतीचा द्या. त्या टेंडर नुसार नविन एजन्सी येणार असतील सक्षम असतील त्यांना द्यावे अशी विनंती.

#### वंदना चक्र :-

मा. उपायुक्त साहेब ह्याचे स्पष्टीकरण करा की, ज्यांना नंबर आहेत ते की खरोखर आंधळे आहेत ते? तारा घरत :-

स्मशानभुमित कायमस्वरूपी सेक्युरिटी गार्ड नसतो. तो कायमस्वरूपी असावा आणि दहन दाखला देण्यासाठी वॉचमन नसतात.

#### नयना वसाणी :-

मा. महापौर मऱ्डमच्या परवानगीने बोलते. मऱ्डम आपण सेक्युरिटी गार्ड जे अपॉइंट करतो त्यांना व्यवस्थित युनिफॉर्म नसतात असे रकवी साहेब बोलले. माझी अशी सुचना आहे दे शुल्ड बी वेल इक्वीप्ट कारण रात्री वेळी अवेळी कधी असामाजिक तत्व सुध्दा अशा प्रॉपर्टीवर येतात. त्यावेळी ज्या घटना घडतात त्यावेळी आपले सेक्युरीटी गार्ड इन्जर्ड होतात. तसे माझ्या प्रभागामध्ये झालेले आहे. दिवसाढवळ्या काही मुलांनी तिकडे जाऊन दंगा केला तर त्या वॉचमनकडे काही साधन नसल्यामुळे धावत नगरसेवकाकडे येतो की ही मुलं मला मारतात मी काय करु. सगळ्या घटनाना सामोरे जायला ते सक्षम असावे अशी माझी सुचना आहे.

#### दिनेश जैन :-

मा. महापौर मऱ्डम, गार्डनमध्ये आपण जे वॉचमन ठेवतात म्हणजे त्याची बॉडीपण कमी असते आणि त्याला कोणीपण मारून जातात. ते नगरसेवकच्या ऑफीसमध्ये येतात आणि असा असा प्रॉब्लम झाला असे सांगातात. नगरसेवक पण एकदा जाणार, दोनदा जाणार. त्याला मी पोलीस चौकीवर पण पाठवले. तेथे जावून तु कंम्प्लेंट कर. तरी लोकांवर पोलीस कारवाई करत नाही. कारण तेथे चर्सी लोक बसतात. पण तो एकठा दांडा घेवून तरी काय करणार? ही एक मोठी जबाबदारी आहे. आपण वॉचमन कुठल्याही गार्डनमध्ये ठेवतो म्हणजे तिकडच्या परिसरातील लोक तिकडे येतात म्हणून पोलीस प्रशासनाने त्यांची कंम्प्लेंट ऐकावी.

#### जयमाला पाटील :-

मोर्वा गावामध्ये दोन तलाव आहेत. त्याचे टाइमिंग दुपार नंतरचे आहे. दुपारी दोन वाजता मुलाची रिसेस होते तर मुल ज्यावेळेला त्या तलावाच्या आजूबाजूला खेळतात त्या वेळेला वॉचमन ठेवा रात्री बेरात्री वॉचमन ठेवण्यापेक्षा तिथे जेव्हा गरज आहे तेव्हा ठेवा.

#### गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

मा. महापौर महोदया, सन्मा. सदस्याचा प्रश्न आहे की डोळ्यांनी अधू म्हणजे काय? जो काही कंत्राटदार किंवा स्टाफ आपण अपॉइंट करतो मग तो स्थायी असेल, अस्थायी असेल किंवा कंत्राटदाराच्या माध्यमातून असेल ह्या सर्व कर्मचाऱ्यांना मनपाच्या स्थायी कर्मचाऱ्यांना जसे नियम असतात त्याचप्रमाणे त्याच्याकडून काम करून घेणे बंधनकारक आहे. ह्यामध्ये फिझीकली फिट असावा वर्किंग हावर्स C तास असावे आणि डोळ्याच्या बाबतीत विषय असा आहे की, जो कर्मचारी रातांधळेपणा सारख्या आजाराने ग्रस्त आहे म्हणजे त्याला रात्री कलरमधला फरक समजत नाही असे कर्मचारी, सुरक्षारक्षक, वाहन चालक किंवा आपले शिपाई म्हणून सुध्दा काम करून शकत नाही.

#### जुबेर इनामदार :-

मा. आयुक्त महोदय सुरक्षा रक्षक आपल्याकडे अमिताभ बच्चन असतात. १०-१२ लोक त्याला मारायला आली की तो फायर्टिंग फायर्टिंग करू शकतो. एकठा तो सुरक्षा रक्षक त्याच्या हातामध्ये लाकडाची काठी तो काय करेल खरे तर साहेब आपल्या जेवढ्या मालमत्ता आहेत तिकडे सी.सी.टी.व्ही. लावा. साहेब सी.सी.टी.व्ही. असला तर पोलिसाना तक्रार करायला एक्षिडन्स आहे. मा. आयुक्त महोदय ह्या सुचनेवर गांभिर्यपूर्वक विचार करावा. सुरक्षा रक्षक एकमेव स्त्रोत नसतो. बाकीची यंत्रणा राबवायला लागते.

#### प्रकरण क्र. ३६ :-

महाराष्ट्र शासन नगरविकास विभाग पत्र क्र.याचिका/मिभाम-१४१३/११२६/प्र.क्र.११७/१३/नवि-२८ दि. २६/०३/२०१४ अन्वये प्राप्त निर्देश नुसार महानगरपालिकेला आवश्यक असलेले सुरक्षा रक्षक हे सुरक्षा रक्षक मंडळाकडून घ्यावेत कि अभिकर्ता निश्चित करून घ्यावेत, याबाबत धोरणात्मक निर्णय घेणेबाबत.

#### ठराव क्र. ४२ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या विविध मालमत्तेचे संरक्षण करण्यासाठी सुरक्षा रक्षक सेवा उपलब्ध करून देणेकरीता स्पर्धात्मक निविदा मागवून त्यापैकी मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सिक्युरिटी प्रा. लि. यांची वाजवी व सर्वात कमी दराची निविदा मा. स्थायी समिती सभा दि. १७/०७/२००९ ठराव क्र. २६ नूसार दि. १/८/२००९ ते दि. ३१/७/२०११ पर्यंत २ वर्षांच्या कालावधीकरीता मंजूर करण्यात आली होती. तदनंतर मा. स्थायी समिती सभा दि. १६/७/२०११ ठराव क्र. ४१ अन्वये सदरच्या ठेक्यास दि. १/८/२०११ ते ३१/७/२०१२ या १ वर्ष कालावधी पर्यंत मुदतवाढ दिली आहे. तदनंतर याकामी नव्याने निविदा मागवून अभिकर्ता नियुक्त करण्याकरीता व अशी नियुक्ती करेपर्यंत विद्यमान निविदाधारकास मुदतवाढ देण्याचा प्रस्ताव मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ (१/१२/२०१२ ची तहकूब सभा) मध्ये मान्यतेस्तव सादर करण्यात आला होता. सदर सभेमध्ये ठराव क्र. ११ नूसार मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सेक्युरिटी प्रा. लि. यांना पुढील ३ वर्षासाठी किमान वेतन

कायदयानुसार मुदतवाढ देवून त्यानुसारचे देयकांच्या प्रदानास मंजूरी देण्यात आली आहे. मा. महासभेच्या सदर मंजूरीनुसार प्रशासनाकडून पुरवठादारास १ वर्षाची व तदनंतर ३ महिन्याची मुदतवाढ देण्यात आली आहे.

महाराष्ट्र शासन उद्योग, ऊर्जा व कामगार विभाग, शासन निर्णय क्र.एसजीए-१५०६/ प्र.क्र. १२/काम-५, मंत्रालय, मुंबई-३२, दि.८ नोव्हेंबर, २००६ मधील तरतुदी नुसार सरकारी, निमसरकारी क्षेत्रे/उपक्रम/शासकीय मंडळे महामंडळे/महानगरपालिका/स्थानिक स्वराज्य संस्था/सहकारी संस्था/ शासकीय कार्यालये इत्यादी ठिकाणी, सुरक्षा मंडळाकडूनच सुरक्षा रक्षक घेणे आवश्यक असल्याबाबत श्री. संजय नारायण पांगे यांनी महाराष्ट्र शासनाच्या नगरविकास विभागाकडे दि. २१/३/२०१३ रोजीच्या निवेदनाद्वारे मा.महासभा दि. १४/१२/२०१२ ठराव क्र.११ विखंडित करणेची व कलम ४५२ अन्वये महानगरपालिका विसर्जित करणेची मागणी केली. सदर निवेदनावर शासनाकडे निर्णय प्रलंबित असताना, श्री. संजय नारायण पांगे, यांनी, मा. उच्च न्यायालय, मुंबई येथे जनहित याचिका क्र. ६६/२०१३ दाखल केली होती. प्रस्तुत प्रकरणी याचिकाकर्त्त्याचे प्रलंबित निवेदनावर ३ महिन्यांचे आत निर्णय घेण्याचे आदेश मा.उच्च न्यायालयाने महाराष्ट्र शासनास दिले. या अनुषंगाने महाराष्ट्र शासन नगरविकास विभाग यांचे पत्र क्र. याचिका/मिभाम-१४१३/१९२६/प्रक्र-११७/१३/नवि-२८, दि. २६/३/२०१४ अन्वये शासनाने खालीलप्रमाणे निर्णय महानगरपालिकेला कळविलेले आहे.

“महानगरपालिकेने सुरक्षा रक्षकांसाठी नव्याने मागणी केल्यास आवश्यक संख्येवढे सुरक्षा रक्षक पुरविता येतील, असे अभिप्राय सुरक्षा रक्षक मंडळाने दिलेले असल्याचे उद्योग, ऊर्जा व कामगार विभागाने कळविले आहे. त्या अनुषंगाने श्री.पांगे यांच्या दि.२१/०३/२०१३ च्या कलम ४५१ खालील अर्जाच्या अनुषंगाने संबंधित ठराव विखंडित करण्याबाबत विचार न करता कामगार विभागाने दिलेल्या अभिप्रायानुसार , सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या उपलब्धतेबाबत सुरक्षा मंडळाकडे विचारणा करून त्याबाबतचे अभिप्राय दि.१५/०४/२०१४ पुर्वी प्राप्त करून घ्यावेत व सुरक्षा रक्षक मंडळाच्या अभिप्रायाच्या अनुषंगाने महानगरपालिकरीता आवश्यक सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या नेमणूकीच्या संदर्भात याबाबतचा प्रस्ताव महासभेपुढे सादर करून महानगरपालिकेने विद्यमान कंत्राटदारास दि.१०/०५/२०१३ च्या आदेशान्वये दिलेले १ वर्षाच्या कालावधी समाप्तीनंतर सुरक्षा अधिकारी/रक्षकांच्या नेमणूकीबाबत आवश्यक कार्यवाही करण्याबाबत आयुक्त, मिरा भाईंदर महानगरपालिका यांना सुचना देण्यात याव्यात.”

शासनाचा उपरोक्त निर्णय प्राप्त झाल्यावर महानगरपालिकेने दि.०९/०४/२०१४ रोजी सुरक्षा मंडळास पत्र पाठवून सुरक्षा अधिकारी/रक्षक यांच्या उपलब्धतेबाबत तसेच त्यांना द्यावयाच्या मासिक वेतन व भत्यांच्या दराबाबत लेखी माहिती मागितली होती. त्याप्रमाणे सुरक्षा रक्षक मंडळाकडून माहिती प्राप्त झाली आहे. मनपाने मागणी केल्यानुसार ३५० सुरक्षा रक्षकांचा पुरवठा करणे शक्य असल्याचे सुरक्षा रक्षक मंडळाने त्यांच्या दि.१२/०४/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये कळविले आहे. तसेच मंडळातील सुरक्षा रक्षकांना सध्या लागू असलेले वेतन व लेही दराचा तक्तासुध्दा पाठविला आहे. सुरक्षा रक्षक मंडळ आता सुरक्षा रक्षक पुरविण्यास तयार असले तरी, त्यांचेकडून सुरक्षा रक्षक घेण्यात येऊ नये.

महाराष्ट्र राज्यात खाजगी सुरक्षा रक्षकांच्या नोकरीचे नियमन करण्याच्या उद्देशाने महाराष्ट्र खाजगी सुरक्षा रक्षक (नोकरीचे नियमन व कल्याण) अधिनियम १९८१ लागू करण्यात आला आहे.

तसेच सदर अधिनियमातील कलम १(४) नुसार सदरचा कायदा ज्या फॅक्टरी किंवा आस्थापनामध्ये (Establishment) सुरक्षा रक्षक म्हणून व्यक्ती काम करीत आहेत त्यांना कायदा लागू आहे. तथापि सदरचा कायदा सरळसेवेने फॅक्टरी किंवा आस्थापनेवर नियुक्त केलेल्या सुरक्षा रक्षकास लागू होत नाही अशी तरतुद आहे.

सदर अधिनियमातील कलम २(४) मध्ये आस्थापना (Establishment) आणि २(५) मध्ये फॅक्टरी (Factory) ची व्याख्या देण्यात आलेली आहे.

सदरची व्याख्या खालीलप्रमाणे आहे.

(८) establishment means an establishment as defined in clause (8) of Section 2 of the Bombay Shop and Establishments Act, 1948 (Bom.LXXIX of १९४८)

Bombay Shop and Establishments Act, १९४८ या कायदयातील Establishment ची व्याख्या खालीलप्रमाणे आहे.

Establishment means a shop, commercial establishment, residential hotel, restaurant, eating house, theatre, or other place of public amusement or entertainment to which this Act applies and includes such other establishment as the [State] Government may by notification in the Official Gazette, declare to be an establishment for the purposes of this Act.

(५) Factories means a factory as defined in clause (m) of Section 2 of the Factories Act, 1948 (LXIII of 1948)

सदर व्याख्याचे वाचन केले असता “महानगरपालिका” उपरोक्त कलमात अंतर्भूत होत नाही. त्यामुळे सुरक्षा रक्षक मंडळाकडून महानगरपालिकेस सुरक्षा रक्षक पुरवठा करणे महानगरपालिकेस बंधनकारक नाही.

खाजगी अभिकर्त्ताद्वारे सुरक्षा रक्षक घेतल्यास त्या सुरक्षा रक्षकाकडून काही चुका किंवा काम बदलची दिरंगाई इत्यादी झाल्यास थेट अभिकर्त्त्यावर कार्यवाही करणे शक्य होते. परंतु रक्षक मंडळाकडून सुरक्षा रक्षक घेतल्यास अशी थेट कार्यवाही करता येणे शक्य होणार नाही. याबाबत सुरक्षा रक्षक मंडळाकडे प्रथम तक्रार

द्यावी लागणार आहे. खाजगी अभिकर्ता यांचा ठेका रद्द करण्याची कार्यवाही महानगरपालिकेस त्वरीत करणे शक्य होणार आहे. परंतु सुरक्षा रक्षक मंडळाकडे अशी कार्यवाही करणे शक्य होणार नाही.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ अन्वये मा. महासभेस महानगरपालिकेच्या सार्वजनिक व आर्थिक हिताचे दृष्टीने निर्णय घेण्याचे अधिकाराची स्थायतता प्राप्त झालेली आहे.

सद्यस्थितीत मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सिक्युरिटी प्रा. लि. यांची मुदत मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ ठराव क्र. ११ अन्वये निश्चित करण्यात आलेली आहे. त्यामुळे त्यांनी त्यांच्या सुरक्षारक्षकासाठी अग्रिमे दिलेले आहेत. त्यांचे विमा देखील उत्तरविलेले आहेत. तसेच मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील बेरोजगारांना रोजगार मिळालेला आहे.

महानगरपालिकेला आवश्यक असलेले सुरक्षारक्षक हे जाहिर निविदेद्वारे अभिकर्ता निश्चित करून घेण्यात यावे.

खाजगी अभिकर्ता यांचेकडील सुरक्षा रक्षक यांचे दर सुरक्षा रक्षक मंडळाकडील दरापेक्षा कमी असल्याने महानगरपालिकेचा आर्थिक फायदा होत आहे. या बाबीचा विचार करता खाजगी अभिकर्त्यास ठेका मंजुर करण्यास संयुक्तीक ठरेल.

मा. महासभा दि. १४/१२/२०१२ ठराव क्र. ११ नुसार मे. सैनिक इंटेलिजन्स अँड सिक्युरिटी प्रा. लि. या अभिकर्त्यास पुढील ३ वर्षांकरीता मुदतवाढ देण्यात आलेली आहे. सबूत सदरची ठेक्याची ३ वर्षांची मुदतवाढ संपर्यंत त्यांचेकडुनच सुरक्षा रक्षक कार्यरत ठेवण्यात यावेत. तदनंतर निविदा प्रक्रियाद्वारे अभिकर्ता नेमणेबाबत कार्यवाही करावी येणा-या खर्चास मान्यता देण्यात येत आहे असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

**सुचक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील** **अनुमोदक :- श्री. प्रशांत दळवी**

ठराव सर्वानुमते मंजुर  
ठराव वाचून कायम करण्यात आला

सही/-  
महापौर  
**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

#### नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ३७, महासभेची आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत. (पाणी पुरवठा विभाग)

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

मा. मंत्री जलसंपदा यांचे दालनात दि. १६/०३/२०१२ रोजी झालेल्या बैठकीत मिरा भाईदर महानगरपालिकरिता ३० द.ल.ली. अतिरीक्त पाणी पुरवठा मंजूर केला होता. यापैकी २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा तातडीने सुरु करणेबाबत मा. मंत्री उद्योग व बंदरे यांनी दि. १९/०३/२०१२ रोजीच्या झालेल्या बैठकीत महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळास निर्देश दिलेले होते.

सदर बैठकीच्या अनुषंगाने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. ०४/१२/२०१२ रोजी जलजोडणी मंजुर आशयाचे पत्र दिले. साकेत ठाणे येथून महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाच्या जलवाहिनी वरून २० द.ल.ली. प्रतिदिन पाणी प्रायोगिक तत्वावर तात्पुरत्या स्वरूपात १ महिन्याच्या कालावधीकरिता जलजोडणी देण्याचे अंतर्भूत होते. त्यानुसार २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा प्रायोगिक तत्वावर घेणेकरीता साकेत (ठाणे) येथे तात्पुरत्या स्वरूपात बुस्टींग पंपगृह बांधण्यात आले असून सदर पंपीग स्टेशन ऑगस्ट -२०१४ मध्ये कार्यान्वीत करण्यात आले, तेहापासून मिरा भाईदर शहराच्या पाणी पुरवठ्यात २० द.ल.ली. वाढ झाली आहे. तसेच सदरची यंत्रणा सुरळीत कार्यान्वीत असल्याने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने पाणी पुरवठा अखंडीत सुरु ठेवलेला आहे.

मा. आयुक्त व मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ यांची संयुक्तीक बैठक मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांचे दालनात दि. २६/०८/२०१४ रोजी संपन्न झाली. सदर बैठकीस मिरा भाईदर महानगरपालिकेस अतिरिक्त पाणी पुरवठा होणेबाबत चर्चा झाली सदर बैठकी दरम्यान मिरा भाईदर महानगरपालिकेस तत्वतः ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा देण्याचे मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ यांनी मान्य केले व तसे आशयाचे पत्र सुध्दा मिरा भाईदर महानगरपालिकेस दि. १२/०९/२०१४ रोजी देण्यात आलेले आहे.

सदरचे अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी घेणेकरिता खालील कामे हाती घेणे आवश्यक आहे.

**अ) मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या साकेत पंपगृहात ४० द.ल.ली. प्रतिदिन क्षमतेचा Stand by VFD Operated In line Booster पंपाचा पुरवठा करणे, बसविणे, चाचणी देणे व कार्यान्वीत करणे या कामास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत..**

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने साकेत पंपीग स्टेशनचा पाणी पुरवठा तात्पुरत्या स्वरूपाचा दिला असल्यामुळे तेथे केवळ एकच पंप बसविण्यांत आला. परंतु सदरची यंत्रणा सुरळीत कार्यान्वीत असल्याने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने पाणी पुरवठा अखंडीत सुरु ठेवलेला आहे. हा पंप २४x७ तास चालतो. त्यामुळे या पंपात काही बिघाड झाल्यास महानगरपालिकेस दररोज २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा

कमी होऊन पाणी पुरवठयाचे तास वाढून नागरीकांच्या तक्रारी वाढण्याची शक्यता आहे. करीता साकेत पंप गृहात एक नवीन Stand by पंप बसविणे अत्यंत आवश्यक आहे.

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. १२/०९/२०१४ रोजीच्या पत्राद्वारे मिरा भाईदर महानगरपालिकेकरिता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्याचे मान्य केले आहे वाढीव पाणी पुरवठा लक्षात घेता साकेत येथील Stand by पंप २० द.ल.ली. ऐवजी ४० द.ल.ली. एवढया क्षमतेचा प्रस्तावीत केला आहे, जेणे करुन वाढीव पाणी पुरवठा देखील या पंपाद्वारे केला जाऊ शकेल.

| अ.क्र. | कामाचे नाव  | अंदाजीत खर्च      |
|--------|---|-------------------|
| १      | मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या साकेत पंपगृहात ४० द.ल.ली. प्रतिदिन क्षमतेचा Stand by VFD Operated In line Booster पंपाचा पुरवठा करणे, बसविणे, चाचणी देणे व कार्यान्वीत करणे या कामास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत | रु. ३,२४,७०,०३३/- |

#### ब) १३५० मि.मी. व्यासाची जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे.

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. १२/०९/२०१४ रोजीच्या पत्राद्वारे मिरा भाईदर महानगरपालिकेकरिता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्याचे मान्य केले आहे. मिरा भाईदर शहरास सद्यस्थितीत होत असलेल्या पाणी पुरवठा जलवाहिनीची अतिरिक्त पाणी वाहून नेण्याची क्षमता नाही. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाकडून उपलब्ध होणारे १०० द.ल.ली. पाणी मिरा भाईदर शहरापर्यंत आणणेकरिता पाटलीपाडा ते हटकेश पर्यंत सद्याच्या जलवाहिनीस समांतर १३५० मि.मी. व्यासाची नवीन जलवाहिनी अंथरावी लागणार आहे व या अगोदर टप्पा १ मध्ये २० द.ल.ली. पाणी शहरात आणणेकरिता ओवळे ते काजूपाडा दरम्यान १३५० मि.मी. व्यासाची जलवाहिनी अंथरण्यात आली असून ऑगस्ट २०१४ मध्ये कार्यान्वीत करण्यात येऊन मिरा भाईदर शहराच्या पाणी पुरवठयात २० द.ल.ली. वाढ झालेली आहे. सद्य टप्पा २ मध्ये अतिरिक्त पाणी पुरवठा मिरा भाईदर शहराच्या पाणी वितरण व्यवस्थेत सुधारणा झालेली आहे. सद्य टप्पा २ मध्ये अतिरिक्त पाणी पुरवठा मिरा भाईदर शहरात आणण्याकरिता खालीलप्रमाणे जलवाहिनी टाकावी लागणार आहे.

| अ.क्र. | कामाचे नाव   | अंदाजीत खर्च       |
|--------|--|--------------------|
| १      | पाटलीपाडा ते ओवळेगाव पर्यंत १३५० मि.मी. व्यासाची मृदुपोलादी जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे. | रु. १८,३८,२६,०६४/- |

वरील वस्तुस्थिती पाहता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी घेणेकरिता वरील दोन्ही कामे हाती घेणे आवश्यक असून त्याकरिता एकूण रु. २१,६२,९६,०९७/- इतका खर्च अपेक्षीत असून सदर खर्चास व काम करुन घेण्यास आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी ही सभा देत आहे.

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाकडून अतिरिक्त १०० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्यासाठी आवश्यक असलेली साकेत ते पाटलीपाडा व काजूपाडा ते हटकेश दरम्यान पाईप लाईन टाकणे, जलकुंभ बांधणे, जलकुंभाची पाईप लाईन टाकणे व वितरण व्यवस्था टाकणे इत्यादी कामी राज्य शासनाच्या नगरोत्थान अभियाना अंतर्गत निधी उपलब्ध होणेकरीता हा प्रस्ताव शासनास सादर करण्यास ही सभा अनुमती देत आहे.

#### जुबेर इनामदार :-

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

#### प्रशांत दळवी :-

मा. मंत्री जलसंपदा यांचे दालनात दि. १६/०३/२०१२ रोजी झालेल्या बैठकीत मिरा भाईदर महानगरपालिकेकरिता ३० द.ल.ली. अतिरिक्त पाणी पुरवठा मंजूर केला होता. यापैकी २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा तातडीने सुरु करणेबाबत मा. मंत्री उद्योग व बंदरे यांनी दि. १९/०३/२०१२ रोजीच्या झालेल्या बैठकीत महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळास निर्देश दिलेले होते.

सदर बैठकीच्या अनुषंगाने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. ०४/१२/२०१२ रोजी जलजोडणी मंजूर आशयाचे पत्र दिले. साकेत ठाणे येथून महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाच्या जलवाहिनी वरुन २० द.ल.ली. प्रतिदिन पाणी प्रायोगिक तत्वावर तात्पुरत्या स्वरूपात १ महिन्याच्या कालावधीकरिता जलजोडणी देण्याचे अंतर्भूत होते. त्यानुसार २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा प्रायोगिक तत्वावर घेणेकरीता साकेत (ठाणे) येथे तात्पुरत्या स्वरूपात बुस्टींग पंपगृह बांधण्यात आले असून सदर पंपीग स्टेशन ऑगस्ट -२०१४ मध्ये कार्यान्वीत करण्यात आले, तेहापासून मिरा भाईदर शहराच्या पाणी पुरवठयात २० द.ल.ली. वाढ झाली आहे. तसेच सदरची यंत्रणा सुरळीत कार्यान्वीत असल्याने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने पाणी पुरवठा अखंडीत सुरु ठेवलेला आहे.

मा. आयुक्त व मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ यांची संयुक्तीक बैठक मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांचे दालनात दि. २६/०८/२०१४ रोजी संपन्न झाली. सदर बैठकीस मिरा भाईदर महानगरपालिकेस अतिरिक्त पाणी पुरवठा होणेबाबत चर्चा झाली सदर बैठकी दरम्यान मिरा भाईदर महानगरपालिकेस तत्वत: ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा देण्याचे मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ यांनी मान्य केले व तसे आशयाचे पत्र सुधा मिरा भाईदर महानगरपालिकेस दि. १२/०९/२०१४ रोजी देण्यात आलेले आहे.

सदरचे अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी घेणेकरिता खालील कामे हाती घेणे आवश्यक आहे.

- अ) मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या साकेत पंपगृहात ४० द.ल.ली. प्रतिदिन क्षमतेचा Stand by VFD Operated In line Booster पंपाचा पुरवठा करणे, बसविणे, चाचणी देणे व कार्यान्वीत करणे या कामास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत..

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने साकेत पंपीग स्टेशनचा पाणी पुरवठा तात्पुरत्या स्वरूपाचा दिला असल्यामुळे तेथे केवळ एकच पंप बसविण्यांत आला. परंतु सदरची यंत्रणा सुरक्षित कार्यान्वीत असल्याने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने पाणी पुरवठा अखंडीत सुरु ठेवलेला आहे. हा पंप २४ तास चालतो. त्यामुळे या पंपात काही बिघाड झाल्यास महानगरपालिकेस दररोज २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा कमी होऊन पाणी पुरवठयाचे तास वाढून नागरीकांच्या तक्रारी वाढण्याची शक्यता आहे. करीता साकेत पंप गृहात एक नवीन Stand by पंप बसविणे अत्यंत आवश्यक आहे.

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. १२/०९/२०१४ रोजीच्या पत्राद्वारे मिरा भाईंदर महनगरपालिकेकरिता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्याचे मान्य केले आहे वाढीव पाणी पुरवठा लक्षात घेता साकेत येथील Stand by पंप २० द.ल.ली. ऐवजी ४० द.ल.ली. एवढया क्षमतेचा प्रस्तावीत केला आहे, जेणे करून वाढीव पाणी पुरवठा देखील या पंपाद्वारे केला जाऊ शकेल.

| अ.क्र. | कामाचे नाव   | अंदाजीत खर्च      |
|--------|--|-------------------|
| १      | मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या साकेत पंपगृहात ४० द.ल.ली. प्रतिदिन क्षमतेचा Stand by VFD Operated In line Booster पंपाचा पुरवठा करणे, बसविणे, चाचणी देणे व कार्यान्वीत करणे या कामास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत | रु. ३,२४,९०,०३३/- |

**ब) १३५० मि.मी. व्यासाची जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे.**

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. १२/०९/२०१४ रोजीच्या पत्राद्वारे मिरा भाईंदर महनगरपालिकेकरिता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्याचे मान्य केले आहे. मिरा भाईंदर शहरास सद्यस्थितीत होत असलेल्या पाणी पुरवठा जलवाहिनीची अतिरिक्त पाणी वाहून नेण्याची क्षमता नाही. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाकडून उपलब्ध होणारे १०० द.ल.ली. पाणी मिरा भाईंदर शहरापर्यंत आणणेकरिता पाटलीपाडा ते हटकेश पर्यंत सद्याच्या जलवाहिनीस समांतर १३५० मि.मी. व्यासाची नवीन जलवाहिनी अंथरावी लागणार आहे व या अगोदर टप्पा १ मध्ये २० द.ल.ली. पाणी शहरात आणणेकरिता ओवळे ते काजूपाडा दरम्यान १३५० मि.मी. व्यासाची जलवाहिनी अंथरण्यात आली असून ऑगस्ट २०१४ मध्ये कार्यान्वीत करण्यात येऊन मिरा भाईंदर शहराच्या पाणी पुरवठयात २० द.ल.ली. वाढ झालेली आहे. परिणामी मिरा भाईंदर शहराच्या पाणी वितरण व्यवस्थेत सुधारणा झालेली आहे. सद्या टप्पा २ मध्ये अतिरिक्त पाणी पुरवठा मिरा भाईंदर शहरात आणण्याकरिता खालीलप्रमाणे जलवाहिनी टाकावी लागणार आहे.

| अ.क्र. | कामाचे नाव   | अंदाजीत खर्च       |
|--------|--|--------------------|
| १      | पाटलीपाडा ते ओवळेगाव पर्यंत १३५० मि.मी. व्यासाची मृदुपोलादी जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे. | रु. १८,३८,२६,०६४/- |

वरील वस्तुस्थिती पाहता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी घेणेकरिता वरील दोन्ही कामे हाती घेणे आवश्यक असून त्याकरिता एकूण रु. २१,६२,१६,०९७/- इतका खर्च अपेक्षीत असून सदर खर्चास व काम करून घेण्यास आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी ही सभा देत आहे.

तसेच उपरोक्त कामांकरिता संबंधीत विभागाच्या आवश्यकत्या परवानगी घेणे व त्याअनुषंगीक पुढील कार्यवाही करण्यास तसेच निविदा मागविण्यास मा. आयुक्त यांना प्राधिकृत करण्यास ही सभा मंजूरी देत आहे.

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाकडून अतिरिक्त १०० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्यासाठी आवश्यक असलेली साकेत ते पाटलीपाडा व काजूपाडा ते हटकेश दरम्यान पाईप लाईन टाकणे, जलकुंभ बांधणे, जलकुंभाची पाईप लाईन टाकणे व वितरण व्यवस्था टाकणे इत्यादी कामी सविस्तर प्रकल्प अहवालास आर्थिक व प्रशासकिय मान्यता ही सभा देत आहे. तसेच राज्यशासनाच्या नगरोत्थान अभियाना अंतर्गत निधी उपलब्ध होणेकरीता हा प्रस्ताव शासनास सादर करण्यास ही सभा अनुमती देत आहे.

महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये एकूण नळ जोडणी किती आहेत. नागरीकांना किती पाणी पुरवठा केला जातो याची माहिती मिळावी. २० द.ल.ली. पाणी वाढल्याने नागरीकांना किती प्रमाणात वाढीव पाणी पुरवठा करण्यात आला याची सविस्तर विवरण देण्यात यावे. तसेच दुसऱ्या टप्प्यामध्ये अतिरिक्त पाणी पुरवठा मिरा भाईंदर शहरात प्राप्त होणार आहे. अतिरिक्त पाणी पुरवठा आल्यानंतर नविन नळ जोडणी देणेबाबत काय घोरण असावे याचाही अहवाल प्रशासनाने तयार करावा.

**दिनेश जैन :-**

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

## मा. आयुक्त सो.:-

मा. महापौर महोदया मिरा भाईदर शहराच्या पाण्याचा प्रश्न गंभीर आहे. ह्याची आपल्याला कल्पना आहे. ह्या अनुषंगाने मी कालच एम.आय.डी.सी. चे मुख्य कार्यकारी अधिकारी ह्यांची भेट घेतली. ह्या शहराची पाण्याची गरज १७२ एम.एल.डी. आहे. त्याच्या तुलनेत आपल्याकडे १३६ एम.एल.डी. पाणी पुरवठा होतो. एम.आय.डी.सी. कडून ५० एम.एल.डी. आणि स्टेम कडून ८६ एम.एल.डी. म्हणजे आजही आपण ३६ एम.एल.डी. ने पाणीपुरवठा कमी करतो. दिवसेंदिवस ह्या शहराची पॉप्यूलेशन वाढत जाते. भविष्यात होणारी लोकसंख्येची वाढ आणि आता असलेला तूटवडा ह्याचा विचार करून आम्ही एम.आय.डी.सी.कडे १०० एम.एल.डी. अतिरिक्त पाणी पुरवठा करा अशी त्यांना मागणी केली. जेणेकरून किमान पूढचे १० वर्ष तरी पाण्याचा तूटवडा भासणार नाही. मला ह्या सदनामध्ये सांगायला आनंद वाटतो की कालच एम.आय.डी.सी.नी अतिरिक्त ७५ एम.एल.डी. पाणी पुरवठा करण्यासाठी तत्वतः मान्यता दिली आहे. ह्यासाठी साधारण २८० कोटी रुपयाचा एक प्रस्ताव लवकरच महासभेसमोर आपल्या मान्यतेसाठी घेऊन येऊ. ज्यामध्ये शिल फाट्यापासून शहरापर्यंतची पाईप लाईन जो झालेला भाग आहे तो वगळून आणि शहरामध्ये डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम आणि रिज़व्ह व्हायर. धन्यवाद.

## रोहिदास पाटील :-

मा. महापौर मँडम पाणी प्रश्नामध्ये चर्चा चालू आहे. आपण फार मोठ्या रकमेला मान्यता देतो. आणि त्याच बरोबर आयुक्तांनी भरघोस असे आश्वासन दिले आहे. त्याच्याबरोबर मोठा प्रस्तावही ठेवला आहे. ह्या शहराला एकमेव अशी एजन्सी आहे. एका बाजूने आपल पाणी येते. स्टेम कडून येणार पाणी त्याच्यातच एम.आय.डी.सी. चे पाणी जॉईट होते. एकत्रच पाणी येते. शहराची वाढती लोकसंख्या ह्या शहराचा आतंकवाद लक्षात घेता महाराष्ट्रात होणाऱ्या त्याच्या हालचाली लक्षात घेता कधीतरी असा एखादा प्रसंग येऊ शकतो की जेणेकरून शहराचा पाणीपुरवठा एका ठिकाणी खंडीत केला तर दुसरा कोणताही सोर्स नाही. महापालिकेतर्फे आमचाही पत्रव्यवहार होतो की, मिरा भाईदर शहरासाठी टेलेन्ट शहर आहे. कोणत्याही सिस्टमच्या एम.आय.डी.सी. कडून मोजले. तरी टेलेन्ट स्टेमकडून मोजले तरी टेलेन्ट येणारे पाणी चेण्यापासून कुठेही आपल्या हृदीत किंवा ठाणे मनपाच्या हृदीत कुठेही ब्रेक केले आणि अशा ठिकाणी नजीकच्या ठिकाणी जर ब्रेक केले भरती ज्यावेळेला असते त्यावेळेला काम करायला मोका मिळणार नाही अशा ठिकाणी एखाद्या विहन संतोषी संघटनेने पाणी ब्रेक केले तर हे पूर्ण शहर पाण्यावाचून तडफडेल. त्यासाठी पाण्याचा कोणताही सोर्स नाही. माझी आपणास विनंती आहे की आपण प्रयत्नशील आहात. आपण आलेल्या दिवसापासून हालचाल करता, आम्हाला ऐकायला बरे वाटते त्याला यश येते. हे सांगायला बरे वाटते आपला असा एक प्रयत्न असावा एक ठराव घ्या ह्या सभेत घ्यायचा तर प्रयत्न असावा एक ठराव घ्या ह्या सभेत घ्यायचा तर ह्या सभेत घ्या. पूढच्या सभेत घ्यायचा तर पूढच्या सभेत घ्या. पण ह्या शहराला दुसरी जी स्किम आहे जशी मुंबई मनपा आजच्या दिवसाला ८० एम.एल.डी. पाणी ठाणे मनपाला देते २० एम.एल.डी. पाणी भिवंडी मनपाला देते त्याचवेळी स्टेम भिवंडीला पाणी देते. स्टेम ठाणे मनपाला देते. आपला असा प्रयत्न व्हावा आपली सत्ता आहे की, जेणे करून मुंबई मनपामधून आपल्याला ५० एम.एल.डी. पाणी ह्या माध्यमातून मिळाव पाणी कोणीही मंजूर कराव एम.आय.डी.सी. चे असू दे स्टेमचे असू दे स्टेमची वाढीव स्किम एम.आय.डी.सी. ची वाढीव स्किम आपल्याला दूसरा सोर्स पाहिजे. ह्या शहराला मुंबई मनपाचे दहिसर पर्यंत पाणी येते त्या योजनेत आपण समाविष्ट व्हावे पहिल्यांदा दास असे साहेब होते ते स्टेमचे चिफ एकझीकेटिव होते. आम्ही त्याच्याकडे एक प्रस्ताव दिला त्यांनी प्रोजेक्ट तयार केला आपल्याकडे प्रिंट असेल त्याचे स्टडी करा. त्यावेळेला आम्ही उपसुचना केली होती. तुम्ही एका सोर्सनेच मिरा भाईदरसाठी पाण्याचे नियोजन केलेले आहे. तुम्ही दुसरा सोर्स प्रस्तावित केलेला नाही त्यांनी त्याच स्वागत केले होते की मिरा भाईदरसाठी दुसरा सोर्स म्हणून मुंबई मनपाच्या हृदीतून येणारे पाण्याची व्यवस्था केली तर एकाच ठिकाणी अशी कधी अपघाती घटना घडली तर पाणी ब्रेक होणार नाही. पाणीपुरवठा बंद होणार नाही. आजची समजा १२ लाख उद्याची १६ लाख २० लाख जी लोकसंख्या होईल त्याला टँकर किंवा कोणतीही एजन्सी शासन जरी कोणाच असले तरी पुरे पऱ्यु शकणार नाही. म्हणून ह्या प्रस्तावाचा अभ्यास करून विचार करावा. पुढच्या वेळी कशात जोडता येईल ते जोडून घ्यावे. जेणेकरून मिरा भाईदरसाठी दोन्ही बाजूने पाणी यायला हवा.

## निलम ढवण :-

मा. महापौर मँडम, वेळोवेळी पाणी वाढवल्याच्या घोषणा आपल्या मिरा भाईदरमध्ये ब-याच वर्षापासून होर्डिंग लागतात घोषणा होतात परंतु मी नवघर पट्ट्याचे अभ्यास केले असता नवघर पट्ट्याला नेहमीच पाण्याची कमतरता अजूनही जी पूर्वी होती ती अजूनही आहे. आणि त्याच्यापेक्षा भयानक परिस्थिती आता आहे. वाकोडे साहेबांशी वारंवार संपर्क केलेला आहे. त्यांनी काम चालू असल्यामुळे डायरेक्ट स्टेममधून पाणी येते आणि त्याच्यामुळे प्रेशर कमी आहे असे त्यांनी उत्तर दिले. परंतु प्रेशर कमी असेल तर त्याचा वेळ वाढवावा अशी मी सुचना करते. त्याचबरोबर नविन बिल्डींगना टँकरमार्फत संध्याकाळी आणि दिवसभरात टाकीवर गेलात तर भरमसाठ टँकर तिकडे लागलेले असतात आणि विचारले असता नविन बिल्डींगना पाणी पुरवठा करण्यासाठी पोहोचवले जातात. अशा परिस्थितीत जे पूर्वीपासून लोक आहेत ज्यांना मुबलक पाणी मिळत नाही आणि नविन बिल्डींगला अशा पद्धतीने पाणी पुरवठा केला जातो. सभागृहाला विनंती आहे नविन जी बांधकाम

आहेत, त्यांना इथला पाणी पुरवठा सुरळीत झाल्याशिवाय ओ.सी. देऊ नये. जेणेकरून पूर्वोपासून जी लोक पाण्यासाठी वंचित आहेत त्यांना पाणी मिळू शकेल अशी मी सुचना करते.

### प्रेमनाथ पाटील :-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो. मिरा भाईदरच्या पाणी डिपार्टमेंटनी मला दोन झोन दिले आहेत. नवघर जलकुंभचा झोन आणि फाटकचा झोन. एका टाकीमध्ये १२ झोन आहेत. गोडदेव गावचा जो झोन आहे त्याच्यात ३६ तासाने पाणी येते आणि आमच्या नवघरच्या झोनमध्ये ४८ ते ५० तासानी पाणी येते. दोन्ही टाकीला १२-१२ झोन आहेत मग एवढा डिफरन्स का? त्याची माहिती द्यावी.

### अनिल भोसले :-

मा. महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलतो, शहरामध्ये आता २० एम.एल.डी. पाणी आले. पण ह्या पाण्याचे वाटप कसे चालले आहे त्याची प्रशासनानी माहिती द्यावी. २० एम.एल.डी. पाणी कुठल्या भागात देतो त्याची प्रशासनानी माहिती द्यावी. मिरा भाईदर शहरामध्ये पाटील पाडा, बिलकर पाडा, माशाचा पाडा, बाबळीची भाट क्र. ०९ ह्या मुंबई शहरालगत असलेले आदिवासी पाडे जे पिढ्यानपिढ्या रहिवासी आहेत. आणि आजही पिण्याच्या पाण्यापासून वंचित आहेत. ही सत्य परिस्थिती आहे. माझी प्रशासनाला खास करून विनंती आहे. दिवसेंदिवस शहर जरी वाढत चालले असले ज्यांचे आजोबा, पणजोबा पासून रहिवासी आहेत ह्या शहराचा तो एक भाग आहे. आज पाटील पाडा, बिलकर पाडा, माशाचा पाडा म्हणा तिथे पिण्याच्या पाण्यापासून वंचित आहेत त्यांना लवकरात लवकर पिण्याच्या पाण्याची पुर्तता करावी अशी मी विनंती करते.

### जुबेर इनामदार :-

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास मंडळाच्या बैठकीमध्ये माजी मंत्री मा. नारायण राणे साहेबांनी मंजूर केलेल्या १०० एम.एल.डी. मधून बहुतेक ७५ एम.एल.डी. पाणी म्हणजे आज ७५ + २० म्हणजे ९५ एम.एल.डी. पाणी प्राप्त करण्याचे यश मा. आयुक्त महोदयाना जाते. प्रशासनानी त्याचा पाठपुरावा केला हे महत्वाचे आहे. तुमच्या कार्यकालामध्ये हे काम घ्यावे आणि ह्या शहरामध्ये पाणी आणण्यासाठी यश मिळावे प्रयत्नानी केले त्याचा तुम्ही पाठपुरावा केला. आर्थिक बाबीचाही पाठपुरावा लवकरात लवकर करा. २० एम.एल.डी. पाण्याची मंजूरी २०१२ मध्ये दिली परंतु ते यायला वर्ष दिडवर्ष उलटले. तशी परिस्थिती न होता कारण पाण्याची गरज अख्या महाराष्ट्राला आहे. एम.आय.डी.सी. ने आज मंजूर केला आणि तो पाणी आम्ही उचलला नाही तर तो पाणी दुसरीकडे वर्ग करु शकतात. म्हणून जमेल त्या पद्धतीने ह्या सभागृहाच्यावतीने लोक प्रतिनिधी प्रशासनाच्या बाजूने ह्या विषयासाठी उभा आहे. कारण शहराचा ज्वलंत विषय म्हणजे पाणी पुरवठा. पूर्ण सभागृहाच्या वतीने प्रशासनाचे अभिनंदन करतो.

### नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ३७ करिता दोन ठराव आलेले आहेत. पहिला ठराव सुचक श्री. ध्रुवकिशोर पाटील, अनुमोदन श्री. जुबेर इनामदार, दुसरा ठराव सुचक श्री. प्रशांत दळवी, अनुमोदन श्री. दिनेश जैन, दुसरा ठराव मतदानास टाकतो.

### जुबेर इनामदार :-

दोन्ही विषय एकच आहे.

### नगरसचिव :-

शेवटचा परिच्छेद.

### जुबेर इनामदार :-

त्यांनी फक्त माहिती मागितली आहे.

### मा. महापौर :-

त्याच्यामध्ये एकच लाईन आहे. दोन्ही कल्ब करून घ्यावे. ठराव मंजूर करण्यात येत आहे.

### प्रकरण क्र. ३७ :-

महासभेची आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत. (पाणी पुरवठा विभाग)

### ठराव क्र. ४३ :-

मा. मंत्री जलसंपदा यांचे दालनात दि. १६/०३/२०१२ रोजी झालेल्या बैठकीत मिरा भाईदर महानगरपालिकेकरिता ३० द.ल.ली. अतिरीक्त पाणी पुरवठा मंजूर केला होता. यापैकी २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा तातडीने सुरु करणेबाबत मा. मंत्री उद्योग व बंदरे यांनी दि. १९/०३/२०१२ रोजीच्या झालेल्या बैठकीत महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळास निर्देश दिलेले होते.

सदर बैठकीच्या अनुषंगाने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. ०४/१२/२०१२ रोजी जलजोडणी मंजूर आशयाचे पत्र दिले. साकेत ठाणे येथून महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाच्या जलवाहिनी वरून २० द.ल.ली. प्रतिदिन पाणी प्रायोगिक तत्वावर तात्पुरत्या स्वरूपात १ महिन्याच्या कालावधीकरिता जलजोडणी देण्याचे अंतर्भुत होते. त्यानुसार २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा प्रायोगिक तत्वावर घेणेकरीता साकेत (ठाणे) येथे तात्पुरत्या स्वरूपात बुस्टींग पंपगृह बांधण्यात आले असून सदर पंपीग स्टेशन ऑगस्ट -२०१४ मध्ये कार्यान्वीत करण्यात आले, तेहापासून मिरा भाईदर शहराच्या पाणी पुरवठयात २० द.ल.ली. वाढ झाली आहे. तसेच सदरची यंत्रणा सुरळीत कार्यान्वीत असल्याने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने पाणी पुरवठा अखंडीत सुरु ठेवलेला आहे.

मा. आयुक्त व मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ यांची संयुक्तीक बैठक मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांचे दालनात दि. २६/०८/२०१४ रोजी संपन्न झाली. सदर बैठकीस मिरा भाईदर महानगरपालिकेस अतिरिक्त पाणी पुरवठा होणेबाबत चर्चा झाली सदर बैठकी दरम्यान मिरा भाईदर महानगरपालिकेस तत्वतः ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा देण्याचे मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ यांनी मान्य केले व तसे आशयाचे पत्र सुध्दा मिरा भाईदर महानगरपालिकेस दि. १२/०९/२०१४ रोजी देण्यात आलेले आहे.

सदरचे अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी घेणेकरिता खालील कामे हाती घेणे आवश्यक आहे.

**अ) मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या साकेत पंपगृहात ४० द.ल.ली. प्रतिदिन क्षमतेचा Stand by VFD Operated In line Booster पंपाचा पुरवठा करणे, बसविणे, चाचणी देणे व कार्यान्वीत करणे या कामास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत..**

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने साकेत पंपीग स्टेशनचा पाणी पुरवठा तात्पुरत्या स्वरूपाचा दिला असल्यामुळे तेथे केवळ एकच पंप बसविण्यांत आला. परंतु सदरची यंत्रणा सुरक्षित कार्यान्वीत असल्याने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने पाणी पुरवठा अखंडीत सुरु ठेवलेला आहे. हा पंप २४x७ तास चालतो. त्यामुळे या पंपात काही बिघाड झाल्यास महानगरपालिकेस दररोज २० द.ल.ली. पाणी पुरवठा कमी होऊन पाणी पुरवठयाचे तास वाढून नागरीकांच्या तक्रारी वाढण्याची शक्यता आहे. करीता साकेत पंप गृहात एक नवीन Stand by पंप बसविणे अत्यंत आवश्यक आहे.

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. १२/०९/२०१४ रोजीच्या पत्राद्वारे मिरा भाईदर महनगरपालिकेकरिता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्याचे मान्य केले आहे वाढीव पाणी पुरवठा लक्षात घेता साकेत येथील Stand by पंप २० द.ल.ली. ऐवजी ४० द.ल.ली. एवढया क्षमतेचा प्रस्तावीत केला आहे, जेणे करून वाढीव पाणी पुरवठा देखील या पंपाद्वारे केला जाऊ शकेल.

| अ.क्र. | कामाचे नांव   | अंदाजीत खर्च      |
|--------|---|-------------------|
| १      | मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या साकेत पंपगृहात ४० द.ल.ली. प्रतिदिन क्षमतेचा Stand by VFD Operated In line Booster पंपाचा पुरवठा करणे, बसविणे, चाचणी देणे व कार्यान्वीत करणे या कामास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत | रु. ३,२४,७०,०३३/- |

**ब) १३५० मि.मी. व्यासाची जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे.**

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाने दि. १२/०९/२०१४ रोजीच्या पत्राद्वारे मिरा भाईदर महनगरपालिकेकरिता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्याचे मान्य केले आहे. मिरा भाईदर शहरास सद्यस्थितीत होत असलेल्या पाणी पुरवठा जलवाहिनीची अतिरिक्त पाणी वाढून नेण्याची क्षमता नाही. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाकडून उपलब्ध होणारे १०० द.ल.ली. पाणी मिरा भाईदर शहरापर्यंत आणणेकरिता पाटलीपाडा ते हटकेश पर्यंत सद्याच्या जलवाहिनीस समांतर १३५० मि.मी. व्यासाची नवीन जलवाहिनी अंथरावी लागणार आहे व या अगोदर टप्पा १ मध्ये २० द.ल.ली. पाणी शहरात आणणेकरिता ओवळे ते काजूपाडा दरम्यान १३५० मि.मी. व्यासाची जलवाहिनी अंथरण्यात आली असून ऑगस्ट २०१४ मध्ये कार्यान्वीत करण्यात येऊन मिरा भाईदर शहराच्या पाणी पुरवठयात २० द.ल.ली. वाढ झालेली आहे. परिणामी मिरा भाईदर शहराच्या पाणी वितरण व्यवस्थेत सुधारणा झालेली आहे. सद्या टप्पा २ मध्ये अतिरिक्त पाणी पुरवठा मिरा भाईदर शहरात आणण्याकरिता खालीलप्रमाणे जलवाहिनी टाकावी लागणार आहे.

| अ.क्र. | कामाचे नांव  | अंदाजीत खर्च       |
|--------|--|--------------------|
| १      | पाटलीपाडा ते ओवळेगाव पर्यंत १३५० मि.मी. व्यासाची मृदुपोलावी जलवाहिनी पुरविणे व अंथरणे. | रु. १८,३८,२६,०६४/- |

वरील वस्तुस्थिती पाहता अतिरिक्त ५० द.ल.ली. पाणी घेणेकरिता वरील दोन्ही कामे हाती घेणे आवश्यक असून त्याकरिता एकूण रु. २१,६२,९६,०९७/- इतका खर्च अपेक्षीत असून सदर खर्चास व काम करून घेण्यास आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी ही सभा देत आहे.

तसेच उपरोक्त कामांकरिता संबंधीत विभागाच्या आवश्यकत्या परवानगी घेणे व त्याअनुषंगीक पुढील कार्यवाही करण्यास तसेच निविदा मागविण्यास मा. आयुक्त यांना प्राधिकृत करण्यास ही सभा मंजूरी देत आहे.

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळाकडून अतिरिक्त १०० द.ल.ली. पाणी पुरवठा करण्यासाठी आवश्यक असलेली साकेत ते पाटलीपाडा व काजूपाडा ते हटकेश दरम्यान पाईप लाईन टाकणे, जलकुंभ बांधणे, जलकुंभाची पाईप लाईन टाकणे व वितरण व्यवस्था टाकणे इत्यादी कामी सविस्तर प्रकल्प अहवालास आर्थिक व प्रशासकिय मान्यता ही सभा देत आहे. तसेच राज्यशासनाच्या नगरोत्थान अभियाना अंतर्गत निधी उपलब्ध होणेकरीता हा प्रस्ताव शासनास सादर करण्यास ही सभा अनुमती देत आहे.

महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये एकूण नळ जोडणी किती आहेत. नागरीकांना किती पाणी पुरवठा केला जातो याची माहिती मिळावी. २० द.ल.ली. पाणी वाढल्याने नागरीकांना किती प्रमाणात वाढीव पाणी पुरवठा करण्यात आला याची सविस्तर विवरण देण्यात यावे. तसेच दुसऱ्या टप्प्यामध्ये अतिरिक्त पाणी पुरवठा मिरा मा. महासमा दि. २५/११/२०१४ दि. १५/११/२०१४ ची तहकूब सभा

भाईंदर शहरात प्राप्त होणार आहे. अतिरिक्त पाणी पुरवठा आल्यानंतर नविन नळ जोडणी देणेबाबत काय घोरण असावे याचाही अहवाल प्रशासनाने तयार करावा.

**सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी**

**अनुमोदक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील**

ठराव सर्वानुमते मंजुर  
ठराव वाचून कायम करण्यात आला

सही/-  
महापौर  
**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ३८, अंन्टी करप्शन ब्युरो कार्यालयाकडून लाचलुचपत प्रकरणी अटक करण्यात आलेले महानगरपालिकेतील अधिकारी / कर्मचारी यांच्यावर मा. न्यायालयात अभियोग दाखल करणेकरीता मा. आयुक्त यांनी दिलेल्या मंजुरी प्रकरणाचे अवलोकन करणे.

**प्रविण पाटील :-**

मा. महापौर मऱ्डम भाईंदर पूर्व इथे अग्निशमन दलाचे काम झालेले आहे. ते मनपातर्फे केले आहे की कोणी केले आहे.

**मा. महापौर :-**

प्रकरण क्र. ३८ चे अवलोकन झालेले आहे. पुढचे विषय घ्या.

**शरद पाटील :-**

आम्ही अवलोकन कुठे मान्य करतो. आम्ही त्याच्यावर ठराव करतो.

**जुबेर इनामदार :-**

सचिव महोदय अवलोकनला ठराव कधी होतो.

**नगरसचिव :-**

अवलोकन मा. आयुक्तांनी दिलेल्या प्रस्तावाच्या विरोधात असेल तर आणा. नाहीतर अवलोकनाला मान्यता दिलेली आहे.

(सदर विषयाचे अवलोकन करण्यात आले.)

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ३९, सन्मा. सदस्या सौ. प्रभात प्रकाश पाटील यांचा दिनांक ०५/११/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. --- अंध, अपंग, कर्णबधीर बालकांसाठी / महिलांसाठी वैद्यकिय उपचारास आर्थिक सहाय्य देणेबाबत.

**प्रभात पाटील :-**

प्रकरण क्र. ३९ च्या ठरावाचे वाचन करण्यात आले.

**जुबेर इनामदार :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**प्रभात पाटील :-**

मा. महापौर मऱ्डम, मला ह्याच्यात बोलायचे आहे. मा. आयुक्त साहेब मी आपल्याशी बोलले की ह्या शहरामध्ये जी सर्वसामान्य मुल ज्या शाळामध्ये शिकतात अपंग मुलांना देखील त्याच्याबरोबर शिकता यावे म्हणून शासनाने एक प्रस्ताव तयार केला होता की अपंगाना कमी लेखले जाऊ नये व त्याच्यामध्ये न्यूनगंडत्व निर्माण होऊ नये म्हणून सर्वसामान्य मुलांबरोबर त्यांचे शिक्षण व्हावे. मात्र ते अपंग असल्यामुळे त्यांना फिजीओथेरपी देण्यात यावी. जेणेकरुन त्यांना उपचारासाठी मदत होईल. त्या अनुषंगाने फिजीओथेरपी सेंटर नवघरला काढले होते. सर्वसामान्य आणले होते ती शासनाची स्किम होती. आता त्यांना काय झाले माहित नाही. फिजीओथेरपी सेंटर बंद आहे. ते सर्व शिक्षक झेड.पी. कडे वर्ग करण्यात आले. त्यामुळे गेले चार महिने झाले फिजीओथेरपीस्ट पण नाहीत आणि सेंटर सुधा बंद आहे. ह्या विषयाच्या अनुषंगाने माझी विनंती आहे की, तो सुधा अपंग व्यक्तिचा भाग होता. मा. आयुक्तांना विनंती आहे की ती शासनाची स्किम होती. त्यांनी ती नेली किंवा त्यांचे शिक्षक ते घेऊन गेले किंवा ते सेंटर बंद केले. सेंटर आणि सामान तसेच आहे. आपण जसे संगणक चालक मानधनावर घेतले आहेत. शहरासाठी अपंग विद्यार्थ्यांच्या शारीरीकदृष्ट्या सक्षमतेसाठी ज्या गोष्टी आवश्यक आहेत. त्या आपण ठोक मानधनावर करु शकतो म्हणून मी ह्याच्यामध्ये आणखी एक गोष्ट इन्क्लूड करते की त्या विद्यार्थ्यांसाठी फिजीओथेरपीस्ट नेमण्यात यावे. आणि तो प्रकल्प पुढे चालवण्यात यावा अशी मी सुचना करते.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

महानगरपालिका क्षेत्राचा विचार करता सन २०११-१२ या सर्वेक्षणानुसार शहरामध्ये अंदाजीत २,५००/- अपंग व्यक्ती आहेत. तसेच शहरामधील बालकांमध्ये कर्णबधीर असल्याचे प्रमाण वाढत आहे. व शस्त्रक्रियेचा खर्च मोठा असतो. कर्णबधीर व्यक्तींना शस्त्रक्रिया करणेकरीता सेवाभावी संस्था त्यांना आर्थिक मदत करत असतात. अंध, अपंग, कर्णबधीर यांना मदत करणेकरीता महिला व बालकल्याण समिती असून या

समितीकडून यांना आर्थिक मदत म्हणून रु.२० लाखाची तरतुद करण्यात आलेली आहे. महानगरपालिकेने ठरविलेली तरतुद ही इतर कामांसाठी असून उपचारांसाठी नाही. याकरीता मा. आयुक्त सो., यांनी प्रथम दारिद्र्य रेषेखाली असलेल्या अंतर्गत अंध अपंग, कर्णबधीर व्यक्तीचे सर्वेक्षण करून त्यांच्या आर्थिक निकषाची माहिती घ्यावी. त्यांना चांगली आर्थिक मदत कशा प्रकारे देता येईल किंवा मेडीक्लेम व्हारे त्यांना उपचारार्थ लाभ देता येईल याचा परिपूर्ण अहवाल तयार करावा व याकामी गटनेत्यांची बैठक बोलवून या बैठकीमध्ये या विषयाबाबत चर्चा घेवून निर्णय घेण्यात यावा.

सदर विषय हा चांगला असल्याने हा विषय घाईघाईने सभागृहाने मंजुरी देऊ नये. उपरोक्त नमूद केलेल्या बाबींवर चर्चा होवून गटनेत्यांचे विचार व मत घेऊन सदर विषय सविस्तर अहवालासह पुढील सभेमध्ये फेरसादर करावा असा ठराव मांडण्यात यावा.

#### अश्विन कासोदरीया :-

माझे अनुमोदन आहे.

#### प्रेमनाथ पाटील :-

अंध, अपंग असे २५०० लोक आहेत. त्याच्यात कर्णबधीराचे प्रमाण जास्त आहे. त्यांना आर्थिक मदत करण्यापेक्षा जे कर्णबधीर व्यक्ती आहेत त्यांचा आपण एल.आय.सी. तर्फे मेडीक्लेम करू म्हणजे जो पैसा आहे मेडीक्लेम त्यांच्या नावावर करायचा. त्यानंतर जो खर्च लागेल तो मेडीक्लेम त्यांना देऊ शकतो. त्यांना डायरेक्ट कॅश देण्यापेक्षा पॅलिसी काढून त्यांच्या नावावर .....

#### प्रभात पाटील :-

तुम्ही म्हणता ना त्याच्यात आर्थिक दुर्बल घटकाच म्हणजे दारिद्र्य रेषेखालील करायचे म्हणता त्याच्यात एक सुचना आहे मी अजून ठराव मांडला नव्हता की, शारीरीक दृष्ट्या दुर्बल व्यक्तिना स्वयःरोजगारासाठी २० टक्के रक्कम देण्यात यावी. ठराव परिपूर्ण आहे तुम्ही लक्षात घ्या तुम्ही ह्याला उगीचच वाढवू नका. आणि ह्याच्यात असेही म्हटले आहे. दुर्बल घटक जे दारिद्र्य रेषेखालील त्याच्यात मी म्हटले आहे ज्या कुटुंबाचे वार्षिक उत्पन्न एक लाखापर्यंत असलेल्या तहसीलदाराच दाखला इन्क्लूड आहे म्हणजे तुम्हाला असे म्हणता येणार नाही की ती लोक सक्षम आहेत. तहसीलदाराचा दाखला एक लाखापर्यंतचा किंवा राष्ट्रीयकृत किंवा सहकारी बँकाकडून त्यांनी कर्ज मंजूर केले असेल तर ते देखील त्याच्यात घेता येईल. मा. आयुक्तांना देखील अधिकार दिलेले आहेत. त्याच्यामुळे मला असे वाटते एवढी चांगली योजना आपल्या स्वतःसाठी नाही करत. एखाद्या व्याधीने ग्रस्त असलेल्या लोकांसाठी करतो आणि त्याला आज मान्यता न देता गटनेत्याच्या बैठका मला असे वाटते शहरामध्ये नाहक संप्रभम निर्माण करतो की कोणाला करायचे आहे कोणाला करायचे नाही किंवा ह्याच्यामध्ये वेळ काढूपणाचे घोरण आहे. माझी सभागृहाला विनंती आहे की, सदरचा ठराव एखाद्या व्यक्ति किंवा पक्षासाठी नसून तो संपूर्ण शहरासाठी आहे. त्याच्यामुळे तो पारीत व्हावा अशी मी विनंती करते.

#### शरद पाटील :-

मा. महापौर मॅडम, ताई आपला विषय चांगला आहे. ह्याच्यात न देण्याबद्दल कोणाचे मतही नसेल पण आपली तरतुद फार कमी आहे. ज्या तरतुदीनुसार आपण सगळ्यांना पूरे पऱ्हू शकत नाही. त्याच्यातून आपण मेडीक्लेमचा पर्याय काढला आहे. आपल्याला ह्याच्यावर विचार करायचा आहे. घाईघाईने मंजूर केला तर त्याचा दुष्परिणाम नंतर होऊ शकतो. ह्या शहरामध्ये २५०० सर्वे झालेला आहे. २० लाखामध्ये आपण २५०० लोकांना न्याय देऊ शकत नाही. त्यामुळे हा विषय सविस्तररित्या आणा. त्याच्यावर चर्चा होऊ द्या. मेडीक्लेमच्या माध्यमातून गेला तर सगळ्यांना फायदा होऊ शकतो. ह्याच्यात विरोध करण्यासारखा विषय नाही. ह्याच्यावर सविस्तर चर्चा करा. सल्ला मसलत करून निर्णय घ्यावा अशी सभागृहाला आणि मा. महापौराना विनंती आहे.

#### गिता जैन :-

मी त्यांच्या मताशी सहमत आहे. फक्त एक सुचना देऊ इच्छिते एका स्टार मेडीक्ल कंपनीने मेडीक्लेम दिला आहे. १८०० पर इयर त्या मेडीक्लेमची रक्कम आहे दोन लाख अशा एखाद्या मेडीक्लेम संस्थेबोरोबर क्लब अप करून अपंगाना मेडीक्लेम करून दिला नक्कीच त्यांना परहेड दोन लाख रु. भेटील एखाद्याचा खर्च पाच लाखांचा आहे मग १५ मध्ये उरलेल्यांना करायच तर आपण सगळ्यांनाच द्यावे अशा मताची मी आहे.

#### जुबेर इनामदार :-

मा. आयुक्त महोदय ह्या विषयावर चौकशी गरजेची आहे की राजीव गांधी जीवनदायी आरोग्य योजना पुऱ्या महाराष्ट्रामध्ये चालूच आहे. ती एक मेडीक्लेमच आहे. दारिद्र्य रेषेखालील लोकांना किंवा एक लाख पर्यंतचे जे लाभार्थी आहेत त्यांना दीड लाखापर्यंत फायदा उचलता येऊ शकतो. ह्याची शहानिशा करावी ह्यातून काही त्यांना फायदा घेता येईल.

#### डॉ. सुशील अग्रवाल :-

कर्णबधीर लोगो का विषय है और मेरे को बोलने का मौका दिया इसके लिए धन्यवाद। मेरी जानकारी है मेडीक्लेम के अंदर किस तरीके की फ्री एकझीस्टिंग डीसीज का कहर अप नही होता है। फ्री एकझीस्टिंग डीसीज है पेन्डीयमका मेडीक्लेम नही करते हैं वह बिमारी के लिए सभी मुकबधीर पेशंट ऑपरेशन से ठीक

होनेवाले नहीं रहते। उनका जो कॅपीसीटी वह ५ टक्का १० टक्का बढ़ाया जाता है। जो मुकब्दीर लोगों की चर्चा हो रही है। उनको फिजिओथेरेपी की स्पीच थेरेपी का हेअरिंग हेड इनकी आवश्यकता जादा रहती है। तो मेरे हिसाब से उन लोगों के लिए मनपाने रि-अँडमिटेशन सेंटर चालू करना चाहिए। इसके अंदर बिलो पॉवर्टी लाईन अब वॉर्टी लाईन का भेदभाव ना करते हुए जितने मुकब्दीर पेशंट मिरा भाईदर शहर के हृद में आते हैं सभी को इन्हॉल्व करके उनके लिए रि-अँडमिटेशन सेंटर चालू करना चाहिए। उसके बाद जो मुकब्दीर आदमी इलाज से ठीक होता है तो महाराष्ट्र शासन के तरफ से ऐसे कई सेंटर चलाए जाते हैं। जहाँ पे कम खर्च में उनका इलाज किया जा सकता है और उनका इलाज वहाँ जाके करवाने की जबाबदारी मनपा के आरोग्य विभाग को देनी चाहिए ऐसा मेरा प्रस्ताव है।

#### प्रभात पाटील :-

वही हम करना चाहते हैं।

#### डॉ. सुशील अग्रवाल :-

आपला प्रस्ताव आहे खाजगी दवाखान्यात त्यांना २५ टक्के पैसा द्यायचा सर्वच रुग्णांचा इलाज खाजगी दवाखान्यात होऊ शकत नाही। २० लाखामध्ये काय इलाज होणार आहे। खाजगी दवाखान्यात तुम्ही गेले १० लाख एका व्यक्तीचा खर्च आला। २५ टक्के दिले ५ लाख उरले। १५ लाखात तुम्ही किती लोकांना न्याय देणार? २० लाखाच्या तरतुदीत काही होणार नाही २५०० पैकी २००० लोकांचा इलाज ऑपरेशननी होणार नाही। २५०० पैकी २००० लोकांना रि-अँडमीटेशनची गरज आहे। समाजामध्ये आणि घरामध्ये अशा लोकांची काळजी घेतली जात नाही। जर आपण वेगळे सेंटर उघडले।

#### मा. महापौर :-

प्रभात मॅडम तेच बोलल्या की एक फिजिओथेरेपिस्ट ठेऊन त्यांनी कुठेतरी वी व्हिल गिफ्ट देम फिजिओथेरेपी।

#### प्रभात पाटील :-

आर्थिक मदतही बोललो।

#### शरद पाटील :-

मा. महापौर मॅडम, डॉक्टरांनी दोन्ही बाजू समजावून सांगितल्या। म्हणून हा विषय एकदा चर्चा करून पूर्ण सहमत आणि पूर्ण चर्चा करून घेतल्यावर बरे होईल। डॉक्टर साहेबांनी सांगितले की मेडीकलेम होत नाही आणि त्याच्यात पूर सुध्दा पडत नाही असे सांगितले।

#### मा. आयुक्त सो. :-

मा. महापौर महोदया, सन्मा. सदस्यांनी हा जो प्रस्ताव आणलेला आहे खरोखर चांगला आहे। परंतु चांगल्या प्रस्तावाचे समर्थन करताना त्यामधील बाबी नियमात बसतात की नाही हे पाहणे प्रशासनाचे कर्तव्य आहे। अंध, अपंग, कर्णबद्धीर बालकांना अर्थसहाय्य देणे ह्याच्याबदल कोणाचे दुमत असण्याचे कारण नाही। परंतु माझ्या माहितीप्रमाणे वैयक्तिक लाभाच्या योजना ज्याला आपण अर्थसहाय्य करतो त्यासाठी आपल्याकडे कुठल्याही नियमात स्पष्टपणे तरतूद नाही। त्यासाठी आपण अपंग आयुक्तालय ह्यांचे मार्गदर्शन मागू। दरम्यानच्या काळामध्ये सन्मा. सदस्यांनी जी सुचना केली राजीव गांधी जीवनदायी आरोग्य योजनेमध्ये ह्याचे काही लाभ घेता येईल का? मनपाच्या हॉस्पीटलमधून अशा अपंगाना कर्णबद्धीर आणि अंध बालकांना काही रुग्ण सेवा आणि आर्थिक सेवा देता येईल का? त्याचा आपण विचार करू।

#### मा. महापौर :-

सविस्तर माहिती घेऊन हा विषय पुढऱ्या सभेत घेऊ या।

(मा. महापौरांच्या आदेशाने सदरचा विषय पुढऱ्या सभेत घेण्याचे ठरले।)

#### नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ४०, सन्मा. सदस्या सौ. निलम हरिश्चंद्र ढवण यांचा दिनांक १०/११/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. ---- मिरा भाईदर शहरामध्ये होणारी अनधिकृत बांधकामे यावर कारवाई करण्यासंदर्भात।

#### निलम ढवण :-

मा. महापौर मॅडम, आपल्या मिरा भाईदर शहराच्या अंतर्गत आपण चारच्या सहा समित्या केल्या। त्या समित्यामध्ये त्या-त्या प्रभागातील विकास किंवा चांगल्या गोष्टी करण्यासाठी आपण समित्या देखील वाढविल्या। परंतु चांगल्या गोष्टी करत असताना तिथे काही चुकीच्या गोष्टी चाललेल्या असतील तर त्यावेळी त्या तिथल्या अधिकाऱ्यांनी त्यावर लक्ष ठेवण अधिकाऱ्यांचे काम आहे। आणि त्यानुसार आज अनधिकृत बांधकाम हा वेळोवेळी सभागृहात आलेला आहे। स्थायी समितीला आलेला आहे। परंतु त्याकडे गांभीर्यपूर्वक का लक्ष दिले जात नाही याचे उत्तर आपण जे विभागप्रमुख असतील त्यांना बोलावून घ्यावे आणि त्याप्रमाणे आज जी मिरा भाईदरची बकाल अवस्था आहे ती अनधिकृत बांधकामामुळे होते। आधी असलेल्या लोकांना आपण आवश्यक त्या सोयी पुरवू शकत नाही असे असताना देखील मोठमोठाल्या चाळी बांधणे, मोठमोठाल्या बिल्डींग उभारण हे कितपत योग्य आहे अशा पद्धतीने जर त्या-त्या प्रभागातील अधिकारी ह्या सगळ्या गोष्टींना आणि सगळ्या अधिकाऱ्यांना माहित आहे की त्या-त्या विभागात काय चालले आहे। मग अशावेळी ते दुर्लक्ष का करतात हे अधिकारी आणि त्याच्यावर प्रभाग अधिकारी द्वितीय श्रेणीचे अधिकारी आहे आणि अशा अधिकाऱ्यावर देखरेख

करण्यासाठी अशा अधिकाऱ्यावर त्याच्यावर तृतीय श्रेणीच्या व्यक्तिचा आस्थापनात पद नसताना देखील ते पद निर्माण करून विभागीय स्थरावर श्रीकृष्ण मोहिते ह्यांना ते पद देण्यात आले ह्या महासभेतील सर्व सदस्य माझ्या मताशी सहमत असतील जेथे जेथे हे बांधकाम केले जाते त्या संदर्भात ह्या प्रतिनिधीची देखील तक्रार असते. नागरिकांच्या देखील तक्रारी असतात परंतु त्यावर का कारवाई केली जात नाही त्याचे उत्तर विभागीय प्रमुख ह्यांनी इथे येवून द्यावे अशी मा. महापौरांना विनंती करते.

### सुहास रकवी :-

मा. महापौर मँडम, ह्या विषयाशी संबंधीत मी बोलतो ज्याप्रमाणे अनधिकृत बांधकाम आहेत त्याप्रमाणे धोकादायक इमारतीही ह्या शहरामध्ये आहेत. मी आयुक्तांना पत्रदेखील दिले आहे. त्या धोकादायक इमारती प्रभाग अधिकाऱ्यांमार्फत ज्या काही तोडायच्या असतील ज्या रिकामी करायच्या आहेत त्या लवकरात लवकर करा जेणेकरून मनुष्य हानी होणार नाही. मुंबई मनपामध्ये त्याप्रमाणे झाले होते. त्यानंतर मा. आयुक्तावर ३०४ चा मनुष्यवधाचा गुन्हा दाखल करा असे काही प्रकार घडण्याच्या आधीच हा जो धोकादायक इमारती पाडण्याकरीता हे जे प्रभाग अधिकारी आहेत त्यांना सुचना द्याव्या. आम्ही सांगितल्यावर ते कारवाई करत नाही. जे चालढकल करतात किंवा स्टे येण्याची वाट बघत असतात.

### निलम ढवण :-

मँडम ह्या संदर्भात जे अनधिकृत बांधकाम करतात हे दलाल एवढे माजलेले आहेत ते बोलतात कोणी काय करु शकत नाही. विभागीय अधिकाऱ्याची आमची पूर्ण सेटलमेंट झालेली आहे. प्रत्येक स्क्वेअर फूटमागे २५० ते ३०० रु. चा त्यांचा रेट लागलेला असतो. अशा प्रकारची सेटलमेंट होऊन जर अनधिकृत बांधकाम वाढलेली असतील तर ती फार चूकीची आहेत. जी आतापर्यंत झालेली आहेत ती पूर्णतः तोडण्यात यावी.

### मा. महापौर :-

मँडम जे तुम्हाला अनधिकृत वाटत आहे ते तुम्ही पूर्ण लिस्ट कमिशनर साहेबांकडे द्या. जेव्हा पण लोकांच्या निर्दर्शनास येते तेव्हा ते पाठवतात किंवा माझ्याकडे येते. आम्ही कमिशनर साहेबांकडे देतो. साहेब त्याच्यावर कारवाई करतात. तुम्ही खुलासा करा की कोणते तुमच्या नजरेस आहे. तुम्ही साहेबांना द्या ह्याच्यावर १०० टक्के कारवाई होईल.

### निलम ढवण :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात ६ प्रभाग समित्या अस्तित्वात आहेत. शहरामध्ये होणारे अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकामावर नियंत्रण ठेवण्याची व निष्काशीत करण्याची जबाबदारी पदनिश्चित अधिकाऱ्यांवर सोपविण्यात आलेली आहे. प्रभाग अधिकाऱ्यांचे प्रशासकीय कर्तव्य आहे की त्यांनी आपली जबाबदारी काटेकोरपणे व इमानेइतबाराने पार पाडावी. त्यांच्या कामकाजावर देखरेख व पत्रव्यवहार करण्यासाठी अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण विभाग आस्थापनेवर मंजूर नसतानाही मा. आयुक्तांनी सदरचा विभाग स्थापित करून द्वितीय श्रेणीच्या अधिकाऱ्याच्या कामकाजाची जबाबदारी तृतीय श्रेणीतील कर्मचाऱ्यांवर सोपवली. या धर्तीवर शहरामधील अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम आटोक्यात येणे गरजेचे होते. लोकप्रतिनिधी, जागरूक नागरिक सातत्याने या विभागाकडे तसेच प्रभाग कार्यालयावर तक्रार करूनही कुठल्याच प्रकारची ठोक कारवाई करण्यात येत नसल्याचे प्रथमदर्शनी दिसून येत आहे. कोणतेही अनधिकृत बांधकाम व अतिक्रमण निर्दर्शनास आणुन दिल्याच्यानंतर विभागीय अधिकाऱ्यांनी त्यावर कारवाई करणे अपेक्षित आहे मात्र असे न करता अशा नियमबाबू वृत्तींना संरक्षण देण्याचे काम विभागीय अधिकारी करत असतात.

महापालिका आरक्षण क्र. १२२ दावा क्र.आर.सी.एस. क्र. १०५/२०१० श्री. रंगबहादूर यादव विरुद्ध मिरा भाईदर महानगरपालिका याचा निकाल महानगरपालिकेच्या बाजुने लागल्याचे असूनही जा.क्र.मनपा/विधी/१६४/२०१३-१४ दि. २९/११/२०१३ रोजी विभाग प्रमुख अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण यांना पत्राद्वारे विधी विभागामार्फत सुचित केलेले होते. त्याला अनुसरून विभागीय प्रमुखांनी त्यावर कारवाई करणे अनिवार्य होते. विभागीय प्रमुख व प्रभाग अधिकारी सदरच्या भुखंडावर आजुबाजुच्या क्षेत्रामधील गोर-गरिबांच्या झोपड्या हटविण्यासाठी नमूद ठिकाणी जात असतानाही सदरचा भूखंड ज्याचा दावा महापालिकेच्या बाजुने निकाल लागलेला असतानाही कारवाई जाणीवपुर्वक केलेली नाही व याची जाणीव वेळोवेळी पदाधिकाऱ्यांनी मा. आयुक्तांना लेखी व मा. महासभा सभागृहातही सुचित केलेले होते. अशा अनेक प्रभागांतर्गत विविध ठिकाणी अनधिकृत चाळी बांधणे, इंडस्ट्रीयल गाळे बांधणे व इमारती बांधणे व वाढीव बांधकाम करण्याचे कामदेखील सुरु आहे. सध्या झालेली भाईदर (पुर्व) विभागातील जय अंबे इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रभाग ५ धनलक्ष्मी इस्टेट, आर.एन.पी. पार्क ओस्तवाल बगीच्या समोर, जैन नगर, शिवशक्ती नगर, आझाद नगर, गोडदेव गाव, हनुमान नगर, मिरा गावठण, काशी गाव, माशाचा पाडा, मांडवी पाडा, चेना ब्रिज चाळी बांधलेल्या आहेत या सर्वावर कारवाई करणे व त्या संदर्भात विविध तक्रारी असतानाही त्यावर तोडक कारवाई केली जात नाही. या सर्व तक्रारींच्या आधारे दि. १९/०८/२०१४ मा. स्थायी समितीमध्ये प्रकरण क्र. ७४ ठराव क्र. ७१ अन्वये अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण विभागाचे प्रमुख श्री. श्रीकृष्ण मोहिते यांना निलंबन करण्याचा ठराव बहुमताने करण्यात आला. शहराचे हीत लक्षात घेता, ठरावाची अंमलबजावणी करणे मा. आयुक्तांकडे अपेक्षित होते मात्र आज दिनांकापर्यंत त्यावर कारवाई करण्यांत आलेली नाही. जेणेकरून दोषी अधिकाऱ्यांना व कर्मचाऱ्यांचे मनोबल वाढत चाललेले आहे. यामुळे दिवसेंदिवस मिरा भाईदर शहर हे

बकाल होत चाललेले असून नागरीकांच्या समस्यादेखील तितक्याच वाढलेल्या आहे परिणामी गोर-गरिब, असुशिक्षित जनतेची फसवणुक होऊन बळी जाते.

मिरा भाईदर शहरामध्ये वाढत असलेल्या व अस्तित्वात असलेल्या अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम यांना संरक्षण देणाऱ्या व कर्तव्यामध्ये हयगय, कसुर करणाऱ्या प्रमुख अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण विभाग श्री. श्रीकृष्ण मोहिते तसेच सर्व प्रभाग अधिकाऱ्यांवर महाराष्ट्र प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५६(२फ) अन्वये निलंबनाची कारवाई करण्यात यावी तसेच ३९७ अ (२) या अधिनियमाच्या तरतुदीच्या विरोधात सुरु असलेले अनधिकृत बांधकामाविरुद्ध या अधिकाऱ्यांवर कारवाई करावी असा मी ठराव मांडत आहे. सोबत अनधिकृत बांधकामाची यादी जोडली आहे. ती पूर्णतः तोडक कारवाई करावी.

#### तारा घरत :-

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

#### शिल्पा भावसार :-

मा. महापौर मँडम, आपल्या परवानगीने माझे असे मत आहे की मिरा भाईदर शहरामध्ये अनधिकृत बांधकामावर कारवाई करण्यात यावी. आम्ही २६/११/२०१२ आणि १८/०९/२०१३ अशी तीन पत्र आम्ही पण दिलेली आहेत. त्याच्यावर काही कारवाई केली गेली नाही ह्याच्यावर कारवाई करण्यात यावी. माझ्या वॉर्डात पण इन्लिगल बांधकाम आहे. त्याच्यासाठी आम्ही नेहमी भांडण करतो. पण आम्हाला न्याय मिळत नाही. आपणास नम्र विनंती की आम्हाला न्याय मिळावा.

#### सुहास रकवी :-

मँडम ह्या विषयाला संबंधीत धोकादायक इमारती आहेत त्यावरसुधा कारवाई करावी.

#### फरिद कुरेशी :-

मा. महापौर मँडम, ह्या विषयावर मला पण आपल्या निदर्शनास आणायचे आहे मँडम हा इन्लिगल कन्स्ट्रक्शन बाबत मुद्दा आहे. पण अशा इमारती आपल्या शहरात माझ्या वॉर्डात आहेत त्याच्यावर मनपानी ऑलरेडी कारवाई केलेली आहे. पण ज्या पद्धतीने त्याच्यावर कारवाई झालेली आहे. अर्धवट तोडून सोडून दिलेले आहे. तो कोर्टचा विषय आहे किंवा मनपाचे त्याच्यावर कंट्रोल आहे किंवा नाही हा प्रश्न निर्माण झालेला आहे. अशा इमारतीच्या कारणाने जे लिगल आणि आजूबाजूचे स्ट्रक्चर आहेत त्यांना धोका निर्माण झालेला आहे. त्याच्यावर कारवाई करण्यात यावी. ही सुचना ह्याच्यात घ्यावी ही विनंती.

#### दिनेश जैन :-

मा. महापौर मँडम, मैंने नगररचना विभाग को एक माहिती के लिए लेटर दिया था उसमें मैंने चार सवाल पूछे थे। शांतीनगर पूरा एक लेआउट है। उसके अंदर किंधर आर.जी. किंधर डेव्हलप करना है, कितना परसेंट छोड़ना है। मैंने बोला था यहाँ पे कितना एरिया है। उसके अंदर कितना डेव्हलप होगा कितना आर.जी. छूटेगा। उसका मुझे आजतक जवाब नहीं मिला। मुझे एक नकाशा दिया है की, ऐसा ऐसा है। इसके अलावा जो बिल्डिंग बने हैं उसके बाजू में कितना फूट छोड़के दूसरे कन्स्ट्रक्शन को परमिशन देना चाहिए वह माहिती मुझे अभी तक नहीं मिली। माहिती नहीं मिलेगी हम विषय को कैसे लेके आएंगे। नगररचना विभाग माहिती बराबर नहीं देगी तो हमारे यहाँ जो इन्लिगल काम हो रहे हैं वह विषय हम कैसे लेके आयेंगे। वह माहिती मुझे जल्दी से जल्दी मिले।

#### प्रशांत दळवी :-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो महापौर मँडम आपल्या निदर्शनास आणु इच्छितो की, शांतीनगर वसाहत जी आहे त्यामध्ये ११ सेक्टर आहेत. चार माळ्याच्या टोटल ७५० इमारती आहेत. आज वस्तूस्थिती अशी आहे ज्या-ज्या सोसायटी झालेल्या आहेत त्या सोसायटी होण्यापूर्वी ज्या बिल्डरकडे होत्या त्या हस्तांतरीत करण्यात आल्या आणि त्या सोसायटी झाल्या आहेत. त्या सोसायटी बिल्डरकडे असताना काही अंतर्गत फेरबदल करण्यात आलेले आहेत. महापौर मँडम हा फार गंभीर विषय आहे. ज्यांची बाल्कनी आहे तिकडे शेड टाकली आहे. काहीनी अंतर्गत बदल म्हणजे कॉलमला हात नाही लावला परंतु त्यांची जी गॅलरी आहे त्या गॅलरीचा भाग थोडा पृष्ठ घेण्यात आला आहे. काही सोसायटीने आपल्या प्रिमायसेसमध्ये वॉचमनसाठी कॅबीन बनवली आहे. पंपरुम बनवले आहे इथेही शेड टाकून बांधकाम केले आहे तेही अनधिकृत आहे. प्रत्येक वेळेला असे वाटते की सेक्रेटरी चेअरमन दोन वर्षासाठी तीन वर्षासाठी असतात. परंतु सेक्रेटरी चेअरमन बदली झाले. त्यावेळी त्यांच्यावर परत कारवाई करावी. अशा प्रकारची किंती पत्र प्रभागामार्फत प्रभाग अधिकाऱ्याला दिली जातात. नगरसेवकांना दिली जातात. सहसा नगरसेवक कॉ.अॉप. सोसायटीमध्ये इन्टरफेअर करत नाही. परंतु असे काही अनधिकृत बांधकाम करतात त्याच धोरण निश्चित करणे गरजेचे आहे असे प्रत्येक वॉर्डात असतील असे नाही. परंतु शांतीनगर वसाहतीत हा प्रॉलेम नेहमीच दिसूनयेतो. ग्राऊंड फ्लोर असला की तिथे भिंत तोडून तिथे शटर घालायचे तिथे कर्मशियल बिझनेस चालू ठेवायचे जे कोण मानधन देतात ती सोसायटी त्यांच्या पिरोधात तक्रार करत नाही. परंतु सोसायटीचे चेअरमन, सेक्रेटरी स्वतःचा पर्सनल रोष दाखवण्यासाठी त्या ठिकाणी अनधिकृत बांधकामावर कारवाई करावी अशा प्रकारची पत्र त्या प्रभारी अधिकारीला देण्यात येतात. मा. महापौर मँडम माझ्याकडे सेक्टर एकची फाईल आहे.

## मा. महापौर :-

दळवी साहेब तुमच्याकडे जे आहे ते कमिशनर साहेबाकडे घेऊन या निश्चितच त्याच्यावर कारवाई होईल.

## प्रशांत दळवी :-

मँडम मी समजू शकतो परंतु ह्या ज्या इमारती आहेत माझ्या म्हणण्याचा उद्देश एवढाच आहे की प्रत्येक वेळेला जो कोणी स्टे टाकेन पत्रा टाकेल त्यांच्या बाल्कनीवरती अशी हजारो पत्र प्रभाग अधिकारीना येत असतात. काही तरी धोरण निश्चित करा. आपले धोरण महासभेत ठरवले जाते की दुकानदारांनी ३ फुट पत्राची शेड लावावी. धोरण किती कालावधीसाठी असते की दोन महिने झाले की येरे माझ्या मागल्या. त्यानी ६-६ फुट १०-१० फुट पत्रे पूढे वाढवले आहेत. त्या गटारावर पत्रे टाकून अनधिकृतपणे आपला व्यवसाय राजरोसपणे सुरु करतात यावर कुठेतरी नियंत्रण आणावे अशी माझी तुम्हाला विनंती आहे.

## मा. महापौर :-

ठिक आहे.

## निलम ढवण :-

जेव्हा ती बांधकाम चालू असतात त्यावेळी तक्रारी आल्यावर ताबडतोब तोडल तर ती कारवाई म्हटली जाईल. परंतु तक्रारी करून त्यांना वेळ दिला जातो. त्यावर स्टे घेतला जातो आणि राजरोसपणे ती लोक फिरत असतात एवढ अनधिकृत बांधकाम करून देखील स्टे घेण्याची वेळ जो कोणी देईल त्या अधिकाऱ्यावर देखील कारवाई करत जा. आयुक्त साहेब ह्यावर गांभिर्यपूर्वक कारवाई करावी अशी अपेक्षा आहे. ह्यापूढे अनधिकृत बांधकाम करण्याची कोणाची हिंमत होणार नाही ह्याची आपण काळजी घ्या.

## मर्लिन डिसा :-

मँडम ज्या अनधिकृत इमारती तोडलेल्या आहेत. त्या अर्धवट तिथेच आहेत. अॅन्ची सोशल एलिमेन्ट्स आणि बायग्रेन्ट वर्क्स तिकडे येऊन सांगतात. रात्रीच्या वेळी लॉट्स ऑफ इट ईज अॅन्ड अल्कोहोलिक ड्रग्ज अॅडीक्शन ऑन गोईंग ऑन तर तिकडे लक्ष ठेवावे. तसेच कितीतरी गॅरेजेस आहेत सोसायटीच्या बाहेर बिकॉंज इन ट्रॅफिक जाम खूप गॅरेजेस आहेत. शितल नगर ले आउटमध्ये आम्ही सांगितलेले आहे. २५ वर्षांपासून ते लेआऊट आर.जी. प्लॉट ओपन आहेत. काय केलेले नव्हते २००९-१० मध्ये खूप प्रयास करून ७३२ आर.जी. प्लॉट मनपाद्वारे डेव्हलप करून घेतले होते. दुसरे जे रिक्वेस्ट केले आहे ते करून घ्या.

## तारा घरत :-

मा. महापौर मँडम मी मा. आयुक्तांचे अभिनंदन करते. माझ्या इथे इंडस्ट्रीमध्ये अनधिकृत पावर स्टेशन होत ते तोडल्याबदल तसेच दुसरी जी तोडक कारवाई बदल दिलेले आहे तरी लवकरच करावी अशी विनंती.

## गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

सन्मा. महापौर महोदया, सन्मा. सदस्यांनी जो ठराव मांडला. त्याला अनुसरून मी उत्तर देऊ इच्छितो सन्मा. सदस्यांनी जो विषय मांडला तो निश्चितपणे जिव्हाळ्याचा आणि प्रशासकीयदृष्ट्या चालू असलेली अनियमितता गावात जे काही अनधिकृत बांधकाम सुरु आहेत ती प्रशासनाला जाणीव करून देण्याबाबत आहेत. ह्याबदल इथपर्यंत आम्ही आपल्या भावनाशी ठरावाशी सहमत आहोत. अनधिकृत बांधकाम हा विषय मग सभेमध्ये असेल विविध पदाधिकारी महोदयाच्या सभेमध्ये असेल मा. लोकायुक्ताकडून मनपाला प्राप्त होणा-न्या तक्रारीद्वारे असेल मा. शासनाकडून मनपाला प्राप्त होणा-न्या विविध निवेदन किंवा तक्रारीच्या कम्प्लायन्सच्या स्वरूपात असेल विविध प्रभाग समित्यामध्ये असेल, लोकशाही दिन किंवा आठवड्यातील सोमवार किंवा गुरुवार मा. आयुक्तांनी ठेवलेल्या नागरिकांच्या दिवशी असेल येणा-न्या एकूण तक्रारी पैकी ५० टक्के तक्रारी ह्या अनधिकृत बांधकाम आणि अतिक्रमण संदर्भात असतात ह्याची दखल प्रशासनाला नाही असे मुळीच नाही. काही अपुरेपणा निश्चित आहे. वेळोवेळी शासन स्तरावरील आणि त्या अनुषंगाने मनपाद्वारे हा अपुरेपणा दूर करण्याचा प्रयत्न करण्यात आलेला आहे. सुरुवातीला शासनानी अशी ओरड आमच्या तर्फ झाली. अधिकाऱ्यांनी राज्य शासनाबरोबर ज्या वेळेस ह्या बैठका झाल्या त्यावेळेस असे सांगितले गेले की, अतिक्रमण काढणे हे फार जिकरीचे काम आहे. अतिक्रमण काढायला गेले तर सर्वप्रथम कोण विरोध करत असेल तर संबंधीत प्रभागाचे नगरसेवक मग शासनाने तो ॲक्टमध्ये अमेन्टमेन्ट केली की प्रत्यक्ष किंवा अप्रत्यक्ष जे सदस्य अतिक्रमण निर्मुलनाला मदत करतील त्याच सदस्यत्व त्या दिवसापासून निष्काशीत झाल्याचे समजण्यात येईल. म्हणजे डीम्ड प्रोह्वजन कायद्यात आली. तरी सुधा अनधिकृत बांधकाम कंट्रोल झाला नाही. २००९ साली राज्य शासनानी एक उपायुक्तांपेक्षा कमी दर्जाचा नसेल अशा अधिकाऱ्यांच्या अधिनस्थ ठेवा जेणेकरून त्याचे कोऑर्डिनेशन प्रॉपर होईल. त्यानंतर २००९ ते २०११-१२ मध्ये मोठ्या प्रमाणावर निर्मुलन त्या विभागामार्फत होऊ शकले नाही. त्यानंतर राज्य शासनाने पदनिर्देशीत अधिकारी करण्याबाबत एक आदेश काढला आणि आपण आता कायद्यात हे काम करण्याला पात्र कोण आहे आणि ही जबाबदारी कोणाची आहे. ह्याबदल जबाबदारी निश्चित केली. आता विद्यमान कायदा किंवा ज्याप्रमाणे आपण जबाबदारी निश्चित केली ह्यासाठी प्रत्येक प्रभागाचे प्रभाग क्षेत्र अधिकारी आपण पदनिर्देशीत अधिकारी म्हणून डेझीग्नेट केले अशा अधिकाऱ्यांची नाव राजपत्रात प्रसिद्ध केली आणि राजपत्रात प्रसिद्ध झाल्या दिवसापासून त्या भागातील अनधिकृत बांधकाम अतिक्रमण निष्काशीत करण्याचे कायद्याने जबाबदारी ह्या संबंधीत प्रभाग क्षेत्र अधिकाऱ्यांची निश्चित झाली. नंतर मा. आयुक्तांच्या असे लक्षात आले की प्रभाग क्षेत्र अधिकारी ६ ठिकाणी ६ उपायुक्त १ हे मनपात ह्या

दोघामध्ये कुठेतरी कोऑडीनेशन असले पाहिजे किंवा आयुक्ताकडे पदाधिकारी सन्मा. सदस्य नागरिक किंवा शासनाकडून आलेल्या तक्रारी ह्याची गंभीर दखल घ्यायची आणि ह्याचा निपटारा करायचा तर ह्याच्यामधला दूवा कोणीतरी अधिकारी असणे अपेक्षित आहे. म्हणून तत्कालीन आयुक्तानी अतिक्रमण विभागाला एक मधला मार्ग म्हणून उपायुक्तांच्या अधिनस्थ आणि प्रभाग क्षेत्र अधिकाऱ्याच्या वर असा एक अतिक्रमण विभाग प्रमुख हे पद निर्माण करून काम करण्याचा प्रयत्न केला जेणेकरून सन्मा. सदस्याच्या नागरिकांच्या तक्रारी कमी होतील. आता ज्या काही तक्रारी प्राप्त झाल्या आहेत किंवा ज्या अनुषंगाने ठराव झाले आहेत ज्या अनुषंगाने मा. महापौर महोदया आमचे एवढेच म्हणणे आहे ह्या विभागात काय उणिवा आहेत ह्या विभागातील कामकाजामध्ये दुर्लक्षितपणे राहत आहे. काही ठिकाणी दुजाभाव केला जातो असा सुध्दा आरोप आहे. सन्मा. सदस्यांनी मेरीट टू मेरीट यादी सांगितले ह्या कामात हे बांधकाम झाले आहे. आणि ह्यामध्ये हा अधिकारी सामिल आहे तर निश्चितपणे त्या अधिकाऱ्यावर कारवाई करु आणि अनधिकृत बांधकाम निष्काशित करु. ह्याचबरोबर एखाद्या केसमध्ये अनधिकृत बांधकाम निष्काशित केले पाहिजे ही भावना सदस्यांची नागरिकांची प्रशासनार्प्यत पोहोचते निष्काशित करण्याचा प्रोग्राम सुध्दा लावला जातो. परंतु ह्या प्रोग्रामची परिपूर्ण अंमलबजावणी होण्यासाठी आपल्याला पोलिस बंदोबस्ताची गरज असते. सदस्यांनी आरक्षण क्र. १२२ बदल उल्लेख केलेला आहे. आरक्षण क्र. १२२ मधले आरक्षण काढण्यासाठी माझ्याजवळ पत्रव्यवहार आहे. ९ पत्र आम्ही पोलिस स्टेशनला दिली आहेत. पोलिस स्टेशनमधून लेखी कम्पलायन्स आला की आता इलेक्शनचा पिरेड चालू आहे. इलेक्शनच्या पिरेडमध्ये मॅन ऑर्डरचा प्रश्न उपस्थित होऊ शकतो. त्यामुळे आम्ही तुम्हाला आता बंदोबस्त देऊ शकत नाही. इलेक्शन संपल्यानंतर निश्चितपणे १२२ असेल, १२४ असेल जेवढ्या कम्पलेंट आल्या तेवढेच नव्हे तर प्रत्येक प्रभागातील अनधिकृत बांधकाम निष्काशित होणे गरजेचे आहे. मा. आयुक्तांनी एच.ओ.डी. च्या मिटींगमध्ये अशा प्रकारचे स्पष्ट निर्देश सर्व प्रभाग क्षेत्र अधिकारी, विभाग प्रमुख उपायुक्त, अतिरिक्त आयुक्त आणि श्री. मोहित ह्यांना सुध्दा अशा प्रकारचे निर्देश दिले आहेत. ह्यानंतर लक्षात आले की काही प्रभाग क्षेत्रिय अधिकारी एखादी कारवाई ठेवल्यानंतर ती बातमी आदल्या दिवशी लीक करतात किंवा कुठेतरी प्रशासकीय स्वरूपातील सहभाग त्यात अप्रत्यक्षरित्या असल्याचा संशय निर्माण झाला. काही बाबीमध्ये पडताळणी केली एका प्रभाग अधिकाऱ्यावर कारवाई केली. एकावर कारवाई केली म्हणजे सगळीकडे ऑल व्हेल झाले असे नाही. काही प्रभाग अधिकारी बदल मा. महापौर महोदय, मा. सदस्य त्यांनी प्रशासनाला तक्रारी केल्या. मा. आयुक्त महोदयानी सर्व प्रभाग अधिकाऱ्यांच्या चार दिवसांपूर्वी बदल्या केल्या. हे सर्व चालू केल्यामुळे गावात अनधिकृत बांधकाम वाढणार नाही असे नाही. सदस्यांनी इंटरनल चेजेसचा एक विषय काढलेला आहे. निश्चितपणे तो सुध्दा अनधिकृत बांधकामाचा एक भाग आहे. परंतु आपण कोणतीही कारवाई करत असताना प्राधान्य ठरवणे आपल्याला आवश्यक आहे. अनधिकृत बांधकाम अतिक्रमण पाडणे ह्याचबरोबर इंटरनल चेजेस आपण स्वतःहून शोधण्याची मोहिम किंवा पद्धत निर्माण करत नाही. आपल्याकडे तक्रार आली तर ती येणार तक्रार त्या संबंधीत सोसायटीतील सदस्याच्या आपसी वादामुळे आपल्या जवळ पोहोचते किंवा तिथे शेजाऱ्याचे माझे पटत नाही मग मी कार्यालयात पोहोचतो आणि शेजाऱ्याची भिंत पाडायला लावतो. त्या इंटरनल तक्रारीवर १०० टक्के कारवाई करायची झाली तर ब-यापैकी ९० टक्के सोसायटीमध्ये कुठेतरी शेड बांधले आहे किंवा दोन बालकनीच्यामध्ये चार फुटाची भिंत उभी केली आहे ह्याचा अर्थ त्याला प्रशासनाचे प्रोटेक्शन निश्चित नाही. त्याचे सुध्दा वेळोवेळी निश्काशित केलेच पाहिजे करण्यात येईल परंतु प्राधान्याने आता सध्या वॉर्ड ऑफिसमध्ये असलेली अनधिकृत बांधकाम आणि अतिक्रमण निष्काशन करण्याचा कार्यक्रम हाती घेतलेला आहे त्यामुळे कुठल्या अधिकाऱ्याला टार्गेट न करता किंवा एखाद्या विशिष्ट अधिकाऱ्याच्या विरुद्ध ठराव न देता आपण जर ह्या अधिकाऱ्याने ह्या बांधकामाला प्रोटेक्शन दिले तर अशा प्रकारची विशिष्ट तक्रार दिली तर त्याची निश्चित चौकशी करु चौकशीमध्ये जे काही निष्पत्र होईल ते आपल्यासमोर ठेऊ.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

प्रशासन संरक्षण करते.

**जुबेर इनामदार :-**

तुम्ही निवेदन देत नाही तुम्ही त्यांचे संरक्षण करता.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

असे होऊच शकत नाही.

**निलम ढवण :-**

घराची शेड एखाद्या घराच्या साईडने टाकणे किंवा बचत गटाचे स्टॉल असतात हे कसे पटकन उचलले जातात. ह्याच्यावर कशी कारवाई होते आणि अशी मोठमोठी बांधकाम आम्ही निर्दर्शनास आणून द्यायची मग अधिकारी कशाला बसवले आहेत. प्रभागव्हाईज जर अधिकारी त्याच्याबरोबर इंजिनिअर पण काम करतात एवढे असताना बाकीच्या नागरिकांनी ते निर्दर्शनास आणावे का? पोलिस बंदोबस्ताचा जो प्रॉब्लेम सांगितला जातो. बांधकाम चालू असताना देखील वेळोवेळी तक्रार करून त्याचवेळी ते बांधकाम तोडल गेले असे प्रॉब्लेम नंतर क्रिएट होणार नाही. मग पोलिस बंदोबस्ताची काय गरज लागणार आहे. पण ते केल जात नाही नंतर त्या चाळी बांधल्या जातात. चाळीमध्ये गोरगरिब जनता कमी पैशात मिळते म्हणून वास्तव्यास येते आणि नंतर त्या चाळी आपण पाडायला जातो ती लोक कुठे जाणार? अनधिकृत बांधकामामुळे वेळोवेळी

समस्या वाढल्या आहेत. वेळोवेळी ह्यांचे दुर्लक्ष झाले आहे कारण ह्यांच्या केबीनमध्ये कायम दलाल बसलेले असतात. साहेब ह्याच्यावर दुर्लक्ष करून चालणार नाही. वेळोवेळी ह्या विषयावर आवाज उठवून देखील का कारवाई केली जात नाही.

#### वंदना चक्र :-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलते. आताच अतिक्रमण विभागाचे वरिष्ठ आहेत त्यांनी सांगितले आणि आपल्या मँडमनी ठराव मांडला त्याच्यावर बऱ्याच लोकांनी चर्चा पण केली. विषय अतिशय गंभीर आहे. सगळ्यांना माहित आहे आम्ही सुध्दा ह्यांच्या तक्रारी करून कंटाळलो. श्रीकृष्ण मोहिते क्लास ३ चा इंजिनियर त्याला क्लास १ क्लास २ च्या जागेवर ठेवले आहे. ह्या तक्रारी पाठीशी घालण्याचे काम श्रीकृष्ण मोहितेनी केलेले आहे. ह्या इनलिंगल बांधकामाची मी अनेक पत्र दिलेली आहेत. आयुक्त साहेब आपल्याला माहित नाही आपण नविन आहात. साहेब आपण पण नविन आहात. मी पाठचा इतिहास काढला ना तर तुम्ही म्हणाल काय सगळ दाबल गेल. मी परत सभागृहाला सांगते मी हे परत काढणार आहे. पत्र देणार आहे. ह्यांनी हा ठराव मांडला साहेब आपण पाठीशी घालत आहात हे चूकीचे आहे. आपल्या मनपामध्ये त्या लेवलचा कोणी कर्मचारी नाही का? हा प्रश्न कितीवेळा उचलला. तुम्ही महापौर सत्ताधारी पक्षाच्या असताना देखील तुमच्या विरोधात मी सभागृहात बोलली आहे. हे सभागृहाला माहित आहे. मा. आयुक्त साहेब ऐकून घ्या त्यांनी जे केलेले आहे. त्यांचा पाठिंबा आहे. मी तुम्हाला पाठीमागची मोठी लिस्ट देते. मी लोकआयुक्ताला, मुख्य मंत्र्यांना, नगरसचिवाना, मंत्रालयात पत्र दिले आहे. ह्याच्यावर कारवाई करून चौकशी करा. एवढ्या कामाची यादी दिली. इनलिंगल १०० मोठ्या कामाची यादी दिली आहे. त्याचे काही झालेले नाही. हे सगळे मागच्या आयुक्तांनी पाठीशी घालते आहे. आपण काम करता आपले मी अभिनंदन करते. अशी मी तुम्हाला सुचना करते. मा. महापौर मँडम हे झालेले आहे. उपायुक्त साहेब आपण पाठीशी घालू नका ह्याच्यावर कारवाई झालीच पाहिजे ही आमची मागणी आहे. जर होत नसेल तर त्यांनी मांडलेला ठराव सुचक आणि अनुमोदक त्याला मी सुध्दा पुढच्या महासभेमध्ये किंवा ह्याच्यावर कारवाई झाली नाही तर आम्ही सुध्दा रस्त्यावर उत्तराल्याशिवाय राहणार नाही. ही नोंद घ्यावी. ह्याचे उत्तर घ्यावे. का पाठीशी घालता ह्याला कारण आहे हे सगळे मिळालेले आहेत. हे चालणार नाही. आतापर्यंत आम्ही ऐकल. जाऊ दे. जाऊ घ्यायचे नाही. आम्हाला दाबल जाते. आयुक्त महोदय आपल्याकडून अपेक्षा आहे. श्रीकृष्ण मोहितेना ह्या पदावरुन कधी काढणार ह्याचे उत्तर घ्या.

#### मा. महापौर :-

मी साहेबांना सांगितले आहे. सर्व वॉर्ड ऑफिसरच्या बदल्या झालेल्या आहेत. असे दुसऱ्या अधिकाऱ्याचे पण होणार आहे. साहेब आले तेहा आचारसंहिता लागली त्या पिरेडमध्ये बदली होत नाही. म्हणून ते थांबवले सर्व स्टाफ, अधिकारी ऊऱ्यांची व्हाव्याअशी माझी सुचना करते.

#### वंदना चक्र :-

जे इंजिनिअर वॉर्ड ऑफिसरच्या खाली काम करतात त्यांच्या देखील बदल्या व्हाव्याअशी माझी सुचना आहे.

#### मा. महापौर :-

ऑलरेडी सांगितले आहे.

#### प्रमोद सामंत :-

मा. महापौर मँडम प्रशासनाला असे अपेक्षित आहे का की, आम्ही तक्रार केल्यावर ते कारवाई करणार.

#### मा. महापौर :-

सामंत साहेब काकाणी साहेबाची बदली झाली आता लाखे साहेब आले. लाखे साहेब जुलैमध्ये आले त्या लोकांनी सांगितले गीव अ सम टाईम. त्याच्यानंतर आचारसंहिता लागली त्यांनी हाती घेतले आणि चांगले काम चालू आहे. आणि ते करणार आहेत.

#### प्रमोद सामंत :-

आम्हाला मान्य आहे पण आता सांगितले की, स्पेसिफिक तक्रार घ्या. प्रशासनाला असे अपेक्षित आहे का की आम्हीच तक्रारी करायच्या मगच ते अनधिकृत बांधकामावर कारवाई करणार असे कुठे अपेक्षित आहे का? प्रशासनाला जे अनधिकृत बांधकाम चालले आहे डाचकूल पाडा, माशाचा पाडा, काशीगाव ह्या भागात जे अनधिकृत बांधकाम चालले आहे. जर चुकून कुठे आलेलो आता कुठे जातो रस्ता सुध्दा मिळत नाही. एवढे बांधकाम तिकडे झालेले आहेत. बांधकाम आम्ही जाऊन दाखवायला पाहिजे. एखाद्या बिल्डिंगमध्ये ऑफिस बनवतात वेगळी गोष्ट आहे. पण एवढे वेगाने बांधकाम चालले आहे ते आम्ही दाखवायला पाहिजे मग तुम्ही कारवाई करणार असे आहे का?

#### गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

असे अपेक्षित नाही.

#### प्रमोद सामंत :-

मग त्याच्यावर कारवाई करावी. कृपया कोणत्याही सदस्याकडून स्पेसिफिक तक्रार मागू नका. तुम्ही सर्वों करा. गेल्या दोन वर्षांत कुठे बांधकाम झाले आहे. आणि त्यावर सरळ कारवाई करा.

## **जुबेर इनामदार :-**

मा. महापौर मँडम, अती महत्वाचा विषय ठरावाच्या बाजूने बोलणार आहे. हा विषय अतिक्रमण अनधिकृत बांधकाम हा शहराचा मोठा कर्करोग. करुन जाणारे करतात नागरिकांना भोगावे लागते. हे शहर आम्ही घडवला इथे राहणा-या लोकांनी घडवला. प्रशासन आज आहे उद्या त्याची बदली होईल. २-३ वर्ष एका पदावर राहतो मग तो दुसरीकडे जाऊन त्याचा कार्यकाल संपवतो. त्याच्या कार्यकालात तो ज्या शहरात राहतो त्यांनी केलेल्या कामाचा मोठा परिणाम ह्या शहरावर होतो. चांगल केल तर त्याच आम्ही अभिनंदन करु. वाईट केल तर त्याचा दुष्परिणाम ह्या शहराला भोगावा लागेल. ह्या सभागृहात अर्ध्या तासापूर्वी आम्ही अभिनंदन केले. वाईट काम केले तर त्याची गचांडी पकडणारच. मा. आयुक्त महोदय निलम ढवणी जो ठराव मांडला आहे. त्याच्यामध्ये स्पष्ट उल्लेख केलेला आहे. काय कारणामुळे श्रीकृष्ण मोहिते ह्यांचे निलंबन करावे. ५६ अन्वये त्याच्यावर कारवाई करावी. नाव एवढ चांगल त्याच्यापुढे लागलेले साहेबांनी सांगितले धुवा त्यानी शहराचा पूर्ण धुवाच उडवला आहे. धुवा कशाला प्रभाग अधिकारी आणि मध्ये सेटमेंट करुन देण्यासाठी ठरावामध्ये उल्लेख केलेला आहे. २०१२ मध्ये विधी विभागाने एक पत्र पाठवले होते की सदरच्या भुखंडावरचा न्यायालयाचा दावा संपुष्टात आलेला आहे. तुम्ही त्यावर कारवाई करा. २०१३ पर्यंत त्याच्यावर कारवाई झाली नाही. रोज जाऊन त्याच परिसरामध्ये आजूबाजूचे क्षेत्र मनपाचे आरक्षण झोपडपट्टी तोडण्यासाठी हा व्यक्ति जाऊ शकतो. प्रभाग अधिकारी जाऊ शकतो. प्रभाग अधिकाऱ्यांची रोज बदली होते. ह्याची होत नाही. जो अतिक्रमण हटवायला पाहिजे हे न्यायप्रविष्ट होता. पालिकेने त्याच्या मागे खर्च केला. वकिलाचा खर्च केला, ताकद लागली, टाईम लागला, पैसे लागले. परंतु तो अतिक्रमण त्यांनी हटवला नाही. शेवटपर्यंत तुमच्याकडे वारंवार तक्रार करुनही तुमचे तत्कालीन आयुक्त, तुमच्या आधी असणारे त्यानंतर तुम्ही साहेब हा विषय इथे संपत नाही. आम्ही वारंवार प्रभाग अधिकाऱ्यावर तक्रारी करत असतो की त्याच्या प्रभागामध्ये होणारे अतिक्रमण प्रभाग अधिकारी हटवत नाही. निष्काशीत करत नाही. फेरिवाल्याचे अतिक्रमण संपत नाही. साहेब लोकप्रतिनिधी आपली भुमिका मनापासून मांडतात. आता साहेबांनी सांगितले शासनानी नियम काढले लोकप्रतिनिधीमध्ये आले तर त्यांचे पद निलंबित होऊ शकते. अनधिकृत बांधकाम किंवा अतिक्रमण हटवण्याच्यामध्ये आले तर त्याचे पद निलंबित करु शकता. पदाधिकारी मध्ये येत नाहीत आणि ते आले तर तुम्हाला त्याच अधिकार आहे. ह्या महाशयानी पत्र दिलेले की मला मोठमोठ्या नेत्यांचे फोन येतात मग त्यानी तसे स्पष्टीकरण करावे की, अनधिकृत बांधकाम थांबवण्यासाठी कोणत्या अधिकाऱ्याचे फोन येतात कारण अनधिकृत बांधकाम करुन जाणारे करतात. नागरिकांना भोगावे लागते. साहेब ह्या विषयासाठी स्थायीमध्ये ठराव करुन देण्यात आला की सदर व्यक्तिचे निलंबन करण्यात यावे. ठरावाला ६५१ खाली विखंडीत करायला पाठवले. त्या पत्रामध्ये उल्लेख केला मला त्याच्यामध्ये काय कारणामुळे हा ठराव करण्यात आला त्याची माहिती अपुरी आहे. साहेब उपमहापौरांनी तुम्हाला पत्र दिले ह्या शहराचे प्रथम नागरिक मा. महापौर मँडमनी पत्र दिले. तरीही ह्या पत्रात जवाब किंवा उल्लेख आम्हाला मिळाला की तसे करण्यात आलेले नाही. साहेब त्याचे तुम्हाला प्रत्युत्तर दिलेले आहे की आम्ही तुम्हाला सुचित केल होत. आमची भुमिका स्पष्ट आहे की अशा अधिकाऱ्याच्या पाठीशी तुम्ही उभे राहू नका. तुम्ही प्रशासनाचे प्रमुख आहात. अशा अधिकाऱ्याच्या पाठीशी उभे राहीलात तर पूर्ण प्रशासन कोलॅप्स होईल जो तो ज्याला जसे वाटेल तसे करेल. म्हणून मी आपल्याला विनंती करु इच्छितो महासभेने ठरावाच्या माध्यमातून तुमच्या समोर तो विषय आणलेला आहे. हा विषय तुमच्या दालनामध्ये मांडला होता. आणि त्या दिवशी मला पत्र प्राप्त झाले हा व्यक्ति ५ तारखेला एक असा पत्रकार ज्याच्यावर अन्नटीकरणाची केस चालू आहे. जो बेलवर बाहेर आहे त्या व्यक्तिला घेऊन उत्तन परिसरात फोटो काढत फिरत होता. त्या विषयावर सदरच्या व्यक्तिने पोलिस स्टेशनला तक्रार नोंदवली आहे. अशा व्यक्तिबरोबर सुटीच्या दिवशी त्याला तुम्ही काम सोपवले तर त्यांनी करावे परंतु असा व्यक्ति त्याच्या बरोबर का? ज्याच्यावर अन्नटीकरणाची केस आहे आणि तो अन्नटी सेफेस्ट्री बेलवर जो बाहेर आहे. अशा व्यक्तिला घेऊन त्या परिसरात जाण्याचे काम कारण आहे. त्यांना विचारल्यावर त्यांनी होकार दिला मी घेऊन गेलो होतो. त्याचे काय कारण आहे. अशी टोकाची भुमिका घेण्याचे कारण काय? विषय स्पष्ट आहे. कोणाची तरी सुपारी घ्यायची आणि ही काम करायची अशा व्यक्तिला प्रशासनापासून चांगल्या कामापासून दूर ठेवा. नाहीतर प्रशासनावर डाग लागेल तुम्ही प्रशासनाचे हेड आहेत तर तुमच्यावर लागेल. केलेल्या ठरावावर सर्व सभागृह त्यांच्या बरोबर आहे. त्या विषयाची अंमलबजावणी व्हावी अशा अधिकाऱ्यावर सक्तीची कारवाई करावी.

## **मा. महापौर :-**

ठराव सुचनेसहीत मंजूर करण्यात येत आहे.

## **प्रकरण क्र. ४० :-**

सन्मा. सदस्या सौ. निलम हरिश्चंद्र ढवण यांचा दिनांक १०/११/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. — मिरा भाईदर शहरामध्ये होणारी अनधिकृत बांधकामे यावर कारवाई करण्यासंदर्भात.

## **ठराव क्र. ४४ :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात ६ प्रभाग समित्या अस्तित्वात आहेत. शहरामध्ये होणारे अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकामावर नियंत्रण ठेवण्याची व निष्काशीत करण्याची जबाबदारी पदनिश्चित अधिकाऱ्यावर सोपविण्यात आलेली आहे. प्रभाग अधिकाऱ्यांचे प्रशासकीय कर्तव्य आहे की त्यांनी आपली

जबाबदारी काटेकोरपणे व इमानेझितबाराने पार पाडावी. त्यांच्या कामकाजावर देखरेख व पत्रव्यवहार करण्यासाठी अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण विभाग आस्थापनेवर मंजूर नसतानाही मा. आयुक्तांनी सदरचा विभाग स्थापित करून द्वितीय श्रेणीच्या अधिकाऱ्याच्या कामकाजाची जबाबदारी तृतीय श्रेणीतील कर्मचाऱ्यांवर सोपवली. या धर्तीवर शहरामधील अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम आटोक्यात येणे गरजेचे होते. लोकप्रतिनिधी, जागरुक नागरिक सातत्याने या विभागाकडे तसेच प्रभाग कार्यालयावर तक्रार करूनही कुठल्याच प्रकारची ठोक कारवाई करण्यात येत नसल्याचे प्रथमदर्शनी दिसून येत आहे. कोणतेही अनधिकृत बांधकाम व अतिक्रमण निदर्शनास आणुन दिल्याच्यानंतर विभागीय अधिकाऱ्यांनी त्यावर कारवाई करणे अपेक्षित आहे मात्र असे न करता अशा नियमबाबू कृतींना संरक्षण देण्याचे काम विभागीय अधिकारी करत असतात.

महापालिका आरक्षण क्र. १२२ दावा क्र.आर.सी.एस. क्र. १०५/२०१० श्री. रंगबहादूर यादव विरुद्ध मिरा भाईदर महानगरपालिका याचा निकाल महानगरपालिकेच्या बाजुने लागल्याचे असूनही जा.क्र.मनपा/विधी/१६४/२०१३-१४ दि. २९/११/२०१३ रोजी विभाग प्रमुख अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण यांना पत्राद्वारे विधी विभागामार्फत सुचित केलेले होते. त्याला अनुसरून विभागीय प्रमुखांनी त्यावर कारवाई करणे अनिवार्य होते. विभागीय प्रमुख व प्रभाग अधिकारी सदरच्या भुखंडावर आजुबाजुच्या क्षेत्रामधील गोर-गरिबांच्या झोपड्या हटविण्यासाठी नमूद ठिकाणी जात असतानाही सदरचा भूखंड ज्याचा दावा महापालिकेच्या बाजुने निकाल लागलेला असतानाही कारवाई जाणीवपुर्वक केलेली नाही व याची जाणीव वेळोवेळी पदाधिकाऱ्यांनी मा. आयुक्तांना लेखी व मा. महासभा सभागृहातही सुचित केलेले होते. अशा अनेक प्रभागांतर्गत विविध ठिकाणी अनधिकृत चाळी बांधणे, इंडस्ट्रीयल गाळे बांधणे व इमारती बांधणे व वाढीव बांधकाम करण्याचे कामदेखील सुरु आहे. सध्या झालेली भाईदर (पूर्व) विभागातील जय अंबे इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्रभाग ५ धनलक्ष्मी इस्टेट, आर.एन.पी. पार्क ओस्तवाल बगीच्या समोर, जैन नगर, शिवशक्ती नगर, आझाद नगर, गोडदेव गाव, हनुमान नगर, मिरा गावठण, काशी गाव, माशाचा पाडा, मांडवी पाडा, चेना बिज चाळी बांधलेल्या आहेत या सर्वावर कारवाई करणे व त्या संदर्भात विविध तक्रारी असतानाही त्यावर तोडक कारवाई केली जात नाही. या सर्व तक्रारीच्या आधारे दि. १९/०८/२०१४ मा. स्थायी समितीमध्ये प्रकरण क्र. ७४ ठराव क्र. ७१ अन्वये अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण विभागाचे प्रमुख श्री. श्रीकृष्ण मोहिते यांना निलंबन करण्याचा ठराव बहुमताने करण्यात आला. शहराचे हीत लक्षात घेता, ठरावाची अंमलबजावणी करणे मा. आयुक्तांकडे अपेक्षित होते मात्र आज दिनांकापर्यंत त्यावर कारवाई करण्यांत आलेली नाही. जेणेकरून दोषी अधिकाऱ्यांना व कर्मचाऱ्यांचे मनोबल वाढत चाललेले आहे. यामुळे दिवसेदिवस मिरा भाईदर शहर हे बकाल होत चाललेले असून नागरीकांच्या समस्यादेखील तितक्याच वाढलेल्या आहे परिणामी गोर-गरिब, असुशिक्षित जनतेची फसवणुक होऊन बळी जाते.

मिरा भाईदर शहरामध्ये वाढत असलेल्या व अस्तित्वात असलेल्या अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम यांना संरक्षण देणाऱ्या व कर्तव्यामध्ये हयगय, कसुर करणाऱ्या प्रमुख अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण विभाग श्री. श्रीकृष्ण मोहिते तसेच सर्व प्रभाग अधिकाऱ्यांवर महाराष्ट्र प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५६(२फ) अन्वये निलंबनाची कारवाई करण्यात यावी तसचे ३९७ अ (२) या अधिनियमाच्या तरतुदीच्या विरोधात सुरु असलेले अनधिकृत बांधकामाविरुद्ध या अधिकाऱ्यांवर कारवाई करावी असा मी ठराव मांडत आहे.

मागील चार महिन्यातील अनधिकृत बांधकामाची यादी खालीलप्रमाणे आहे. ती पूर्णतः तोडक कारवाई करावी.

#### प्रभाग समिती क्र. ०४

#### वॉर्ड क्र. १०

- १) जय अंबे बालाजी इंडस्ट्रीज, दौलतसिंग भाटी रोड, बजरंग हॉटेलजवळ, गोडदेव नाका, भाईदर पूर्व.
- २० ते २२ फूटाचे बांधकाम ४ गाळे बनवले आहेत.

#### वॉर्ड क्र. १३

- १) गॅलेक्सी थरमोलेक्सच्या बाजूला, ज्योती हॉटेलच्या समोरील गल्ली, फाटक रोड, भाईदर पूर्व.
- २२ ते २४ फूटाचे बांधकाम केले आहे.
- २) शितल इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फाटक रोड, श्री. रामनगरच्या समोरील गल्ली, भाईदर (पूर्व)
- २२ ते २४ फूटाचे बांधकाम केले आहे.
- ३) एच.पी. गोडाऊनच्या बाजूला भाईदर पूर्व २२ ते २४ फूटाचे बांधकाम केले आहे.

#### वॉर्ड क्र. ४

- १) ओसवाल बागेसमोर गाला ४, आरंभी पार्क, भाईदर पूर्व व बाजूला २

#### वॉर्ड क्र. ५

- १) दळवी चाळीच्या मागे, पुष्पक इंडस्ट्रीज, नवघर रोड, युनीयन बँकेच्या समोर, भाईदर पूर्व
- २) धनलक्ष्मी इस्टेट, दळवी चाळीच्या मागे.

#### प्रभाग क्र. ८ (जैन नगर)

- १) शिवशक्ती नगर आजूबाजूला चाळी बांधण्याचे काम चालू आहे.
- २) गुरुद्वारा हॉल लागून त्यांचेच अनधिकृत बांधकाम १ अ १

## प्रभाग समिती ६

१) मिरागाव, मिरा गावठण, साईबाबा मंदिर डाचकूल पाडा, काशीगाव, माशाचा पाडा, मांडवी पाडा, चेना ब्रीज, एक्सप्रेस इन हॉटेलच्या मागे मोठ्या प्रमाणावर चाळी बांधलेल्या असून कामही चालू आहे.

सुचक :- सौ. निलम ढवण

अनुमोदक :- सौ. तारा घरत

सदर ठरावात सन्मा. सदस्या सौ. शिल्पा भावसार यांनी खालीलप्रमाणे सुचना मांडली.

मिरा भाईदर महानगरपालिका प्रभाग क्र. ०३ चे अधिकारी (नविन प्रभाग क्र. ६) यांनी खालील दिलेल्या आदेशपत्रान्वये, अनधिकृत बांधकामावर त्वरीत कार्यवाही करण्यात यावी अशी भी सुचना मांडत आहे.

१) मिभा/मनपा/प्र.क्र.०३/अवि/८५६/२०१२-१३ दि. २६/११/२०१२

२) मिभा/मनपा/प्र.क्र.०३/अवि/८५४/२०१२-१३ दि. २६/११/२०१२

३) मिभा/मनपा/प्र.क्र.०३/अवि/१०७५/२०१२-१३ दि. १८/०१/२०१३

ठराव सुचनेसह सर्वानुमते मंजुर

ठराव वाचून कायम करण्यात आला

सही /-

महापौर

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ४१, सन्मा. सदस्य श्री. शरद केशव पाटील यांचा दिनांक १०/११/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. --- मा. पंतप्रधान यांनी घोषित केलेले स्वच्छ भारत अभियान राबविण्याकरिता निधी उपलब्ध करणेबाबत.

शरद पाटील :-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो. सध्या देशामध्ये स्वच्छता अभियान फार मोठ्या प्रमाणात चालू आहे. त्याच्या प्रचार माध्यमातून बऱ्याच गोष्टी चालू आहे. मा. पंतप्रधान महोदय ह्यांनी १५ ऑगस्ट २०१४ रोजी ६८ व्या स्वातंत्र्य दिवसानिमित्त औचित्य साधून आपल्या भाषणात सहकारी अजेंड्यांमध्ये संपूर्ण भारतामध्ये स्वच्छता अभियान सुरु करण्याचे सुचित केले होते. भारत सप्ताह १५ सप्टेंबर ते २ ऑक्टोबर पर्यंत राबवण्यात आली. सदर अभियान मनपा क्षेत्रामध्ये उत्तमरित्या राबविण्यात आल्यास ह्या अभियानास निधी उपलब्ध होण्याच्या दृष्टीने सदर विषय आम्ही “ज” च्या प्रस्तावाने या माध्यमाने सभागृहाच्या समोर ठेवला आहे. मा. पंतप्रधान महोदयानी स्वच्छतेचे महत्व काय असावे ह्या करिता भारतीय नागरिकांना प्रसार माध्यमातून महत्व पटवून दिलेले आहे. सभागृहामध्ये प्रत्येक सदस्य नगरसेवक ह्या स्वच्छता अभियानाखाली कोणती कामे करायची आहेत ह्याची माहिती देणे योग्य आहे ह्या शहरातील नागरिकांना सुधा ह्याची माहिती देण्यात यावी असे मनपानी आपल्या प्रसार माध्यमातून कराव. मा. पंतप्रधान महोदयानी घोषित केल्याप्रमाणे स्वच्छ भारत अभियानाकरिता केंद्र शासनाच्या मार्गदर्शन सुचना राज्याकडून मनपास प्राप्त झालेल्या आहेत. ह्या अभियानामध्ये नागरिकांनी कोणत्या-कोणत्या स्वच्छतेवर लक्ष घालावे ह्या सर्व गोष्टी प्रचार माध्यमातून आपल्याला माहित पडत आहेत. स्वच्छतेच महत्व फार आहे. नागरिकांना जागृत करावे अशी भी सभागृहास विनंती करतो.

मा. पंतप्रधान यांनी घोषित केलेल्या स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत केंद्रशासनाच्या मार्गदर्शक सूचनांच्या अनुंष्ठाने सदर अभियान राज्यात पर्यायाने महापालिकेमध्ये प्रभावीपणे राबवयाचे आहे. स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत शासनाने कार्यनिती कशी असावी याबाबतच्या मार्गदर्शक सुचना महानगरपालिकेस दिलेल्या आहेत. त्याप्रमाणे महानगरपालिका प्रशासन स्वच्छता अभियान राबवत आहे.

स्वच्छ भारत अभियान महानगरपालिका क्षेत्रात राबविण्याचे असल्याने या कामी पुरेसा निधी उपलब्ध असणे आवश्यक आहे. मा. पंतप्रधान यांनी घोषित केलेले स्वच्छ भारत अभियान मनपा क्षेत्रामध्ये प्रभावीपणे राबविण्याचे असल्यास निधीची सोय असणे आवश्यक आहे.

स्वच्छता अभियान राबविण्याकरिता मा. पंतप्रधान यांच्या बरोबर विविध क्षेत्रातील सामाजिक संस्था, अभिनेते, खेळाडू, राजकीय व्यक्ती यांचा सहभाग आहे. अभियान योग्य दिशेने व प्रभावीपणे राबविण्याचे असल्यास नागरिकांचा प्रत्यक्ष सहभाग अभियानात असणे आवश्यक आहे.

या अभियानाकरिता रु. ५०.०० लाखाचा निधी सन २०१४-१५ च्या अर्थसंकल्पातील शहर स्वच्छता आराखडा या लेखाशिर्षात असलेल्या तरतुदी मधून खर्च करण्यात यावा. स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत येणाऱ्या खर्चाचे सर्व अधिकार मा. आयुक्त सौ, यांना या ठरावान्वये प्रदान करण्यास मंजुरी देण्यात येत आहे असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

### **प्रशांत केळूसकर :-**

माझे अनुमोदन आहे.

### **भगवती शर्मा :-**

मा. आयुक्त महोदय इन्होने जो ठराव किया है स्वच्छता का जो हेड मांडा है। वह पुराना हेड है की नया क्रिएट करना २०१४-१५ अर्थसंकल्प का हेड है। त्याच्यात तरतूद काय आहे.

### **शरद बेलवटे :-**

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो शहर स्वच्छता आराखड्यासाठी ५ कोटी १५ लाख इतकी तरतूद ठेवली आहे.

### **भगवती शर्मा :-**

२ के खाली तुमची काय मागणी होती. आप बढाना चाहते थे। आपने २ के खाली अंदर के अंदर में यह पंतप्रधान की योजना समाविष्ट कर रहे थे तो वो इसमें नहीं बैठती है क्या?

### **मा. महापौर :-**

ठराव सर्वानुमते मंजूर करत आहे.

### **प्रकरण क्र. ४१ :-**

सन्मा. सदस्य श्री. शरद केशव पाटील यांचा दिनांक १०/११/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. --- मा. पंतप्रधान यांनी घोषित केलेले स्वच्छ भारत अभियान राबविण्याकरिता निधी उपलब्ध करणेबाबत.

### **ठराव क्र. ४५ :-**

मा. पंतप्रधान यांनी घोषित केलेल्या स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत केंद्रशासनाच्या मार्गदर्शक सूचनांच्या अनुषंगाने सदर अभियान राज्यात पर्यायाने महापालिकेमध्ये प्रभावीपणे राबवयाचे आहे. स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत शासनाने कार्यनिती कशी असावी याबाबतच्या मार्गदर्शक सुचना महानगरपालिकेस दिलेल्या आहेत. त्याप्रमाणे महानगरपालिका प्रशासन स्वच्छता अभियान राबवत आहे.

स्वच्छ भारत अभियान महानगरपालिका क्षेत्रात राबविण्याचे असल्याने या कामी पुरेसा निधी उपलब्ध असणे आवश्यक आहे. मा. पंतप्रधान यांनी घोषित केलेले स्वच्छ भारत अभियान मनपा क्षेत्रामध्ये प्रभाविपणे राबविण्याचे असल्यास निधीची सोय असणे आवश्यक आहे.

स्वच्छता अभियान राबविण्याकरिता मा. पंतप्रधान यांच्या बरोबर विविध क्षेत्रातील सामाजिक संस्था, अभिनेते, खेळाडू, राजकीय व्यक्ती यांचा सहभाग आहे. अभियान योग्य दिशेने व प्रभाविपणे राबविण्याचे असल्यास नागरिकांचा प्रत्यक्ष सहभाग अभियानात असणे आवश्यक आहे.

या अभियानाकरिता रु. ५०.०० लाखाचा निधी सन २०१४-१५ च्या अर्थसंकल्पातील शहर स्वच्छता आराखडा या लेखाशिर्षात असलेल्या तरतुदी मधून खर्च करण्यात यावा. स्वच्छ भारत अभियाना अंतर्गत येणा-या खर्चाचे सर्व अधिकार मा. आयुक्त सांगा, यांना या ठरावान्वये प्रदान करण्यास मंजुरी देण्यात येत आहे असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

**सुचक :- श्री. शरद पाटील**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**अनुमोदक :- श्री. प्रशांत केळूसकर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

### **नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ४२, सन्मा. सदस्य श्री. बर्नट डिमेलो यांचा दिनांक १०/११/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. --- मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या परिवहन उपक्रम ठेकेदाराने लागू केलेली अन्यायकारक तिकीट दरवाढ रद्द करून ती कमी करणेबाबत.

### **बर्नट डिमेलो :-**

मिरा भाईदर महापालिकेने पी.पी.पी. तत्वावर बस पुरवठा करण्याचा ठेका मे. केस्ट्रेल इन्फ्रा.प्रा.लि. या कंपनीस दि. ०९/१०/२०१० पासुन दिलेला आहे. सदर ठेकेदाराच्या कंपनीसोबत मिरा भाईदर परिवहन उपक्रमाचा करारनामा झालेला असुन गेल्या अनेक वर्षांपासुन करारनाम्याच्या कोणत्याही अटीशर्तीचे पालन सदर ठेकेदार करीत नसल्याचे निर्दर्शनास येत आहे. त्या गंभीर बाबी खालीलप्रमाणे आहेत.

१) करारनाम्याच्या अटीशर्तीनुसार परिवहन ठेकेदाराने महापालिकेस पी.पी.पी. तत्वावर बस सेवा चालवताना १ रु. प्रति कि.मी. प्रमाणे प्रति बस प्रति दिवस १८०/- रु. प्रमाणे जे.एन.एन.यु.आर.एम. अंतर्गत ५० बसेसची नियमित रॉयल्टी स्वरूपात पैसे भरणे बंधनकारक असताना सदरच्या ठेकेदाराने महापालिकेची सन २०१० ते २०१४ पर्यंत लाखो रुपये रॉयल्टी थकवलेली आहे. त्याचा भरणा ठेकेदारकडून महापालिकेने प्रथम दंड व व्याजासहित सदरची थकीत रक्कम वसुल करावी व त्यानंतरच काही अंशी तिकिट दरवाढ लागू करण्यास परवानगी द्यावी. परंतु, जोपर्यंत ठेकेदार मनपाची थकित रॉयल्टी भरणा करीत नाही तिकिट वाढ प्रशासनाने स्थगीत ठेवावी.

- २) ठेकेदाराने बस सेवा देताना प्रत्येक बसचे इन्शुरन्स, आर.टी.ओ. टॅक्स, फिटनेस तपासणी इ. कागदपत्र चालु स्थितीत ठेवणे बंधनकारक असताना सुध्दा ठेकेदार हा बसेसचे इन्शुरन्स, फिटनेस व आर.टी.ओ. टॅक्स तसेच शासनाचा प्रवासीकर अधिभार भरीत नाही त्यामुळे ठेकेदाराने वरील सर्व रक्कमेचा भरणा करून ती सर्व कागदपत्र महापालिकेस चालु स्थितीत असल्याचे सादर करावे व तदनंतरच तिकीट दरवाढीस मनपाने मान्यता द्यावी तोपर्यंत दरवाढ रद्द करावी.
- ३) ठेकेदाराने परिवहन उपक्रमाच्या बसेसचे मेन्टेनन्स दररोज चांगल्या प्रकारे देखभाल करणे बंधनकारक असताना ब-याच बसेस यांत्रिक बिघाडामुळे तसेच अस्वच्छ सिट फाटलेल्या, काचा फुटलेल्या अशा स्थितीत बसेस सुरु आहेत त्या सर्व बसेसचे मेन्टेनन्स व वरील नमुद कामे सुस्थितीत असल्याचे मनपास लेखी कळवावे व मनपाच्या संबंधित उपायुक्ताने प्रत्यक्ष बसेसची तपासणी करून तसा सविस्तर अहवाल मा. आयुक्त व मा. महापौर यांना सादर करावा व समाधानकारक काम न आढळल्यास सदरची तिकिट दरवाढ रद्द करावी.
- ४) ठेकेदाराकडे बसेसवर कार्यरत असलेले वाहन चालक यांच्याकडे वैध स्वरूपाचे बस चालविण्याचे लायसन्स ब-याच चालकांकडे नाही तसेच ब-याच वाहकाकडे वैध स्वरूपाचा कंडक्टर बॅच नाही तरी मनपाने या सर्व आवश्यक गोष्टी तपासाव्या अन्यथा एखादा दुर्देवी अपघात घडल्यास मनपा या सर्व घटनांना दोष्टी राहील याची प्रशासनाने गंभीर नोंद घ्यावी.
- ५) करारनाम्याच्या अटीशर्तीनुसार ठेकेदाराने त्यांच्याकडे कार्यरत असलेल्या प्रत्येक कर्मचा-याचा पी.एफ. व ई.एस.आय.सी. प्रत्येक महिन्यात शासनाच्या संबंधित खात्याकडे भरणा करावायाचा आहे. परंतु, सदर ठेकेदाराने कोणत्याही कर्मचा-याचा पी.एफ. अथवा ई.एस.आय.सी. भरलेला दिसून येत नाही तरी मनपाने ठेकेदाराकडून वरील सर्व थकीत रक्कम भरणा करण्यास ठेकेदारास व पी.एफ.ई.एस.आय.सी. विभागास लेखी स्वरूपात नोटीस द्यावी व सदरची कर्मचा-यांची रक्कम शासनास दंड व व्याजासहित भरणा केल्याचे प्रमाणपत्र ठेकेदाराने मनपास सादर केल्यानंतरच प्रशासनाने परिवहन उपक्रमाची तिकिट भाडेवाढ लागु करणेस परवानगी द्यावी तोपर्यंत सदरची बस भाडेवाढ त्वरीत रद्द करावी.
- ६) आंतरराष्ट्रीय बाजारात कच्च्या तेलाचे दर घसरल्याने मागील महिन्यात दोन टप्प्यात डिझेलचे दर कमी करून साधारणतः ६ रुपये ५० पैसे दरवाढ कमी केलेली आहे. ही बाब लक्षात घेऊन सदर ठेकेदाराने लागु केलेली अन्यायकारक तिकिट दरवाढ रद्द करावी.

वरील सर्व महत्वाच्या बाबी लक्षात घेता प्रशासनाने सदर ठेकेदारास थकबाकीदार असुनही पाठीशी घालण्याचे काम करित असल्याचे सिध्द होत आहे. तरी आजच्या महासभेमध्ये ठेकेदाराने प्रवाशावर लादलेली अन्यायकारक बस तिकिट भाडेवाढ त्वरीत रद्द करावी असा मी ठराव मांडत आहे.

### जुबेर इनामदार :-

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

### नयना वसाणी :-

मिरा भाईदर महापालिकेने पी.पी.पी. तत्वावर बस पुरवठा करण्याचा ठेका मे. केस्ट्रल इन्फ्रा.प्रा.लि. या कंपनीस दि. ०९/१०/२०१० पासुन दिलेला आहे. सदर ठेकेदाराच्या कंपनीसोबत मिरा भाईदर परिवहन उपक्रमाचा करारनामा झालेला आहे. आता परिवहन उपक्रमाचा विचार करता ठेकेदाराकडून मिळाणारी सेवा ही अत्यंत हलक्या दर्जाची आहे. याची कारणे अशी की, ठेकेदार चालवीत असलेल्या बसेसचे मेन्टेनन्स वेळेवर करीत नाही. यामुळे परिवहन विभागाच्या बसेस रस्त्याच्या कडेला नादुरुस्त अवस्थेत ब-याच वेळा उभ्या असतात.

महानगरपालिकेने परिवहन ठेका पी.पी.पी. तत्वावर चालविण्यास दिलेला आहे. करारनाम्यातील अटी शर्ती प्रमाणे बस ठेकेदाराने महानगरपालिकेची रॉयल्टीची रक्कम थकवली असुन प्रशासनाने त्याच्या विरोधात कोणत्याही प्रकारची कारवाई प्रस्तावित केलेली नाही.

तसेच मा. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या नेतृत्व खाली एन.डी.ए. सरकारने पेट्रोल व डिझेलच्या भावामध्ये साधारणपणे ६ रुपये ५० पैसेने दरवाढ कमी केलेली आहे. ही बाब लक्षात ठेवणे आवश्यक आहे. तसेच दरवाढीचा प्रस्ताव मा. महासभेमध्ये मंजूरी घेणे आवश्यक होते. सदर दरवाढीचा प्रस्ताव महासभेमध्ये मंजूर न करता परिवहन विभागाने परस्पर दरवाढ केलेली आहे. ही बाब नियमबाब्या आहे. त्याच प्रमाणे सदर ठेकेदार हा कर्मचा-यांना वेतनवाढ देत नाही. तसेच पी.एफ. व ई.एस.आय.सी. ह्या रकमा शासनाकडे भरत नाही, असे निर्दर्शनास आले आहे.

तरी या सर्व बाबी लक्षात घेता ठेकेदाराने लागु केलेली अन्यायकारक तिकीट दरवाढ रद्द करून ती कमी करावी असा ठराव मांडत आहे.

### अनिल भोसले :-

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

### दिपीका अरोरा :-

मिरा भाईदर परिवहन विभागाची बस क्र. ९०४२, बस चालकाचे नाव सागर, वैळ सकाळी १०.५० ते ११.०० च्या दरम्यान मिरारोड स्टेशनहून रामदेव पार्ककडे जाणा-या बस मध्ये श्रीम. अनिता एम. डावरा या

प्रवाशी प्रवास करत होत्या. या बस मधील झायव्हरच्या बाजूचा टायर फुटून श्रीम. डावरा या गंभीर जखमी झालेल्या आहेत. त्यांच्या दोनही पायाचे ऑपरेशन होवून दोन्ही पायामध्ये स्ट्रेनलेस स्ट्रील रॅड टाकण्यात आलेले आहे. ही बाब अत्यंत खर्चीक असून आता पर्यंत श्रीम. डावरा यांचा या उपचारा पोटी ८०,०००/- खर्च झालेला आहे. परिवहन उपक्रमाने त्यांना फक्त रु.२५ हजार खर्च उपचाराकरीता दिलेला आहे. श्रीम. डावरा यांना दररोज ड्रेसिंग करावे लागते. तसेच दररोजचा औषधाचा खर्च रु.५००/- आहे. श्रीम. डावरा या बरे होण्याकरीता रु. १ लाख खर्च अपेक्षित आहे. परिवहन विभाग या जखमी महिलेस जादाचा खर्च देण्यास नकार देत आहे. याबाबत त्यांचा मुलगा श्री. अश्विन डावरा सातत्याने प्रयत्न करीत असून ठेकेदार त्यांना नकार देत आहे. तरी पालिका प्रशासनाने याबाबत जातीने लक्ष घालून श्रीम. डावरा यांना रु. १ लाख रक्कम द्यावी आणि नंतर ठेकेदाराकडून घ्यावी.

### **गणेश देशमुख (मा. उपायुक्त (मु.)) :-**

मा. महापौर महोदया, मांडलेल्या ठरावास अनुसरुन मी काही माहिती देऊ इच्छितो सन्मा. सदस्यांनी जो काही प्रश्न उपस्थित केलेला आहे. तो कॉन्ट्रॅक्टर रॉयल्टी भरत नाही ते बरोबर आहे. रॉयल्टी बन्याच कालावधी पासून प्रलंबित होती जुलै ऑगस्टची रॉयल्टी भरुन घेण्यात आलेली आहे. त्यापूर्वीची रॉयल्टी भरण्यासाठी पत्र दिलेले आहे. ती सुध्दा भरुन घेण्याची कारवाई लवकरच केली जाईल. शासकीय ड्यूज त्यांनी भरलेले नाहीत करारासंबंधातील तरतूदीनुसार त्याबाबत देखील पत्रव्यवहार झालेला आहे. शासकीय करांचा भरणा ती त्याची करारानुसार जबाबदारी असल्यामुळे त्यांनी वेळेत आणि संबंधीत अखत्यारीकडे भरणे आवश्यक आहे. त्याबद्दल त्यांना कार्यालयामार्फत लेखी दिलेले आहे. जो काही ठराव मांडला गेला आहे. हा ठराव करारातील तरतूदी आणि दिलेली दरवाढ ह्या सर्व बाबींचा विचार करून निर्णय घेण्यात येईल.

### **बर्नड डिमेलो :-**

दरवाढ जी केलेली आहे ती आर.टी.ओ. कडून मिळालेली असली पण बसेसची ठेवण कशी ठेवतात. कोणत्या प्रकारची सेवा देतात ह्याच्याकडे पण आपण लक्ष दिले पाहिजे.

### **भगवती शर्मा :-**

साहब इसका परिणाम इन्होने बताया ना एक पेसेजर टायर फटने से जखमी हो गई इन्होने अपने मुद्दे में लिखा है की, कल कोई ऐसी घटना घट जाए तो क्या होगा। क्योंकि बसका मेन्टेनेस नहीं है। उस बस में जानवर भी जाए तो उनकी भी सुरक्षा चाहिए। यहाँ तो इन्सानों को लेके जा रहे हैं। इसकी व्यवस्था देखें। इस बस में जो प्रवासी प्रवास कर रहे हैं वह भाड़ा दे रहे हैं। तो उसके अनुसरुप बस तो होनी चाहिए। कोई मेन्टेनेन्स नहीं है। साहब इन्होने अपने मुद्दे में लिखा है समय-समय पर जाँच होनी चाहिए। उस करारनामा के अंदर वो बसेस चलनी चाहिए। झायव्हर से लेके उसका पालन करना चाहिए। हमको कोई आपत्ती नहीं। आप महासभा में विषय लाए शहर में बसे आ रही हैं। आज जो १०० बस को मंजूरी दियी जो महापौर के नेतृत्व में मंजूरी देके यह बसे तयार हो रही हैं। ऐसे ठेकेदार रहेंगे तो इस बस को चलाएगा कौन। मेरा आपसे अनुरोध है की आज जो इन्होंने विषय लिया है गंभीर विषय है। इसपे जाच करके आगे आने वाली बसे कैसी चलाई जाए उसपे ध्यान दिजिए।

### **बर्नड डिमेलो :-**

जोपर्यंत बसेसची सुधारणा होत नाही तोपर्यंत भाडेवाढ करायची रद्द करावी किंवा स्थगित ठेवावी.

### **गिता जैन :-**

मा. महापौर मॅडम, नयना मॅडमनी खुलासा मागितला आहे की दरवाढ आम्ही मंजूर केली नाही ते होऊ शकते का? त्याचा खुलासा द्यावा.

### **शरद पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मा. आयुक्त साहेब त्या महिलेची परिस्थिती अशी झालेली की दोन पाय कापण्याची परिस्थिती उद्भवली होती. तिच नशिब चांगले आहे की डॉक्टरानी ऑपरेशन केल्यावर सांगितले की दोन्ही पायात रॅड टाकण्यात येतील मग रॅड टाकून त्याचे पाय वाचले एवढी भयानक परिस्थिती असताना ठेकेदार त्याच्या मुलावर दबाव टाकून २५,०००/- रुपये देऊन त्याच्यावर सही करायला लावली. ह्याची पण नोंद घ्या. आणि ठेकेदाराला ताकीद द्या की झाला तो खर्च तुम्हाला द्यायला लागेल त्याच्या कडून मनपानी वसून करून घ्या.

### **मा. आयुक्त सो. :-**

सर्व सन्मा. सदस्यांनी जे मुद्दे ह्या ठिकाणी उपस्थित केले त्याच्या मताशी अंशतः सहमत आहे. त्याचे प्रमुख कारण असे की आपण ह्याच्यावर विचार करताना एका अंगानी विचार करतो की, तो ठेकेदार चांगल्या सुविधा पुरवत नाही. त्याचबरोबर एक गोष्ट आपण विसरत चाललो की ह्या ठेकेदाराला चांगल्या सुविधा पुरवण्यासाठी जे पोषक वातावरण पाहिजे उदा. बस डेपोसाठी जागा देण्याची आवश्यकता आहे. कारण मला माहित नाही परंतु ह्या ठेकेदाराला जागा देऊ शकलो नाही महागाई वाढ होत राहते ह सत्य आहे. त्याच्याबद्दल दुमत असण्याचे कोणतेही कारण नाही. एका सन्मा. सदस्यांनी उल्लेख केला की ७ ते ८ रु. डिझेलचे दर कमी झालेले आहेत. माझ्याकडे २०१० पासून ते आतापर्यंतची आकडेवारी आहे. ७ रु. २१ पैसे डिझेलची दरवाढ कमी झाली आहे. परंतु नेट महागाई जी वाढली आहे डिझेलची जी २० रु. आणि ८ पैसे आहे. एकीकडे डिझेलचे दर वाढलेले आहेत. आपण दर वाढल्यानंतर थोड्या फार प्रमाणात कमी करतो. फक्त

थोड्या पुरता विचार केलेला दिसतो. माझी विनंती राहील तेवढ्या पुरताच विचार सिमित न करता एकंदरीत क्युइलिटी इफेक्ट किती आहे ह्याचा विचार करण्याची गरज आहे. तो आहे २० रु. आणि ८ पैसे. त्याचप्रमाणे त्या ठेकेदारानी कर्मचारी, कंडक्टर, ड्रायवर मेन्टेनन्स साठीचे कर्मचारी नोकरीला लावलेले आहेत. त्याच्याही पगारात त्यांनी वेळोवेळी वाढ केली ह्याचाही बोझा ठेकेदाराला सहन करावा लागतो. ठेकेदाराचे उत्पन्नाचे एकमेव साधन म्हणजे तिकीट दर ह्या तिकीटदरात आपण वाढ केली नाही त्याला आताच्या बस दरावर बस चालवणे निश्चित शक्य होणार नाही. त्यामुळे तिकीटाची दरवाढ करणे अपरिहार्य आहे. अन्यथा आता ज्या लेवलला तो बससेवा पूरवतो त्यामध्ये पुन्हा घसरण होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. त्यामुळे माझी सन्मा. सभागृहाला विनंती आहे. आपण हा विषय दोन्ही बाजूने विचार करून प्रशासनाने जी दरवाढीची अंमलबजावणी केली आहे त्याचे समर्थन करावे.

### **सुहास रकवी :-**

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो साहेबांनी आताच सांगितले की सदरच्या ठेकेदाराला बसची सेवा देणे परवडत नाही. साहेब तुम्ही सकाळच्या वेळेला भाईदर उत्तन बघा ती जनावरासारखी भरून आलेली बस दिसते. त्यांना रोजचे कमीत कमी ४ ते ५ लाख रुपये इन्कम आहे. त्यामानाने खर्च बघितला तर ह्याचा मेन्टेनन्स कुठेही दिसून येत नाही. एक तर टायर फुटला आहे, इंजिनचे काम आहे त्या ह्याच्यात मँडमनी सांगितल्याप्रमाणे इन्शुरन्स काढत नाही. आज इन्शुरन्स असता तर त्या बाईला पैसे देणे सोपे झाले असते. कुठल्याही गोष्टीत त्या कंपनीने त्यानी सुध्दा केले पाहिजे. त्यांनी इम्पलीमेंट करण्यासाठी आपण दबाव आणला पाहिजे. साहेब त्याच्याकडून काय सेक्युरिटी घेतली आहे का? ती सेक्युरिटी ठेवली असती तर आज ही परिस्थिती नसती. साहेब तिकडची परिस्थिती बघा. भाईदर स्टेशन बस नाहीच आहे. भाईदर उत्तनच जास्त चालतात. ज्या येतात त्या भरलेल्या असतात त्यांचे टाईमिंग असे आहे की त्या पूर्ण भरल्याशिवाय येऊ शकत नाही. साहेब तुम्हाला विनंती आहे त्यांचे सगळे जे आहे ते बघा. त्यांना परवडतील दरवाढ रद्द झालीच पाहिजे. भाईदर उत्तनचे नागरिक गरीब आहेत. त्यांना दरवाढ परवडत नाही. डिझेल दर कमी झालेले आहे. २० रु. ची तफावत बघता तेहा त्यांनी पैसे कमावले आहेत. तुम्ही विचार करा ही दरवाढ रद्द करा अशी मी सुचना करतो.

### **वेंचर मेन्डोंसा :-**

मा. महापौर मँडम, आपल्या परवागनीने बोलतो. इकडून बस ठाण्याला जातात तेहा त्याचे ३२ रु. भाडे होते. मध्येच ती बस बंद पडते मग ते नागरिक दुसऱ्या बसमध्ये जातात. मग त्यांचा मोबदला त्यांना का भेटत नाही. किंवा दुसऱ्या बस पण येत नाही. तसेच बसेसला स्पिड लिमिट किंवा लॉक असे काही लावले पाहिजे हे गरजेचे आहे. कारण बस एवढ्या वेगाने धावतात त्यामुळे उत्तनवाले गाडी चालवताना घाबरतात. ह्याच्यावर लक्ष देण्यात यावे ही नम्र विनंती.

### **शर्मिला बगाजी :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते, आता रकवी साहेबांनी सांगितले की उत्तन परिसरामध्ये एम.बी.एम.टी. ची जी बससेवा चालू आहे ती जास्तीत जास्त ७५ टक्के उत्तन भागावर अवलंबून आहे. ती सेवा एकदम खालच्या दर्जाची आहे. मा. आयुक्त साहेब सांगतात की, महागाईच्या हिशोबाने ही दरवाढ केली पाहिजे. परंतु महासभेची किंवा कोणाची परमिशन न घेता परस्पर ही दरवाढ प्रत्येक वेळेला करू शकतात का? आधी पण अशीच दरवाढ झाल्याने आंदोलन झाली होती. आता पण एकदम जास्त दरवाढ केलेली आहे. ही दरवाढ शासन आणि प्रशासनाला न शोभणारी दरवाढ आहे. जर तुम्ही दरवाढ करता तर बससेवा व्यवस्थित करा कारण उत्तनवरुन येणा-न्या नागरिकांना बसशिवाय काही पर्याय ठेवलेला नाही. जे टमटम चालायचे ते प्रशासनानी बंद केले आहेत. महामंडळाची जी सेवा होती ती पण बंद केली आहे. जर ह्या ठेकेदाराना परवडत नसेल तर ही सेवा एस.टी. महामंडळाकडे द्यावी अशी सुचना आहे. जर ह्या ठेकेदारानाच द्यायची असेल तर आमची विनंती आहे की ही दरवाढ पूर्णपणे रद्द करावी.

### **मा. आयुक्त सो. :-**

मा. महापौर महोदय, सन्मा. सदस्यांनी जे मुद्दे उपस्थित केले की ह्या सभागृहासमोर विषय न आणता एकतर्फी दरवाढ करण्यात आली. मी आपल्या निर्दशनास आणून देऊ इच्छितो की १८ जून २००९ रोजी ह्या सन्मा. सभागृहाने अधिकार मा. आयुक्तांना दिले आहेत. आयुक्तांनी सर्व प्रस्ताव रिजनल ट्रान्सपोर्ट अँथोरिटी ह्याच्याकडे हे प्रधान सचिव परिवहन ह्याच्या अध्यक्षतेखाली कार्यान्वित असणारी ऑथोरिटी आहे. त्यांनी अतिशय शास्त्रोक्त पद्धतीने ह्याचा अभ्यास करून ही दरवाढ निश्चित केलेली आहे. एवढच नव्हे तर ह्या शहराच्या धर्तीवरच इतर ज्या आजूबाजूच्या ४-५ महानगरपालिका आहेत त्याचेही दर काय आहेत त्याची माहिती .....

(सभागृहात गोंधळ)

### **बर्नड डिमेलो :-**

बसेस पण बघा. भाववाढला आमचा विरोध नाही. त्याप्रकारची सेवा द्या.

### **भगवती शर्मा :-**

एस.टी. बसचे ते लोक भाड देतात. बसेसची सेवा चांगली आहे.

## **बर्नड डिमेलो :-**

त्या बसमध्ये बसून एकदा अनुभव घेतल्यास तुम्हाला कळेल की लोक कसा प्रवास करतात. आम्ही भाव वाढ देऊ पण त्यांनी प्रवाशाची तसे साजेस वागले पाहिजे. भाववाढीला विरोध नाही त्यांची सेवा उत्तम करावी आणि भाववाढ करावी.

## **शरद पाटील :-**

मा. महापौर मँडम, अशी परिस्थिती आलेली आहे की, आपली बससेवा बंद करून एस.टी. महामंडळाची सेवा चालू करावी असा प्रकार उत्तनमध्ये चाललेला आहे.

## **मा. आयुक्त सो. :-**

तशी वेळ येणार नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

## **अनिल भोसले :-**

मा. महापौर मँडम, आपल्या परवानगीने बोलतो. आपल्या बसेस अशा आहेत की त्याच्यात गूर सुध्दा बसून जाऊ शकत नाही. त्या सीट सगळ्या फाटल्या आहेत. आपण एक व्हिजीट मारा.

## **मा. महापौर :-**

मी साहेबांना ऑलरेडी सांगितले आहे की पहिले उत्तन स्टार्ट करा स्वतः जाऊन बघा.

## **बर्नड डिमेलो :-**

मा. आयुक्त साहेब उत्तन परिसरात मच्छिमार आणि शेतकरी लोक आहेत. नोकरीला आणि शाळा कॉलेजला जाणारी लोक आहेत. तिकडे गाडी घोड्यावाली लोक नाहीत. फोर व्हिलर, टू व्हिलरवाली लोक नाहीत. बस शिवाय त्यांना पर्याय नाही. ह्याच्यावर विचार करावा त्यांना चांगली बसची सेवा पूरवावी. तिकीट वाढीला आमचा विरोध नाही त्यांनी जी दरवाढ केली आहे त्याला मान्यता देऊ जर त्यांनी साजेशा बसेस दिल्या वेळेवर आणि दिलेल्या वेळेत बसेस सुटल्या पाहिजेत १५-१५ आणि १०-१० मिनिट दिलेली आहेत. त्या वेळेत कधीच बसेस सूटत नाही.

## **रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मँडम, ठेकेदाराकडून सुरु केलेली बस ठेकेदारांनी ज्या वेळेला बससेवा सुरु केली ह्या सभागृहात सभागृहाच्या बाहेर वर्तमानपत्रात आपल्या कामकाजाची मग त्यात महापौर, आयुक्त सगळे नगरसेवक आले जेवढी बदनामी झाली त्याच्यापेक्षा आणखी बदनामी व्हायची गरज नाही. आपण वेगवेगळा विषयात लक्ष घालता त्या बदल धन्यवाद. पण तुम्ही ह्या बससेवेत लक्ष घाला तुम्ही अथेन्टीक माहिती घेतली हे खर आहे. अधिकार दिले हे ही खर तो ठराव तुम्ही वाचून दाखवला २००९ चा ठराव आजची परिस्थिती काय आहे. आजची परिस्थिती ज्या पध्दतीने ती बस चालते एखाद्या रुटवर ती बस चालते त्या ठिकाणी ती पूर्ण प्रॉफिटमध्ये आहे. पण त्या बस प्रवाशाला समाधान मिळाले पाहिजे की नाही. बस ही भाईदरहून सूटते उत्तनला जाते. उत्तनहून येते भाईदरला खाली होते. शाळेच्या विद्यार्थ्यांसाठी असलेली चौकावरुन सूटणारी बस आता बंद झाली काय आपण सेवा देतो. साहेब महापालिका काम करते. विद्यार्थ्यांसाठी काहीतरी करते नगरसेवक नगरसेविका कोणीतरी विनंती करतात मा. महापौराना विनंती करतात. मा. आयुक्तांना विनंती करतात बस चालू होते. सुरु झालेली बस चालू आहे की नाही हे बघणारे आपले कोणी नाही आहे. सुरु असलेल्या बसमध्ये सीट आहेत की नाहीत आपला काही रिपार्ट नाही साहेब आम्ही तुमचे सर्व काही ऐकतो परंतु ते किती ऐकायचे आपल्या डिपार्टमेंट्वा रिपोर्ट काय? अधिकाऱ्यांचा रिपोर्ट काय? बस बरोबर आहेत, टायर बरोबर आहेत, स्टेअरिंग बरोबर आहेत, हॉर्न वाजतो, बोर्ड लिहता, काच आहेत हे काहीच नाही. तरीही बस आपल्या उपस्थितीत ती बस चालू आहे त्यांचे आपण समर्थन करतो. आम्हाला ह्या बस पाहिजेत. उत्तन चौक निघण्याचा बाई, पुरुष, म्हातारे विद्यार्थ्यांना ती बस पाहिजे. दुसरे साधन नाही. तुम्ही जे द्याल त्यामध्ये ती लोक बसतात. आंदोलन पण करत नाही. तुमच्याकडे विनंती करतात. काही तरी चांगले द्या ते काही नाही. आम्ही विनंती करतो. २३ नंबरची बस जी कॉलेज विद्यार्थ्यांना, नागरीकांना उपयोगी पडते. विनंती केली की बस सुरु होते. टाईमटेबल देते ते टाईमटेबल मला घरपोच पोहचते, की ह्या बसच्या फेच्या आहेत. परंतु त्यापैकी  $\frac{1}{4}$  फेच्या चालू नाहीत. बस चालेल कशी कोणीतरी सांगते बसला पॅसेंजर मिळत नाही. अर्निंग नाही, प्रॉफीट नाही. बंद करायला लागेल. त्या बसला टायरच नाही ती बस चालेल काय? आमची विनंती आहे, सभागृहाने सांगितले आहे की त्याची दरवाढ रद्द करा. त्याला लाईनीत उभं करा. त्यांनी सांगितल्यापेक्षा दरवाढ आपण देऊ. पण व्हीजीबल असली पाहिजे. तो मागतो आपण देतो. त्याच्यामुळे किती वाद झाले. साहेब, तुम्हाला माहित नाही त्यानंतर त्या कर्मचाऱ्यांनी चालवायला घेतली ते पैसे देत नाही आम्ही चालवतो. तेच मजूरी करत होते तेच दिवसभर चालवत होते. आलेले पैसे एकत्र मोजत होते. ह्या परिवहनमध्ये आपण पूर्ण बदनाम आहोत. महानगरपालिका बदनाम झाली. नगरसेवक बदनाम झाले. आपण त्याचा सखोल अभ्यास करावा, अशी आमची सभागृहाची विनंती आहे.

## **मा. महापौर :-**

काका, कमिशनर साहेब समजले, त्यांना मी पण सांगितले आहे.

## रोहिदास पाटील :-

माझे नाही तर तुमचे तरी ऐकू द्या.

## मा. महापौर :-

माझे असे नाही. सर्वाचे ऐकू द्या. भाईदर शहर सर्वाचे आहे. ठराव सर्वानुमते मंजूर.

## प्रकरण क्र. ४२ :-

सन्मा. सदस्य श्री. बर्नट डिमेलो यांचा दिनांक १०/११/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. --- मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या परिवहन उपक्रम ठेकेदाराने लागू केलेली अन्यायकारक तिकीट दरवाढ रद्द करून ती कमी करणेबाबत.

## ठराव क्र. ४६ :-

मिरा भाईदर महापालिकेने पी.पी.पी. तत्वावर बस पुरवठा करण्याचा ठेका मे. केस्ट्रल इन्फ्रा.प्रा.लि. या कंपनीस दि. ०९/१०/२०१० पासुन दिलेला आहे. सदर ठेकेदाराच्या कंपनीसोबत मिरा भाईदर परिवहन उपक्रमाचा करारनामा झालेला आहे. आता परिवहन उपक्रमाचा विचार करता ठेकेदाराकडून मिळाणारी सेवा ही अत्यंत हलक्या दर्जाची आहे. याची कारणे अशी की, ठेकेदार चालवीत असलेल्या बसेसचे मेन्टेनन्स वेळेवर करीत नाही. यामुळे परिवहन विभागाच्या बसेस रस्त्याच्या कडेला नादुरुस्त अवस्थेत बऱ्याच वेळा उभ्या असतात. तसेच गेल्या अनेक वर्षांपासुन करारनाम्याच्या कोणत्याही अटीशर्तीचे पालन सदर ठेकेदार करीत नसल्याचे निर्दर्शनास येत आहे. त्या गंभीर बाबी खालीलप्रमाणे आहेत.

- १) करारनाम्याच्या अटीशर्तीनुसार परिवहन ठेकेदाराने महापालिकेस पी.पी.पी. तत्वावर बस सेवा चालवताना १ रु. प्रति कि.मी. प्रमाणे प्रति बस प्रति दिवस १८०/- रु. प्रमाणे जे.एन.एन.यु.आर.एम. अंतर्गत ५० बसेसची नियमित रॉयल्टी स्वरूपात पैसे भरणे बंधनकारक असताना सदरच्या ठेकेदाराने महापालिकेची सन २०१० ते २०१४ पर्यंत लाखो रुपये रॉयल्टी थक्कवलेली आहे. त्याचा भरणा ठेकेदाराकडून महापालिकेने प्रथम दंड व व्याजासहित सदरची थकीत रक्कम वसुल करावी व त्यानंतरच काही अंशी तिकिट दरवाढ लागू करण्यास परवानगी द्यावी. परंतु, जोपर्यंत ठेकेदार मनपाची थकित रॉयल्टी भरणा करीत नाही तिकिट वाढ प्रशासनाने रथगीत ठेवावी.
  - २) ठेकेदाराने बस सेवा देताना प्रत्येक बसचे इन्शुरन्स, आर.टी.ओ. टॅक्स, फिटनेस तपासणी इ. कागदपत्र चालु स्थितीत ठेवणे बंधनकारक असताना सुध्दा ठेकेदार हा बसेसचे इन्शुरन्स, फिटनेस व आर.टी.ओ. टॅक्स तसेच शासनाचा प्रवासीकर अधिभार भरीत नाही त्यामुळे ठेकेदाराने वरील सर्व रक्कमेचा भरणा करून ती सर्व कागदपत्र महापालिकेस चालु स्थितीत असल्याचे सादर करावे व तदनंतरच तिकीट दरवाढीस मनपाने मान्यता द्यावी तोपर्यंत दरवाढ रद्द करावी.
  - ३) ठेकेदाराने परिवहन उपक्रमाच्या बसेसचे मेन्टेनन्स दररोज चांगल्या प्रकारे देखभाल करणे बंधनकारक असताना बऱ्याच बसेस यांत्रिक बिघाडामुळे तसेच अस्वच्छ सिट फाटलेल्या, काचा फुटलेल्या अशा स्थितीत बसेस सुरु आहेत त्या सर्व बसेसचे मेन्टेनन्स व वरील नमुद कामे सुस्थितीत असल्याचे मनपास लेखी कळवावे व मनपाच्या संबंधित उपायुक्ताने प्रत्यक्ष बसेसची तपासणी करून तसा सविस्तर अहवाल मा. आयुक्त व मा. महापौर यांना सादर करावा व समाधानकारक काम न आढळल्यास सदरची तिकिट दरवाढ रद्द करावी.
  - ४) ठेकेदाराकडे बसेसवर कार्यरत असलेले वाहन चालक यांच्याकडे वैध स्वरूपाचे बस चालविण्याचे लायसन्स बऱ्याच चालकांकडे नाही तसेच बऱ्याच वाहकाकडे वैध स्वरूपाचा कंडक्टर बॅच नाही तरी मनपाने या सर्व आवश्यक गोष्टी तपासाच्या अन्यथा एखादा दुर्देवी अपघात घडल्यास मनपा या सर्व घटनांना दोष्टी राहील याची प्रशासनाने गंभीर नोंद घ्यावी.
  - ५) करारनाम्याच्या अटीशर्तीनुसार ठेकेदाराने त्यांच्याकडे कार्यरत असलेल्या प्रत्येक कर्मचा-याचा पी.एफ. व ई.एस.आय.सी. प्रत्येक महिन्यात शासनाच्या संबंधित खात्याकडे भरणा करावायाचा आहे. परंतु, सदर ठेकेदाराने कोणत्याही कर्मचा-याचा पी.एफ. अथवा ई.एस.आय.सी. भरलेला दिसून येत नाही तरी मनपाने ठेकेदाराकडून वरील सर्व थकीत रक्कम भरणा करण्यास ठेकेदारास व पी.एफ.ई.एस.आय.सी. विभागास लेखी स्वरूपात नोटीस द्यावी व सदरची कर्मचा-यांची रक्कम शासनास दंड व व्याजासहित भरणा केल्याचे प्रमाणपत्र ठेकेदाराने मनपास सादर केल्यानंतरच प्रशासनाने परिवहन उपक्रमाची तिकिट भाडेवाढ लागू करणेस परवानगी द्यावी तोपर्यंत सदरची बस भाडेवाढ त्वरीत रद्द करावी.
  - ६) आंतरराष्ट्रीय बाजारात कच्च्या तेलाचे दर घसरल्याने मा. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या नेतृत्वाखाली एन.डी.ए. सरकारने पेट्रोल व डिझेलच्या भावामध्ये मागील महिन्यात दोन टप्प्यात डिझेलचे दर कमी करून साधारणत: ६ रुपये ५० पैसे दरवाढ कमी केलेली आहे. ही बाब लक्षात घेऊन सदर ठेकेदाराने लागू केलेली अन्यायकारक तिकिट दरवाढ रद्द करावी.
- तसेच दरवाढीचा प्रस्ताव मा. महासभेमध्ये मंजूरी घेणे आवश्यक होते. सदर दरवाढीचा प्रस्ताव महासभेमध्ये मंजूर न करता परिवहन विभागाने परस्पर दरवाढ केलेली आहे ही बाब नियमबाब्य आहे. त्याचप्रमाणे सदर ठेकेदार हा कर्मचा-यांना वेतनवाढ देत नाही.

वरील सर्व महत्वाच्या बाबी लक्षात घेता प्रशासनाने सदर ठेकेदारास थकबाकीदार असुनही पाठीशी घालण्याचे काम करित असल्याचे सिध होत आहे. तरी आजच्या महासभेमध्ये ठेकेदाराने प्रवाशावर लादलेली अन्यायकारक बस तिकिट भाडेवाढ त्वरीत रद्द करावी असा मी ठराव मांडत आहे.

**सुचक :-** श्री. बर्नड डिमेलो                    **अनुमोदक :-** डॉ. नयना वसाणी  
ठराव सर्वानुमते मंजुर  
ठराव वाचून कायम करण्यात आला

सही /-  
महापौर  
**मिरा-भाईदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ४३, सन्मा. सदस्य श्री. हंसुकुमार पांडे यांचा दिनांक ११/११/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. ---- आरक्षण क्र. १०२ बगीचा व मैदान या जागेमध्ये वास्तुविशारद मे. तेजस कन्सल्टंट यांचा इमारत बांधकामाचा प्रस्ताव व मनपामार्फत प्राप्त झालेली बांधकाम परवानगी रद्द करणे व संबंधित वास्तुविशारद यांच्यावर दंडात्मक कारवाई करणे. सदस्य गैरहजर असल्यामुळे सदरचा प्रस्ताव मागे जात आहे.

**प्रविण पाटील :-**

मा. महापौर मँडम, भाईदर पूर्वेला एक अग्निशमन दल झालेले आहे. तर ते महानगरपालिकेने बांधले आहे की दसरे कोणी बांधले आहे त्याची माहिती द्या.

**मा. आयुक्त सोा. :-**

महानगरपालिकेने बांधले आहे.

**प्रविण पाटील :-**

सुरु झालेले आहे की नाही झाले?

**मा. आयुक्त सोा. :-**

सुरु झालेले आहे.

**प्रविण पाटील :-**

त्याचे उद्घाटन करावे. त्यासाठी मी अनेक पत्र पालिकेला दिलेली आहेत. स्थानिक नगरसेवक म्हणून मला त्याची काही कल्पना नाही. आमच्या पत्राचे उत्तर तरी द्यावे.

**मा. आयुक्त सोा. :-**

उत्तर देण्याची व्यवस्था उपायुक्त.....

**प्रविण पाटील :-**

उद्घाटन आपण करु शकतो की नाही करु शकत असे तरी द्या. उद्घाटन झाले की नाही ते तरी सांगा.

**मा. आयुक्त सोा. :-**

मी माहिती घेतो.

**प्रविण पाटील :-**

पेपरमध्ये बातमी आली की त्याचे उद्घाटन झाले आणि सन्मा. नगरसेवक रोहिदास पाटील ह्यांनी त्याचे उद्घाटन केले.

**मा. आयुक्त सोा. :-**

त्याची मी चौकशी करतो.

**प्रविण पाटील :-**

चौकशी कसली करता? उद्घाटन झाले.

**निलम ढवण :-**

मा. महापौर मँडम बरोबर आहे. जेव्हा अशा वास्तु उभारल्या जातात अशा वेळी कमीत कमी सर्व पक्षाचे स्थानिक नगरसेवक किंवा सर्व पक्षाचे गटनेते ह्यांना तरी त्याची माहिती असावी. आमच्या शेजारी किंवा त्यांच्या प्रभागात एवढे मोठे फायर ब्रिगेडचे स्टेशन उभारले तर आम्हाला त्याची कल्पना येईल.

**प्रविण पाटील :-**

गेल्या किंत्येक वर्षापासून आम्ही मागणी करतो.

**मा. महापौर :-**

महासभेत मी पण मागणी केलेली. सन्मा. सदस्या वंदना विकास पाटील ह्यांचेसुधा पत्र आहे.

**प्रविण पाटील :-**

त्यांची मागणी आहे, मान्य करतो. आम्ही दोघांनी मागणी केलेली आहे.

**मा. महापौर :-**

त्यांचे मला पहिले पत्र आले आणि मी महासभेत घेतले. ते त्यांच्या पत्रावर घेतले.

**प्रविण पाटील :-**

आता काय कारवाई करणार?

**मा. महापौर :-**

आता त्यांना माहिती नाही, तुम्हाला माहित नाही आणि मला पण माहित नाही.

**प्रविण पाटील :-**

कोणीही यावं आणि काहीही करावं.

**मा. महापौर :-**

पत्रव्यवहार तुम्ही केला महासभेत, मी घेतला.

**प्रविण पाटील :-**

मँडम शहराची गरज आहे आम्हाला माहित आहे. तिथे फायर स्टेशन असावे.

**मा. महापौर :-**

ठिक आहे. त्याचे व्यवस्थित उद्घाटन करुया.

**प्रविण पाटील :-**

आमची मागणी आहे त्याचे उद्घाटन रितसर व्हावे.

**निलम ढवण :-**

अशा वास्तुचे उद्घाटन, भुमीपुजन करताना स्थानिक आमदारांना आमंत्रित करावे, अशी मी सुचना करते.

**प्रमोद सामंत :-**

मा. महापौर मँडम, त्यादिवशी सन्मा. सदस्य जुबेर ईनामदार ह्यांनी लक्षवेधी मांडली होती. डेंग्यु आणि आरोग्यावर लक्षवेधी होती. काल आमच्या प्रभागात पुनम सागर, शांतीनगर, सृष्टी, जेसलपार्क अशा चार ठिकाणी सिव्हरेजचे एस.टी.पी. प्लान आहेत ते होते. आता नविन बनतात. कालच त्या ठेकेदाराचा पाठलाग करून त्याला विचारले ड्रेनेज क्लीयर नही होता है तू क्या कर रहा है? त्याला जास्त बोलल्यावर त्यांनी माझे हात जोडले. बोलो मत किसीको वो, एस.टी.पी. बन रहा है इसके लिए तुम्हारा ड्रेनेज जाम है। शांतीनगरमध्ये रेनवॉटर जाण्यासाठी पावसाळी पाणी जाण्यासाठी गटर बनवलेले आहेत. कायम सुकी असायची जोपर्यंत बिल्डरच्या हातात होत ना तोपर्यंत गटारात कुठेही पाणी नसायचे. आता गेल्या २-४ वर्षात शांतीनगरमध्ये सर्व गटार पाण्याने भरलेली आहेत. शांतीनगरमध्ये पूर्णपणे ड्रेनेज लाईन अस्तित्वात आहे. दोन सम्प चालतात ते सम्प चालवण्यासाठी आपण ठेकेदाराला आपण दरवर्षी ५० लाख देतो. आजची परिस्थिती अशी आहे की, सगळी गटार भरलेली आहेत. मी गेल्या महिन्याभर आरोग्याचे जे सफाई कर्मचारी आहेत त्याच्या मागे आहे. त्याच्या मागे लागून रोज सफाई करायला सांगतो. गेल्या आठवड्यात मी अंडरग्रांड टॅन्क त्यांना ओपन करायला सांगितले. ते टॅन्क भरलेले होते म्हणून त्याची सफाई रोज करायला लावली. मी त्या ठेकेदाराच्या माणसाबोर फिरतो. पण अजून पर्यंत सफाई झालेली नाही. सफाई का झाली नाही म्हणून विचारले असता सांगितले की एस.टी.पी. प्लान्टमध्ये त्याच्या व्हीलमध्ये जे पाणी घेतले जाते त्यामुळे सफाई होत नाही. मग गेला महिनाभर किंवा वर्षभर तिथे गटारात आम्हांला पाणी दिसते आणि त्यामुळे विविध आजार तेथील नागरीकांना होतात. त्याला जबाबदार कोण आहे? जर त्या व्हेलमध्ये पाणी गेल्यामुळे जर गटार भरत असतील, सगळी गटार ओपन आहेत. तर त्याची जबाबदारी कोणाची आहे. मा. आयुक्त साहेब ह्याबदल काल मी तुम्हाला फोन करून कळवले. मला ठेकेदार आणि ऑफीसर ह्यांची एकत्र बैठक लावली पाहिजे आणि मला ह्याचे उत्तर द्या. सगळ्या सदस्यांना पण कळले पाहिजे की, प्रशासन कशी दिशाभूल करतो आणि आम्हाला कामाला लावते. आम्ही रोज सांगायचे की गटारात पाणी आहे. मग ह्यांची लोक येणार मग सांगणार त्या सोसायटीचे ड्रेनेज जाम आहे. त्यांना नोटीस द्या. त्यांच्यामुळे जाम होते मग आम्ही त्या सोसायटीच्या लोकांबोरावर वाद घालायचा हा काय प्रकार आहे. ह्याचे स्पष्टीकरण संबंधीत अधिकायाने द्यावे.

**मा. आयुक्त सो. :-**

ह्या संदर्भात बैठक होईल.

**प्रमोद सामंत :-**

बैठक व्हावी असे मला वाटत होते. योगायोगाने ही सभा लागली आहे. अधिकारी हजर आहेत त्यांनी उत्तर द्यावे की, हे दोन वर्षापासून काय चालले आहे.

**सुरेश वाकोडे :-**

मा. महापौर मँडमच्या परवानगीने बोलतो. आपण जो शांतीनगरचा जो प्रॉब्लम उपस्थित केला आहे. त्याठिकाणी जे गटर भरले जाते, पाणी येत नाही हा जो प्रकार आहे तो शांतीनगरमध्ये कुठे कुठे प्रॉब्लम येतो तो आपल्याला चेक करायला लागेल.

**प्रमोद सामंत :-**

तुम्हाला दोन महिन्यांपासून मी सांगतो. तुम्ही चुकीचे उत्तर देता. असे बोलायचे नाही. दिशाभूल करायची नाही. गेल्या वर्षभर मी तुमच्या माणसांना सांगतो. तुमच्या जे.ई. ना बोलवा.

**सुरेश वाकोडे :-**

तुम्हाला सिस्टीम सांगतो. तुम्ही ऐकून घ्या.

### **प्रमोद सामंत :-**

तुम्ही सभेत खोटे बोलायचे नाही. खरे काय ते सांगा.

### **सुरेश वाकोडे :-**

जे सोसायटीचे प्रॉपर्टी कनेक्शन असतात ते लाईनला जोडलेले असतात. सोसायटीच्या काही ठिकाणी लाईन चॉक-अप होते. काही प्रॉब्लम होतात तर त्या डायरेक्ट ड्रेनेजला जोडलेले असतात. स्ट्रॉम वॉटरलर त्यामुळे हा प्रॉब्लम उद्भवतो.

### **प्रमोद सामंत :-**

स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनला आमच्या शांतीनगरमध्ये एकही कनेक्शन जोडलेले नाही. आम्हाला येवून दाखवा. तुम्ही खोटे बोलायचे नाही. तुमचे सम्प काम करत नाही. तुम्हाला पाणी २० फुट वर चढवायला लागते म्हणून ते पाणी ड्रेनेजमध्ये येते. त्यामुळे लोकांना रोगराई होते. साहेब हे त्याला जबाबदार आहेत.

### **सुरेश वाकोडे :-**

त्याठिकाणी पंमींग सिस्टीम आहे.

### **प्रमोद सामंत :-**

तुम्ही लोकांच्या आरोग्याला जबाबदार आहात. जबाबदारी निश्चित करा.

### **मा. आयुक्त सोळो :-**

मी सन्मा. सदस्यांच्या भावनांशी सहमत आहे. मी स्वतः उद्या सकाळी ११.०० वाजता स्पॉटवर येतो. इंजिनिअर सोबत असतील आपल्याला विनंती आहे आपणही या. ठेकेदाराला बोलावतो आपण पाहणी करु. त्यानंतर माझ्या दालनात मिटींग घेऊ आणि ह्याच्यावर तोडगा काढू.

### **प्रमोद सामंत :-**

मा. महापौर मँडम मला हेच सांगायचे आहे की, आपल्या मनपामध्ये आयुक्त साहेबांकडे मिटींग घेतली तर आयुक्त साहेबांनी आम्हाला असे सांगितले की, शहरामध्ये तुम्हाला काही पॉझीटिव्ह गोष्टी दिसत नाहीत का? दिसतात पण नेगेटिव्ह इतक्या एवढ्या आहेत की त्यामुळे पॉझीटिव्ह दडल्या जातात. साहेब आजचा एक विषय बघा. आरक्षण बाबत आपण कोणावरही जबाबदारी निश्चित करत नाही. समाजमंदिर वर्षभर भाड्याने दिले जात नाही. आपण कोणावरही जबाबदारी निश्चित करत नाही. डायलेसीस मशिनसाठी मा. आमदार आपला निधी देतात पण डायलेसीस मशीन येत नाही. शेकडो एकरमध्ये अतिक्रमण होते. जबाबदारी कोणावरही नाही. गेली चार वर्ष ऑडीत रिपोर्ट सादर होत नाही. कोणावरही जबाबदारी नाही. चार वर्ष डेपो नव्हते कोणाला माहित नव्हते. परिवहन विभागाला बसेससाठी डेपो द्यायचा कोणाला माहित नाही. का अगोदर येत नाही. चार वर्षांत आपण एखादी जागा उपलब्ध करून देऊ शकत नाही. मँडम हे महत्वाचे विषय आहेत. बी.एस.यु.पी. चा ठेकेदार आपण त्याच्याकडून मॉबीलायजेशन ॲडवान्स परत घेतला पाहिजे. त्यांच्याकडून इंट्रेस्ट घेतला पाहिजे. सहा करोड रुपये त्याच्याकडे बाकी आहेत. त्याला कोण जबाबदार आहे. प्रशासन जबाबदार आहे की नाही? जबाबदारी निश्चित करा.

### **वंदना चक्रे :-**

मा. महापौर मँडम माझ्या वॉर्डातसुधा एस.टीपी. प्लान्टचे लेबोरेटी आर.एन.ए. फार मोठ्या प्रमाणात रिबीटचे गटार आहे. आपण २०१२ ला निवडून आल्यानंतर त्याचे उद्घाटन केलेले आहे. ते हॅन्डवर्क केले की नाही?

### **मा. महापौर :-**

मँडम ती साईट झालेली आहे.

### **वंदना चक्रे :-**

मी परवाच आयुक्त साहेबांना पत्र दिलेले आहे. माझ्यामते चार लोक मेलेली आहेत.

### **मा. महापौर :-**

तुम्ही कमिशनरकडे या मी साहेबांना सांगते.

### **प्रविण पाटील :-**

मा. महापौर मँडम, एक गंभीर बाब आहे. नवघर गार्डनमध्ये तीन दिवसापूर्वी एका माणसाला साप चावला आहे. मी ईरकर साहेबांकडे गेलो. ते बोलतात लाईट लागणार नाही खांबित साहेबांना विचारा. खांबित साहेबांना विचारले लाईट कधी लागणार तर ते बोलतात ईरकरना विचारा. एक महिन्यापासून त्या गार्डनमध्ये लाईट नाही. ज्या व्यक्तीला साप चावला आहे ती व्यक्ती अत्यंत गंभीर आहे. ही व्यक्ती मरण पावली तर ह्याला जबाबदार कोण? महापौर, आयुक्त की खांबित की ईरकर साहेब?

(सदरचा प्रस्ताव संबंधीत सदस्य श्री. हंसुकुमार पांडे हे गैरहजर असल्याने फेटाळण्यात आला.)

### **रोहिदास पाटील :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका हृदीतील खारीगाव येथील कृष्णा भाऊ पाटील ह्यांचे दि. १०/११/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. त्यांचे अल्पशिक्षण असून देखील त्यांनी १६ नाटके लिहीली, १५ कांदब-च्या लिहील्या, १० एकांकीका लिहल्या. त्यांचा १९६७-६८ साली महाराष्ट्र नाट्य क्षेत्रात नाट्यलेखन परिक्षा प्रथम श्रेणीत उत्तम गौरव करण्यात आला होता. त्यांचा मी शोकप्रस्ताव मांडत आहे.

### शरद पाटील :-

भाईंदर पूर्व येथील भवननिर्माते चंदुभाई रावल ह्यांचेदेखील निधन झालेले आहे त्यांचा शोकप्रस्ताव मांडत आहे.

### अशरफ शेख :-

मुरली देवरा यांचा शोकप्रस्ताव मांडत आहे.

### दुःखवठा ठराव क्र. ४७ :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका हृदीतील खारीगाव येथील कृष्णा भाऊ पाटील ह्यांचे दि. १०/११/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. भाईंदर पूर्व येथील भवननिर्माते चंदुभाई रावल ह्यांचेदेखील निधन झालेले आहे त्यांचा शोकप्रस्ताव मांडत आहे. तसेच श्री. मुरली देवरा यांचे दुःखद निधन झालेले आहे. त्यांचा शोकप्रस्ताव मांडत आहे.

सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील                    अनुमोदक :- श्री. शरद पाटील  
ठराव सर्वानुमते मंजुर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

### मा. महापौर :-

आजची सभा संपली असे मी जाहिर करते.

(सभा संपण्याची वेळ दु. २.२५)

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

  
नगरसचिव  
मिरा भाईंदर महानगरपालिका